THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 10 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.9 2080 गुरुवार, 30 मार्च 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

कर्नाटक में 10 मई को चुनाव, 13 को नतीजा

वायनाड उपचुनाव पर चुनाव आयोग ने कहा-6 महीने का वक्त है, इंतजार करेंगे

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव 10 मई को होंगे। नतीजे 13 मई को आएंगे। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बुधवार को कहा कि वोटिंग एक ही चरण में कराई जाएगी। कर्नाटक में 5.21 करोड़ मतदाता हैं, जो 224 विधानसभा सीटों पर मतदान करेंगे। राजीव कुमार ने कहा कि जो लोग 1 अप्रैल को 18 साल के होंगे, वो भी वोट डाल सकेंगे। इसके लिए हमने एडवांस एप्लीकेशन मंगवा ली है।

राज्य में मौजूदा भाजपा सरकार का कार्यकाल 24 मई को खत्म हो रहा है। इस बार मुकाबला भाजपा, कांग्रेस और जेडीएस के बीच रहेगा। पिछली बार जेडीएस-कांग्रेस साथ थी, लेकिन इस बार वह अलग चुनाव लड़ेगी। चुनाव आयोग ने 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीट पर उप-चुनाव का ऐलान भी किया है। राहुल गांधी की संसद सदस्यता रद्द होने के बाद खाली हुई वायनाड सीट पर चुनाव की घोषणा नहीं की। इस पर सवाल पूछा गया तो राजीव कुमार ने कहा- खाली सीट पर चुनाव कराने के लिए 6 महीने का वक्त होता है। ट्रायल कोर्ट ने राहुल गांधी को 30 दिन का वक्त दिया है ताकि वो ऊंची अदालत में अपील दायर कर सकें। इसलिए अभी हम इंतजार करेंगे। 16,976 लोग 100 साल से ऊपर हैं। 80 साल से ऊपर और दिव्यांगों के लिए घर से वोटिंग की सुविधा।

9.17 लाख वोटर्स पहली बार वोट डालेंगे। 1 अप्रैल को 18 साल के हो रहे युवा भी वोट डाल सकेंगे। इनकी संख्या 41 हजार है। 58,282 पोलिंग स्टेशन हैं। इनमें 1320 महिलाएं मैनेज करेंगी।

4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी होंगे

इसके अलावा पंजाब और यूपी समेत 4 राज्यों की 5 विधानसभा सीटों पर भी 10 मई को उपचुनाव होंगे। नतीजे 13 मई को आएंगे। पंजाब की जालंधर, ओडिशा की झारसुगुड़ा, उत्तर प्रदेश की छानबे और स्वार, मेघालय की सोहियोंग सीट पर उप-चुनाव होंगे। उधर, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और कर्नाटक के पूर्व सीएम सिद्धारमैया ने कहा, '2023 का चुनाव मेरा आखिरी चुनाव होगा। इसके बाद मैं चुनावी प्रक्रिया से दूर रहूंगा।'

उन्होंने कहा कि वह वरुणा सीट के अलावा, कोलार सीट से भी चुनाव लड़ेंगे। कर्नाटक में 224 विधानसभा सीटें हैं। 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा को 104, कांग्रेस को 78 और जेडीएस ने 37 सीटें जीती थीं। किसी पार्टी को बहुमत नहीं मिला था।

राहुल सदस्यता जाने के बाद पहली बार संसद पहुंचे

सोनिया के साथ कांग्रेस सांसदों की बैठक में शामिल हुए-दोनों सदन 3 अप्रैल तक स्थगित

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के डिस्क्वालिफाइड सांसद राहुल गांधी भी पार्टी सांसदों की बैठक में शामिल होने संसद पहुंचे और आधे घंटे बाद मां सोनिया को लेकर निकल गए।

राहुल गांधी अपनी संसद सदस्यता भंग किए जाने के बाद बुधवार को पहली बार संसद पहुंचे। वे यहां कांग्रेस सांसदों की बैठक में शामिल होने आए थे। वे आधे घंटे यहां रुके और मां सोनिया गांधी के साथ गाड़ी में बैठकर निकल गए। राहुल की संसद सदस्यता 24 मार्च दोपहर करीब 2.30 बजे रद्द कर दी गई थी। वे केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य थे। वहीं, बुधवार को संसद की 12वें दिन की कार्यवाही 3 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में कांग्रेस सांसदों ने स्पीकर के सामने 'सेव डेमोक्रेसी' के पोस्टर दिखाए और काले कपड़े लहराए। कांग्रेस नेता आज भी काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे थे, हालांकि कांग्रेस की बैठक में शामिल होने पहुंचे राहुल सफेद टीशर्ट में आए थे।

खड़गे बोले-पीएम भ्रष्टाचारियों को बचा रहे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि पीएम मोदी खुद भ्रष्ट हैं। वे उन लोगों को कुछ नहीं कह रहे हैं, जिन्होंने इस देश को लूटा। ऐसे लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। जेपीसी का गठन नहीं किया जा रहा है, तो क्या पीएम ने भ्रष्ट लोगों के साथ हाथ मिला लिया है? खड़गे ने कहा कि कर्नाटक में 40% की सरकार है और भाजपा को इसमें महारत हासिल है। उन विधायकों के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया गया जिनके यहां से 8-10 करोड़ रुपए बरामद किए गए।

बिना हेलमेट बाइक चला रहा युवक भागा तो गोली मारी

पीछा कर गोली मारने वाला एएसआई गिरफ्तार, पूरी चेकिंग टीम सस्पेंड

जहानाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के जहानाबाद में बिना हेलमेट बाइक चला रहा युवक (23) पुलिस चेकिंग देखकर भागा तो एएसआई ने उसका पीछा किया और गोली मार दी। घटना मंगलवार की है। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

गोली मारने वाले एएसआई मुमताज अहमद को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया है। उसके ऊपर हत्या की कोशिश का केस दर्ज किया गया है। उसे कोर्ट में पेश करके जेल भेज दिया गया है। एसपी दीपक रंजन ने चेकिंग कर रही पूरी टीम को सस्पेंड कर दिया है। इस टीम में ओपी अध्यक्ष, एएसआई भीम कुमार, सिपाही विनय कुमार और सिपाही कुमार महेश शामिल हैं।

लैंड फॉर जॉब्स स्कैम में अब 8 मई को सुनवाई

राबड़ी और मीसा पहुंचे थे कोर्ट; 4 हफ्ते में सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश करेगी सीबीआई

पटना, 29 मार्च (एजेंसियां)। रेलवे में लैंड फॉर जॉब्स स्कैम में बुधवार को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने आरोपियों की चार्जशीट कॉपी देने को कहा है। सीबीआई ने इस मामले में कोर्ट से सप्लीमेंट्री चार्जशीट पेश करने के लिए 4 हफ्ते का वक्त मांगा है। इसके बाद कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 8 मई की तारीख रखी है। सुनवाई के लिए राबड़ी और मीसा भारती दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे थे। लालू आज सुनवाई के दौरान मौजूद नहीं थे। लालू के वकील ने उनके खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 15 मार्च को हुई सुनवाई में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी और मीसा भारती को 50 हजार रुपए के मुचलके पर जमानत दे दी थी। यह मामला तब का है जब लालू प्रसाद 2004 से 2009 के बीच देश के रेल मंत्री थे। तब रेलवे के ग्रुप डी के अभ्यर्थियों से जमीन लेकर नौकरी देने का आरोप है।

एनएसए की बैठक में जमकर गरजे डोभाल

पाकिस्तान-चीन के एनएसए के सामने उठाया आतंकवाद-सैनिकों की घुसपैठ का मामला

नई दिल्ली , 29 मार्च (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन की बैठक दिल्ली में आयोजित हो रही है। आज शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक हो रही है। इस बैठक में शामिल होने के लिए कई देशों के एनएसए भारत आए हुए हैं। भारत की तरफ से राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल हुए हैं। बैठक के दौरान अपने संबोधन में अजीत डोवाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर दक्षिण ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर में अपने दायित्वों का निर्वहन करेगा और उसमें चाबहार बंदरगाह को शामिल करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारत जून 2017 में शंघाई सहयोग संगठन का सदस्य बना था लेकिन इसके सदस्यों देशों से हमारे संबंध कई सदी पुराने हैं। बता दें कि उत्तर दक्षिण ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर भारत से रूस के बीच का कॉरिडोर है, जो ईरान से होकर गुजरता है। इस कॉरिडोर का उद्देश्य भारत और रूस के बीच ट्रांसपोर्ट की लागत को कम करना और समय की अवधि को भी कम करना है।

जब जज ही पद ले रहे तो सुप्रीम कोर्ट क्या गाइडलाइन देगा

रिटायर्ड जजों के सरकारी पद लेने पर बोले पूर्व जस्टिस दीपक गुप्ता

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज एस अब्दुल नजीर को आंध्र प्रदेश का राज्यपाल बनाए जाने के बाद एक बार फरि जजों के पोस्ट रिटायरमेंट जॉब की बहस ने जोर पकड़ा। न्यायिक बिरादरी के लोगों को अक्सर इस सवाल का सामना करना पड़ता है कि क्या रिटायरमेंट से पहले जज पोस्ट रिटायरमेंट बेनिफिट की उम्मीद में फैसला देता है? राजनीतिक दलों, खास कर सत्ताधारी पार्टियों पर भी यह तोहमत लगता रहा है कि वह अपने पक्ष में फैसला कराने के एवज में जजों को सेवानिवृत्ति के बाद लाभ पहुंचाते हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज दीपक गुप्ता को भी इस सवाल का सामना करना पड़ा कि क्या उन्हें रिटायरमेंट के बाद सरकार की तरफ से कोई पद ऑफर हुआ था? साल 2020 में उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत हुए दीपक गुप्ता ने

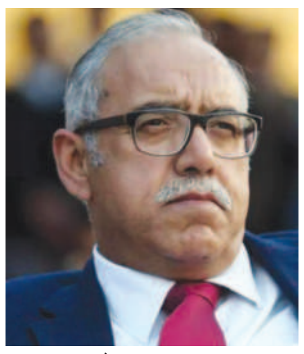

कहा कि मैं इस पर ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। सीधे तौर पर तो नहीं लेकिन कुछ हिंट आया था। लेकिन मैं इस व्यक्तिगत बहस में नहीं पड़ता चाहता कि मुझे ऑफर मिला था या नहीं। पर, इस मुद्दे पर उन्होंने अपनी राय जरूर रखी। जस्टिस गुप्ता ने स्पष्ट कहा कि मेरा यह मानना है कि किसी भी जज को रिटायरमेंट के बाद नौकरी नहीं लेनी चाहिए।

यही कारण है कि लोगों के बीच न्यायपालिका को लेकर एक विशेष तरह की धारणा बनती है। रिटायरमेंट के बाद कई जजों ने अच्छा काम किया लेकिन लोगों के बीच यह परसेप्शन बनता है कि अमुक फैसला इसलिए 'इस तरह' डिसाइड हुआ क्योंकि जज साहब रिटायर होने वाले हैं। और रिटायरमेंट के बाद उन्हें कोई पोस्ट मिल जाएगा। दीपक गुप्ता कहते हैं, "इससे न्यायपालिका की छवि पर धब्बा लगता है। इसलिए ऐसा चांस ही क्यों लेना। इसलिए मेरा स्पष्ट मानना है कि एक बार आप रिटायर हो गए, तो कोई और नौकरी नहीं लेनी चाहिए।"

उन्होंने कहा कि जब आपने रिटायर कर दिया मतलब उस काम के लायक नहीं पाया तो फिर दूसरे काम के लायक कैसे पा सकते हैं? जब उनसे यह पूछा गया कि क्या सुप्रीम कोर्ट को इस मामले में खुद संज्ञान लेकर दशिानर्दिेश नहीं बनाना चाहिए तो उनका कहना था जब सुप्रीम कोर्ट के जज ही पोस्ट ले रहे हैं तो सुप्रीम कोर्ट भी क्या गाइडलाइन देगा।" रिटायर्ड जस्टिस दीपक गुप्ता ने कहा, "अरुण जेटली जी बोलते थे कि रिटायरमेंट की एक ही उम्र होनी चाहिए। पोस्ट रिटायरमेंट कोई बेनिफिट नहीं मिलना चाहिए। मैं उनकी बात से बिल्कुल सहमत हूं।" बता दें कि दिवंगत भाजपा नेता और पूर्व कानून मंत्री अरुण जेटली ने कहा था कि रिटायरमेंट के पहले जज इस उम्मीद में फैसले देते हैं कि रिटायरमेंट के बाद नौकरी मिलेगी। जस्टिस मदन बी लोकुर ने पोस्ट रिटायरमेंट जॉब पर दो तरह के विचार रखे थे। उन्होंने कहा था, "अगर कोई जज रिटायर हो जाए और उसे कोई नॉन जुडिशल जॉब मिले तो नहीं लेना चाहिए। जैसे- अगर किसी को कह दिया गया कि आप गवर्नर बन जाइए या मेंबर ऑफ पार्लियामेंट बन जाइए, तो इस टाइप के जॉब लेने नहीं चाहिए। अगर लेना भी है तो एक कूलिंग पीरियड के बाद लेना चाहिए। दूसरी बात यह कि अगर रिटायरमेंट के बाद कोई ऐसा काम मिल जाए, जिसका जुडिशरी से कोई संबंध हो, जैसे- ट्रिब्यूनल्स हैं। वहां मामलों का निपटारा करना होता है। इस तरह का जॉब लेने में कोई हर्ज नहीं है। पर उसमें भी कूलिंग पीरियड होना चाहिए। ऐसा नहीं होना चाहिए आप आज रिटायर हों और कल सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में कोई पद मिल जाए। एक कूलिंग पीरियड जरूरी है।

एक हो एचसी-एससी के जजों की रिटायरमेंट एज

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज दीपक गुप्ता की राय है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों की रिटायरमेंट की उम्र एक होनी चाहिए। वह कहते हैं, "काम हम एक जैसा करते हैं। अगर रिटायरमेंट की उम्र एक हो जाती है तो हाईकोर्ट के बहुत से जज सुप्रीम कोर्ट आना ही नहीं चाहेंगे।

पुणे से सांसद गिरीश बापट का निधन

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। पुणे से लोकसभा के सदस्य गिरीश बापट का बुधवार को पुणे के एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 72 वर्ष के थे। बापट पिछले डेढ़ साल से बीमार थे। उन्हें गंभीर स्थिति में दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया था और वह जीवन रक्षक प्रणाली पर थे। लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने बापट के निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि अपने कल्याणकारी कार्यों से गिरीश बापट ने सामाजिक जीवन पर गहरा प्रभाव छोड़ा। वह जनहित के लिए सदैव समर्पित रहे। ओम बिरला ने गिरीश बापट के परिजनों के प्रति भी संवेदनाएं जताई। भाजपा की पुणे शहर इकाई के अध्यक्ष जगदीश मुलिक ने कहा, ''आज बहुत दुखद दिन है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पुणे लोकसभा सीट से सांसद गिरीश बापट आज हमें छोड़कर चले गए। उनका अस्पताल में निधन हो गया। वह पिछले डेढ़ साल से बीमार थे और उनका इलाज चल रहा था।'' उन्होंने बताया कि बापट का अंतिम संस्कार बुधवार शाम को वैकुंठ श्मशान घाट में किया जाएगा। वह कस्बा पेठ विधानसभा सीट से पांच बार विधायक चुने गए थे। वह 2019 में पुणे से सांसद बने।

महाराष्ट्र के मंत्री शंभूराज देसाई हुए कोरोना पॉजिटिव

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के एक और नेता कोरोना पॉजिटिव हुए। मंत्री शंभूराज देसाई की कोरोनो रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। देसाई होम क्वारंटीन में हैं। देसाई ने अपील की है कि पिछले 3-4 दिन में उनके कॉन्टैक्ट में आए सभी लोग अपना कोविड टेस्ट करवा लें। उन्होंने ट्वीट किया, मेरा कोविड टेस्ट पॉजिटिव है। मैं अपने निवास पर होम आइसोलेशन में डॉक्टरों से इलाज करवा रहा हूं। मेरा स्वास्थ्य ठीक है और चिंता की कोई बात नहीं है। मैं उन लोगों से अपील करता हूं जो पिछले तीन-चार में मेरे सीधे संपर्क में आए हैं। यदि उनमें कोई लक्षण है तो तुरंत कोविड की जांच कराएं। इससे पहले महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी के नेता छगन भुजबल ने मंगलवार को बताया था कि उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। बता दें कि इससे पहले भी भुजबल कोरोना महामारी के दौरान कोविड-19 की चपेट में आ चुके हैं। एनसीपी नेता ने अपने संक्रमित होने की सूचना ट्विटर पर शेयर की। वह हाल ही में नासिक जिले में स्थित अपने विधानसभा क्षेत्र येओला के दौरे पर गए थे। भुजबल ने कहा कि येओला से नासिक लौटने के बाद से उन्हें बुखार है। सोमवार को उन्होंने कोविड की जांच कराई, जिसकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। एनसीपी नेता ने पिछले दो-तीन दिनों में उनके संपर्क में आए लोगों से कहा है कि अगर उन्हें बुखार, सांस लेने में परेशानी, जुकाम और गला खराब हो तो वे तत्काल अपना कोविड जांच कराएं। पूर्व मंत्री ने लोगों से मास्क लगाने और हैंड सेनेटाइजर का उपयोग करने को भी कहा है।

हेट स्पीच पर सुनवाई के दौरान एससी ने किया नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी का जिक्र

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नफरती भाषण देने वाले लोगों पर सख्त आपत्ति जताते हुए सवाल किया है कि लोग क्यों खुद को काबू में नहीं रखते हैं। जिस क्षण राजनीति और धर्म अलग हो जाएंगे और नेता राजनीति में धर्म का उपयोग बंद कर देंगे, ऐसे भाषण समाप्त हो जाएंगे। न्यायालय ने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और अटल बिहारी वाजपेयी के भाषणों का जिक्र करते हुए कहा कि उनके भाषणों को सुनने के लिए दूर-दराज के इलाकों से लोग एकत्र होते थे। जस्टिस के। एम। जोसेफ और जस्टिस बी।

वी। नागरत्ना की पीठ ने हैरानी जताई कि अदालतें कितने लोगों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई शुरू कर सकती हैं और भारत के लोग अन्य नागरिकों या समुदायों को अपमानित नहीं करने का संकल्प क्यों नहीं ले सकते। पीठ ने नफरती भाषण देने वालों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने में विफल रहने के लेकर विभिन्न राज्य प्राधिकरणों के खिलाफ अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा, 'हर दिन तुच्छ तत्व टीवी और सार्वजनिक मंचों पर दूसरों को बदनाम करने के लिए भाषण दे रहे हैं।' सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने केरल में एक व्यक्ति की तरफ से एक खास समुदाय के खिलाफ दिए गए अपमानजनक भाषण की ओर भी पीठ का ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि याचिकाकर्ता शाहीन अब्दुल्ला ने देश में नफरती भाषणों की घटनाओं का चुनिंदा रूप से जिक्र किया है। इससे पहले मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि देश में सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए नफरती भाषण का त्याग करना मूलभूत आवश्यकता है। पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से सवाल किया कि ऐसे मामलों में प्राथमिकी के अनुसार क्या कार्रवाई की गई है, क्योंकि केवल शिकायत दर्ज करने से इस समस्या का समाधान नहीं होने वाला है। सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 21 अक्टूबर को कहा था कि संविधान के अनुसार भारत एक धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है।

इसके साथ ही न्यायालय ने दिल्ली, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की सरकारों को नफरती भाषणों के मामलों में सख्त कार्रवाई करने और शिकायत की प्रतीक्षा किए बिना दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज करने का निर्देश दिया था।

सुप्रीम कोर्ट ने पालघर में साधुओं की लिंचिंग मामले को सीबीआई को ट्रांसफर करने की दी इजाजत

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 2020 में महाराष्ट्र के पालघर में तीन साधुओं की लिंचिंग मामले को सीबीआई को ट्रांसफर करने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने कहा कि अगर मामले की सीबीआई जांच होती है, तो हम क्यों दखल दें। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र सरकार से कहा कि वो हलफनामा दाखिल करे कि मामले को सीबीआई के लिए भेजा जा रहा है। मामले की अगली सुनवाई 14 अप्रैल को होगी। सुनवाई के दौरान सीजेआई ने पूछा कि क्या सीबीआई जांच के लिए तैयार है। महाराष्ट्र सरकार ने कहा कि दो चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। अगर मामला सीबीआई को जाता है तो उसे कोई ऐतराज नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने अप्रैल 2020 में पालघर जिले में यूपी के तीन साधुओं की कथित रूप से लिंचिंग की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की। पिछली सुनवाई में कोर्ट को बताया गया था कि महाराष्ट्र सरकार सीबीआई जांच के लिए तैयार है और अब इस मामले में कुछ अधिक शेष नहीं रहता। इससे पहले, महाराष्ट्र सरकार ने अपना रुख बदलते हुए सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि वह दो साधुओं समेत तीन लोगों की कथित रूप से पीट-पीटकर हत्या करने की जांच सीबीआई को सौंपने के लिए तैयार है,

राष्ट्रगान के अपमान का मामला

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राहत देने से बॉम्बे हाईकोर्ट का इनकार

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। बॉम्बे हाई कोर्ट की तरफ से पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बड़ा झटका लगा है। राष्ट्रगान का अपमान करने के खिलाफ कार्रवाई की मांग वाली एक शिकायत में बुधवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने उन्हें किसी भी तरह की राहत देने से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति अमित बोरकर की एकल पीठ ने सत्र अदालत के जनवरी 2023 के उस आदेश को चुनौती देने वाली बनर्जी की अर्जी खारिज कर दी है, जिसमें मामले को जांच के लिए और समन जारी करने के मुद्दे पर मजिस्ट्रेट की अदालत को वापस भेज दिया गया था।

क्या है पूरा मामला

यह मामला दिसंबर 2021 का है। अपनी मुंबई यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी राष्ट्रगान चालू रहते ही मंच छोड़कर चली गई थीं। इस मामले में मुंबई भाजपा के पदाधिकारी विवेकानंद गुप्ता ने मुंबई के मझगांव मेट्रोपालिटन मैजिस्ट्रेट की अदालत में शिकायत की और कहा कि तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी ने राष्ट्रगान का अपमान किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने समन को विशेष अदालत में चुनौती दी थी।

बनर्जी ने अपने आवेदन में कहा

बनर्जी ने अपने आवेदन में कहा था कि सत्र अदालत को समन को रद्द करने और मामले को वापस लेने के बजाय पूरी शिकायत को रद्द कर देना चाहिए था। हालांकि, न्यायमूर्ति बोरकर ने कहा कि सत्र अदालत के आदेश में अवैधता थी और इसलिए उच्च न्यायालय को हस्तक्षेप करने की आवश्यकता नहीं है।

समन को रद्द करने की मांग

जनवरी 2023 में, विशेष न्यायाधीश आर एन रोकडे ने प्रक्रियात्मक आधार पर मजिस्ट्रेट द्वारा जारी समन को रद्द कर दिया और मजिस्ट्रेट से शिकायत पर नए सिरे से विचार करने को कहा था। बनर्जी ने हाई कोर्ट में अपने आवेदन में इस आदेश को चुनौती देते हुए दावा किया कि मजिस्ट्रेट को नए सिरे से विचार करने का निर्देश देने के बजाय समन को रद्द कर देना चाहिए था।

ममता बनर्जी ने किया राष्ट्रगान का अपमान

गुप्ता ने अपनी शिकायत में दावा किया कि बनर्जी की हरकतें राष्ट्रगान के अपमान के समान हैं और यह 1971 के राष्ट्रीय सम्मान अधिनियम के अपमान की रोकथाम के तहत एक अपराध हैं। उन्होंने कफ परेड थाने में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस के कोई कार्रवाई नहीं करने पर उसने मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत का रूख किया।

सावरकर को लेकर दूर हुआ मनमुटाव

संजय राउत बोले- मैंने राहुल गांधी से बात कर ली है

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) के बीच हिंदुत्व विचारक वीडी सावरकर को लेकर उपजा विवाद अब थम गया है। राहुल गांधी के वीडी सावरकर को लेकर दिए गए बयान के खिलाफ शिवसेना (यूबीटी) ने चेतावनी देते हुए कहा था कि सावरकर उनके आदर्श हैं और उनका अपमान नहीं सहा जाएगा। हालांकि बुधवार को शिवसेना (यूबीटी) की ओर से कहा गया कि इस मुद्दे को सुलझा लिया गया है और वे भाजपा के खिलाफ अपनी लड़ाई में विपक्षी दलों के साथ 'मजबूती से एकजुट' हैं। उद्धव ठाकरे के करीबी सांसद संजय राउत ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया, "मुद्दा हमारे लिए खत्म हो गया है... मामला सुलझा लिया गया है।" उन्होंने कहा, "मैंने इस मुद्दे

पर राहुल गांधी से बात की है।"

क्या बोले संजय राउत

संजय राउत ने इस मामले को लेकर कहा, "हमने दो दिन पहले सावरकर पर अपनी चिंताओं को उठाया था। हम मल्लिकार्जुन खड़गे के घर बैठक में शामिल नहीं हुए। लेकिन महाराष्ट्र के साथ-साथ देश में भी विपक्षी एकता है और रहेगी। हमने जो चिंता जाहिर की थी, उसका परिणाम हमें मिल गया है। हम आज विपक्ष की बैठक में भाग लेंगे और संसद में विरोध प्रदर्शन में भी भाग लेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या गांधी ने सावरकर मुद्दे को फिर से नहीं उठाने का वादा किया था, राउत ने कहा, "हम इसके बारे में और नहीं बोलना चाहते हैं। जैसा कि मैंने कहा है, मामला सुलझा लिया गया है। यह पूछे जाने पर कि अगर गांधी फिर से इस मुद्दे को उठाते हैं तो पार्टी का रुख क्या होगा, राउत ने कहा, "अगर राहुल गांधी फिर से इस मुद्दे को उठाते हैं, तो हम देखेंगे कि क्या करना है... लेकिन हमें विश्वास है कि वह इस मुद्दे को नहीं उठाएंगे।" राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) विपक्ष या कांग्रेस द्वारा बुलाई गई बैठकों में शामिल होगी। हालांकि शिवसेना सोमवार रात कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल नहीं हुई थी। राउत ने कहा, लोकतंत्र को बचाने और भाजपा को सत्ता से बेदखल करने के लिए हम विपक्ष के साथ मजबूती से एकजुट हैं।

उद्धव ठाकरे ने जताई थी आपत्ति

रविवार को मालेगांव में अपने भाषण में उद्धव ठाकरे ने राहुल गांधी को चेताया था कि शिवसेना (यूबीटी) सावरकर का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी। ठाकरे ने कहा था, 'सावरकर हमारे देवता हैं...हम उनका अपमान बर्दाश्त नहीं करेंगे।'

सोनीपत में युवक की गोली मार कर हत्या

सोनीपत, 29 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत के गांव कामी में बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर की दिनदहाड़े गोली मार कर हत्या कर दी गई। पल्सर बाइक पर आए 3 युवकों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई। पुलिस को मौके से गोलियों के 4 खोल मिले हैं। वारदात पुरानी रंजिश को लेकर की गई। हत्या के आरोप गांव कामी के ही युवकों पर है। बताया गया है कि गांव कामी का सुनील (35) गांव में ही बिल्डिंग मटेरियल सप्लायर था। उसने गांव में ही अपना काम धंधा जमा रखा था। बुधवार को वह अपनी दुकान पर था तो इसी दौरान पल्सर बाइक पर सवार हो कर आए युवकों ने उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दी। गोली मारने के बाद हमलावर फरार हो गए। सुनील को नागरिक अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वारदात की सूचना मिलते ही सदर थाना पुलिस, सीआईए1 और सीआईए 2 पुलिस की टीमें मौके पर पहुंची।

कोर्ट-संसद से खुद को ऊपर समझते हैं राहुल गांधी

अश्विनी वैष्णव ने दी संविधान की दुहाई

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। अगले साल देश में आम चुनाव होने वाले हैं। इससे पहले देश में राजनीतिक मिजाज गर्म है। सत्ता और विपक्ष दोनों एक दूसरे पर हमलावर हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के कैंब्रिज भाषण को लेकर बीजेपी संसद में माफी मांगने की मांग पर अड़ी हुई है। विपक्ष की जिद है कि अडानी मामले में जेपीसी का गठन किया जाए। इसी कारण संसद के दोनों सदनों में हंगामा मचता रहा। अब मोर्चा संभाला है रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने। उन्होंने राहुल गांधी को लेकर कांग्रेस पर हमला बोला है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द होने पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को ऐसा लगता है कि उनके खिलाफ मेंबरशिप कैंसल का प्रावधान लागू नहीं होगा। हालांकि ये संविधान में नियम है लेकिन उनको (राहुल गांधी) लगता है उन पर ये लागू नहीं होना चाहिए। क्योंकि देश पर शासन करना उन्होंने अपना हक समझ लिया है। वो आगे कहते हैं कि बाबा साहेब अंबेडकर ने संविधान बनाया है, जिसके तहत डेमोक्रेटिक इन्सिट्यूशन बनाए हैं लेकिन ये सब उनसे नीचे हैं। रेलवे वैष्णव ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे राहुल गांधी को देश के संविधान पर भरोसा ही नहीं रह गया हो। वो ओबीसी समाज का अपमान करते हैं और अगर अदालत इस पर कोई सजा सुना दे तो कोर्ट को ही गलत ठहरा देंगे। गांधी परिवार पर हमला बोलते हुए रेल मंत्री ने कहा कि किया वो एक ऐसे परिवार में पैदा हुए हैं जो ये समझते हैं कि देश पर सिर्फ उनका भी अधिकार है। बाकी संसद और कोर्ट ये सब उनसे नीचे हैं।

लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल की संसद सदस्यता बहाल

'अटेम्प्ट टू मर्डर' केस में हुई थी सजा

लक्षद्वीप, 29 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा सचिवालय ने बुधवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता मोहम्मद फैजल पीपी की सदस्यता बहाल कर दी। फैजल को एक आपराधिक मामले में दोषी ठहराये जाने और 10 साल के कारावास की सजा सुनाये जाने के बाद जनवरी में निचले सदन की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया था। लक्षद्वीप लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे फैजल ने सेशन कोर्ट के आदेश के खिलाफ केरल हाई कोर्ट का रुख किया था और उन्हें दोषी ठहराये जाने तथा सजा के फैसले को निलंबित कर दिया गया। लोकसभा सचिवालय

की अधिसूचना के अनुसार, केरल हाई कोर्ट के 25 जनवरी 2023 के आदेश के मद्देनजर फैजल की सदस्यता से अयोग्यता का फैसला समाप्त कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट में भी होनी थी सुनवाई

इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में भी सुनवाई होनी थी, हालांकि इसके पहले ही फैजल की सदस्यता बहाल करने का फैसला आ गया है। लक्षद्वीप की एक अदालत ने 11 जनवरी को हत्या के प्रयास के मामले में लक्षद्वीप के सांसद मोहम्मद फैजल समेत 4 लोगों को 10 साल कैद की सजा सुनाई थी। मामले से जुड़े वकीलों ने कहा कि कवारत्ती में जिला और सत्र न्यायालय ने 2009 में उनके खिलाफ दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में दोषियों पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया था।

फैजल पर क्या था आरोप?

वकीलों के मुताबिक, एनसीपी सांसद मोहम्मद फैजल और अन्य लोगों पर आरोप था कि उन्होंने पूर्व केंद्रीय मंत्री पी। एम। सईद के दामाद पदनाथ सालिह पर तब हमला किया जब वे 2009 के लोकसभा चुनाव के दौरान एक राजनीतिक मुद्दे पर हस्तक्षेप करने के लिए उनके पड़ोस में पहुंचे थे। वहीं, फैजल ने कहा था कि यह 'राजनीति से प्रेरित' मामला है और वह जल्द ही ऊपरी अदालत में अपील दायर करेंगे। वहीं, लोकसभा सचिवालय ने हत्या के प्रयास के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद फैजल को अयोग्य करार देने वाली अधिसूचना जारी कर दी थी।

ईसी ने कर दिया था उपचुनाव का एलान

फैजल के अयोग्य घोषित होने के बाद निर्वाचन आयोग ने 18 जनवर को लक्षद्वीप लोकसभा सीट पर 27 फरवरी को उपचुनाव कराए जाने की घोषणा कर दी थी। हालांकि केरल हाई कोर्ट द्वारा फैजल की दोषसिद्धि और सजा की तामील पर रोक लगाने के बाद आयोग ने उपचुनाव को टाल दिया था। अब केरल हाई कोर्ट के द्वारा फैजल की सजा को निलंबित करने के बाद लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता बहाल करने की अधिसूचना जारी कर दी है। बता दें कि हाल ही में मानहानि के एक मामले में सजा पाने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता चली गई थी।

दिग्विजय सिंह ने राहुल गांधी को ऑफर किया अपना सरकारी आवास

बोले- 'मेरा घर आपका है'

भोपाल, 29 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दिल्ली स्थित उनका सरकारी आवास खाली करने का नोटिस दिया गया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व सीएम दिग्वजिय सिंह ने अब राहुल गांधी को ऑफर दिया है कि वो उनके बंगले में रह सकते हैं। बुधवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को लोकसभा में अयोग्य करार दिए जाने के बाद दिल्ली में स्थित उनके सरकारी बंगले को खाली करने के लिए नोटिस दिया गया है, वो मेरे घर में रह सकते हैं। राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने कहा कि राहुल गांधी उदार हृदय वाले इंसान हैं और उनके लिए पूरा देश एक

परिवार की तरह है। दिग्विजय सिंह ने कहा 'राहुल जी मेरा घर आपका घर है और मैं आपका स्वागत करता हूं। अगर आप यहां आकर रहते हैं तो मैं खुद को भाग्यशाली समझूंगा। बता दें कि दिग्विजय सिंह का आधिकारिक आवास नई दिल्ली में है।' इससे पहले सोमवार को राहुल गांधी नोटिस जारी कर यह कहा गया है कि 22 अप्रैल तक वो सरकारी बंगले को खाली कर दें। मानहानि से जुड़े एक मुकदमे में राहुल गांधी को सजा होने के बाद उनकी लोकसभा सदस्यता चली गई है। राहुल गांधी अब वायनाड से सांसद नहीं है। लोकसभा की हाउसिंग कमेटी ने राहुल के आधिकारिक आवास को लेकर यह निर्णय लिया था जिसके बाद राहुल गांधी को नोटिस भेज कर कहा गया था कि वो आवास खाली करें। राहुल गांधी 12, तुगलक लेन में साल 2005 से रह रहे थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
गुरुवार, 30 मार्च, 2023 3

सुविचार

यह मत भूलें कि जो शरीर व मस्तिष्क ईश्वर ने विश्व के सबसे सफल व्यक्ति को दिया है, वही आपको भी दिया है। बस आपको उसका उपयोग कैसे करना है, यह आप तय करेंगे।

मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों के साथ की समीक्षा बैठक

वर्षा पीड़ितों को वित्तीय सहायता देने के उपायों पर की चर्चा

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज करीमनगर, सूर्यापेट, खम्मम, वारंगल और महबूबाबाद जिलों के कलेक्टरों के साथ बैठक की। इसके बाद शेष जिला कलेक्टरों के साथ टेलीकॉन्फ्रेंस की और उन लोगों को वित्तीय सहायता देने के लिए किए जाने वाले उपायों की समीक्षा की, जिनकी फसल हाल ही में बेमौसम बारिश के कारण खराब हो गई थी। बैठक में विशेष मुख्य सचिव वित्त रामकृष्ण राव सचिव राजस्व (डीएम) राहुल बोज्जा और सचिव कृषि रघुनंदन राव शामिल हुए।

मुख्य सचिव ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में क्षतिग्रस्त फसलों के लिए 10 हजार रुपये प्रति एकड़ की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है. मुख्य सचिव ने मुख्यमंत्री के आश्वासन के अनुरूप फसल क्षति का आंकलन करने के लिए कलेक्टरों को एईओ की टीम गठित करने के निर्देश दिए। सीएस ने कहा कि फसल क्षति का आकलन बिना किसी आलोचना की गुंजाइश दिए पुख्ता तरीके से किया जाना चाहिए।

टीमों को खेतों का दौरा कर नुकसान का आकलन कर जल्द से जल्द सरकार को रिपोर्ट सौंपनी चाहिए। प्रक्रिया की निगरानी के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को विशेष अधिकारियों के रूप में नामित किया जाना चाहिए।

मुख्य सचिव ने पोडू भूमि के संबंध में प्रगति की भी समीक्षा की। सचिव आदिवासी कल्याण क्रिस्टीना जोंगथू ने बताया कि पासबुक छपवाकर वितरण के लिए तैयार रखी जाती है।

सिकंदराबाद-तिरुपति के बीच विशेष गाड़ियाँ

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) सिकंदराबाद-तिरुपति-सिकंदराबाद के बीच विशेष ट्रेनें चलाएगा। यहां एक विज्ञप्ति में, एससीआर ने कहा कि ट्रेन संख्या 07489 सिकंदराबाद-तिरुपति 7 और 14 अप्रैल को 20.10 बजे (शुक्रवार) और अगले दिन 09.00 बजे तिरुपति पहुंचेगी।

ट्रेन संख्या 07490 तिरुपति-सिकंदराबाद 9 और 16 अप्रैल (रविवार) को 16.35 बजे तिरुपति से निकलेगी और अगले दिन 06.25 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। रास्ते में ये ट्रेनें दोनों दिशाओं में काचीगुडा, उम्दानगर, शादनगर, जादचेरला, महबूबनगर, वानापार्थी रोड, गडवाल, कुरनूल सिटी, ढोने, गूटी, तदीपत्री, येर्रागुंटला, कडपा, राजमपेट और रेनिगुन्टा स्टेशनों पर रुकेंगी।

अवैध गिरफ्तारी हमारे आंदोलन को नहीं रोक सकती : कुनमनेनी

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राज्य सचिव कुनमनेनी संबाशिव राव ने आज आईपीसी की धारा 447, 427, 153/ए, 353 और 34 के तहत रंगारेड्डी जिला पार्टी कार्यकारी परिषद के सदस्य ओरुगंटी यादैया और सात अन्य की गिरफ्तारी की निंदा की और कहा कि यह क्रूर है कि उनकी पार्टी के नेताओं को जिले के तुर्कयामज़ल नगरपालिका के तहत मन्नेगुडेम क्षेत्र में सरकारी भूमि की रक्षा करने की कोशिश करने के लिए गिरफ्तार किया गया है। भाकपा नेता ने आरोप लगाया कि सरकारी अधिकारी अवैध तरीके से भूमाफियाओं को सरकारी जमीन सौंप रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी गिरफ्तारी से डरने वाली नहीं है और कहा कि जब तक उन्हें घर नहीं मिल जाता तब तक वे गरीब लोगों की ओर से लड़ते रहेंगे।

उन्होंने राज्य सरकार से कहा कि वे गरीबों के लिए अपनी लड़ाई से पीछे नहीं हटेंगे, भले ही उनके आंदोलन को कुचल दिया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर गरीब लोग अपना घर बनाने के लिए 60 गज सरकारी जमीन पर कब्जा कर लेते हैं तो राज्य पुलिस उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार से उनकी पार्टी के गिरफ्तार नेताओं को तुरंत रिहा करने की मांग की।

छात्रों को ग्रीष्मावकाश 25 अप्रैल से 11 जून तक

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सरकारी और निजी दोनों स्कूलों के छात्रों के लिए 25 अप्रैल से 11 जून तक गर्मी की छुट्टी होगी। स्कूल 12 जून को नए शैक्षणिक वर्ष यानी 2023-24 के लिए फिर से खुलेंगे।

राज्य के स्कूल जो अब आधे दिन के मोड में चल रहे हैं, 20 अप्रैल को कक्षा प्रथम से नवम के लिए योगात्मक मूल्यांकन (एसए)- II परीक्षा के पूरा होने के बाद गर्मी की छुट्टी के लिए ब्रेक लेंगे।

2022-23 के शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार, कक्षा प्रथम से दसवीं के लिए एसए-II परीक्षाएं 10 से 17 अप्रैल तक निर्धारित की गई थीं। हालांकि, इन परीक्षाओं को पुनर्निर्धारित किया गया था क्योंकि वे 3 अप्रैल से आयोजित होने वाली एसएससी सार्वजनिक परीक्षाओं से टकरा रही थीं।

अब, एसए- II परीक्षा 12 से 20 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। कक्षा प्रथम से पांचवीं की परीक्षा सुबह 9.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और कक्षा छठवीं से आठवीं और कक्षा नववीं की परीक्षा सुबह 9.30 से दोपहर 12.15 और सुबह 9.30 से 9.30 बजे तक होगी। क्रमशः दोपहर 12.30 बजे। परीक्षा के आयोजन और उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के बाद, स्कूल गर्मी की छुट्टी से पहले अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित करेंगे।

जनप्रतिनिधियों को बदनाम करने के आरोप में आठ लोगों को नोटिस

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस ने महिलाओं सहित जनप्रतिनिधियों को 'ट्रोल' करने वाले लोगों के खिलाफ 20 मामले दर्ज किए और पुलिस द्वारा पहचाने गए संदिग्धों में से आठ को नोटिस जारी किया। पुलिस उपायुक्त (साइबर अपराध) स्नेहा मेहरा ने कहा कि पिछले एक महीने में पुलिस को विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट चलाने वाले और जनप्रतिनिधियों को ट्रोल करने वाले कुछ लोगों के खिलाफ 20 अलग-अलग शिकायतें मिलीं।

यह आरोप लगाया गया था कि संदिग्ध अपमानजनक आवाज़ के साथ मीम्स बना रहे थे और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में प्रसारित हो रहे थे। हमें पता चला कि उनका इरादा कंटेंट को वायरल करना और हिट के जरिए पैसा कमाना था। पुलिस ने विशेष टीमों का गठन किया और दो तेलुगू राज्यों के आठ व्यक्तियों की पहचान की जो खातों का प्रबंधन कर रहे थे, सामग्री बना रहे थे और अपलोड कर रहे थे। पुलिस किसी भी महिला के ऑनलाइन उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं करेगी। उसने चेतावनी दी कि इस मामले में कड़ी कार्रवाई शुरू की जा रही है और आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 41ए के तहत आठ संदिग्धों अट्टादा श्रीनिवास राव (विजयनगरम-एपी), एस. मणिकांत (कडप्पा-एपी)। बी. श्रवण (निज़ामाबाद), मोतम श्रीनू (वारंगल), पीएन ज्योति किरण (कृष्णा जिला-एपी) वदुलुरी नवीन (जगित्याल), बी चंद्रशेखर (करीमनगर) और बिल्ला श्रीकांत (कडप्पा - एपी) को नोटिस जारी किया है।

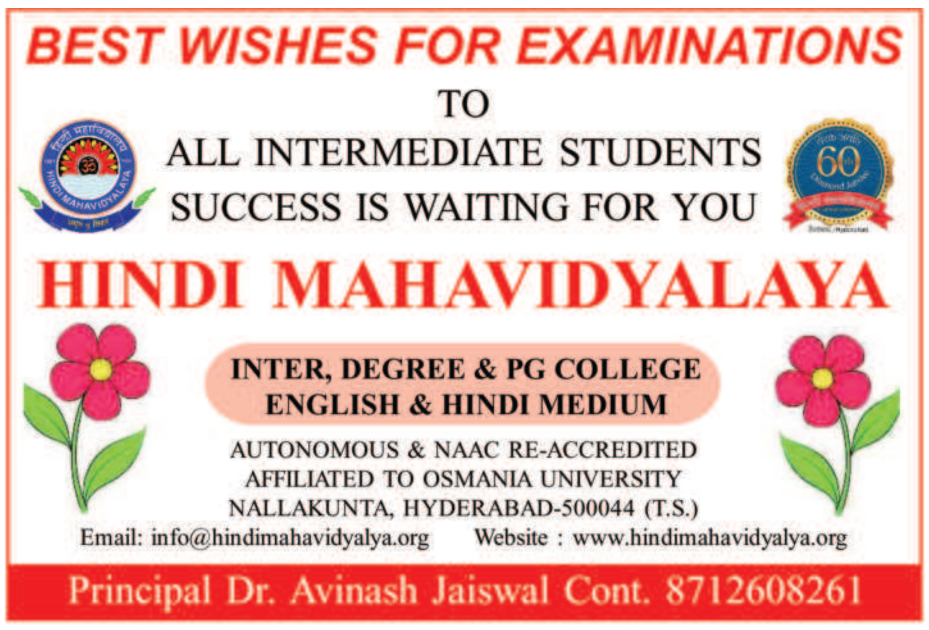

राजेंद्रनगर में जुआ खेलते 13 गिरफ्तार

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशन्स टीम ने राजेंद्रनगर के एक पार्क में तीन कार्ड गेम खेलते हुए पाए गए 13 लोगों को पकड़ा और उनके पास से 90,000 रुपये जब्त किए। एक गुप्त सूचना के आधार पर, टीम ने राजेंद्रनगर में हुडा पार्कपर छापा मारा और पाया कि लोग थ्री कार्ड गेम और जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने उनके पास से 10 मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। उनके खिलाफ मामला दर्ज है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें ट्वीटर@SCRailwayindia पर फालो करें। दमरे निविदा सूचनाओं का विवरण हमारे वेबसाइटः www.scr.indianrailways.gov.in पर भी उपलब्ध है।

ई -निविदा सूचना सं. 05-2023 दि.27/03/2023 PUB/0313

कृते वरिष्ठ मंडल अभियंता/कोआर्ड./गुंटकल तथा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 21.04.2023 के 15.00 बजे

क्रम सं. 1, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1352, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत अनंतपूर, मदनपल्ले रोड, कदीरी, पाकाला व धर्मावरम प्लेटफार्म्स के ऊपर आवरण का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यःरु.5,57,70,784/-, **पूधराः रु. 4,28,900/-**

क्रम सं. 2, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1353, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत अदोनी, गूटी,ताडीपत्री,राजमपेट व धोने प्लाटफार्म्स के ऊपर आवरण का प्रावधान।विज्ञापित मूल्यःरु. 8,55,40,214/-, **पूधराः रु. 5,7,700/-**

क्रम सं. 3, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1354, कार्य विवरणः गुंटकल डिवीजन-मदनपल्ले रोड तथा कदीरी स्टेशन्स- अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत तत्संबंधित स्टेशनों का पुनर्विकास सहित सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग सुविधाओं का प्रावधान, स्टेशन बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था की बढोतरी या वृद्धि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु.8,60,95,074/-, **पूधराः रु.5,80,500/-**

क्रम सं. 4, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1355, कार्य विवरणः अनंतपूर तथा धर्मावरम स्टेशन्स-अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत तत्संबंधित स्टेशनों का पुनर्विकास सहित सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग सुविधाओं का प्रावधान, स्टेशन्स बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में बढोतरी या वृद्धि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु.7,54,80,123/, **पूधराः रु.5,27,400/-**

क्रम सं. 5, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1356, कार्य विवरणः पाकाला तथा पिलेर स्टेशन्स-अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत तत्संबंधित स्टेशनों का पुनर्विकास सहित सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग सुविधाओं का प्रावधान, स्टेशन्स बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में बढोतरी या वृद्धि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान, पिलेर के स्टेशन बिल्डिंग पर लिफ्ट व्यवस्था तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु.7,48,43,630/-, **पूधराः रु.5,24,200/-**

क्रम सं. 6, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1357, कार्य विवरणः ताडीपत्री तथा गूटी स्टेशन्स-अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत तत्संबंधित स्टेशनों का पुनर्विकास सहित सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग सुविधाओं का प्रावधान, स्टेशन्स बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में बढोतरी या वृद्धि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु.9,25,88,905/, **पूधराः रु.6,12,900/-**

क्रम सं. 7, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1358, कार्य विवरणः अदोनी तथा मंत्रालयम रोड स्टेशन्स-अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत तत्संबंधित स्टेशनों का पुनर्विकास सहित सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग सुविधाओं का प्रावधान, स्टेशन्स बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में बढोतरी या वृद्धि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान,एफओबी पर लिफ्ट्स की व्यवस्था तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु.9,59,77,137/-, **पूधराः रु.6,29,900/-**

क्रम सं. 8, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1359, कार्य विवरणः धोने स्टेशन- अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत तत्संबंधित स्टेशनों का पुनर्विकास सहित सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग सुविधाओं का प्रावधान, स्टेशन्स बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में बढोतरी या वृद्धि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु.4,89,11,674/-, **पूधराः रु.3,94,600/-**

क्रम सं. 9, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1360, कार्य विवरणः श्रीकालहस्ती स्टेशन-अम्रत भारत स्टेशन्स योजना के तहत तत्संबंधित स्टेशन का पुनर्विकास सहित-स्टेशन बिल्डिंग तथा बाउंडरी वाल की वृध्दि, जलापूर्ति व्यवस्था में बढोतरी, सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार, पार्किंग सुविधाओं का प्रावधान, दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा संबंधित युटिलिटीज की शिफ्टिंग कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु.8,95,21,690/-, **पूधराः रु.5,97,600/-**

क्रम सं. 10, निविदा सं. इएनजीजी-जीटीएल-एबीएसएस-1361, कार्य विवरणः राजमपेट स्टेशन-अम्रत भारत स्टेशन योजना के तहत तत्संबंधित स्टेशन का पुनर्विकास सहित-स्टेशन बिल्डिंग का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में बढोतरी, सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, , दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा न्यू एनेक्स बिल्डिंग का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यःरु.2,51,36,726/-, **पूधराः रु.2,75,700/-**

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरणार्थ http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

इससे जुडा कोई भी शुध्दिपत्र केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

मंडल रेल प्रबंधक(कार्य), गुंतकल

खेती में कीटनाशकों के उपयोग को नियंत्रित किया जाना चाहिए : कृषि मंत्री

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री सिंगरेड्डी निरंजन रेड्डी ने कहा कि कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग को नियंत्रित किया जाना चाहिए और लोगों के कल्याण के लिए गुणवत्ता वाले कृषि उत्पादों का उत्पादन करने के लिए किसानों की अधिक जिम्मेदारी है। एसोसिएशन ऑफ पेस्टिसाइड्स मैन्युफैक्चरर्स आंध्र प्रदेश और तेलंगाना द्वारा बुधवार को यहां आयोजित एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री निरंजन रेड्डी ने कहा कि कृषि देश में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और भारत के पास दुनिया को खाद्य भंडार की आपूर्ति करने की क्षमता है।

हालांकि, कीटनाशकों के उपयोग पर नियंत्रण होना चाहिए। निरंजन रेड्डी ने कहा कि शोधकर्ताओं, निर्माण कंपनियों और सरकारों को इस विषय पर ध्यान देना चाहिए और किसानों के बीच जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए।

मंत्री ने कहा कि कुछ कीटनाशकों के बढ़ते उपयोग से लोगों में अपूरणीय स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं और फसल की खेती में अधिक कीटनाशकों के उपयोग को रोकने के उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने कीटनाशकों के प्रयोग पर किसानों को हतोत्साहित करने के लिए पहले ही कई कदम उठाए हैं और वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और निर्माण कंपनियों से भी इस संबंध में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया है।

हैदराबाद-भद्राचलम की दूरी 35 किमी कम करने के लिए नया राष्ट्रीय राजमार्ग

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) 930P के विकास के लिए सड़क और भवन (आर एंड बी) विभाग के राष्ट्रीय राजमार्ग प्रभाग के साथ, जिले के दूरस्थ और पिछड़े क्षेत्रों में तेजी से विकास देखने को मिल रहा है। अधिकारियों के अनुसार, नया राजमार्ग हैदराबाद से भद्राचलम की दूरी को भी 35 किमी कम कर देगा।

इस परियोजना के हिस्से के रूप में, जिला मुख्यालय सहित प्रमुख शहरों को जोड़ने वाले जिले में 20 मीटर की चौड़ाई वाली 71 किलोमीटर लंबी दो लेन की सड़क विकसित की जाएगी। एनएच-930पी महबूबाबाद जिले के माध्यम से राज्य की राजधानी हैदराबाद और भद्राचलम जिलों को जोड़ता है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने इस राजमार्ग को मंज़ूरी दी क्योंकि केंद्र वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित महबूबाबाद और कोठागुडेम जिलों में सड़क नेटवर्क में सुधार करना चाहता था क्योंकि इससे सरकार को वामपंथी उग्रवाद की गतिविधियों की जाँच करने में मदद मिलेगी।

राजमार्ग सूर्यापेट जिले से महबूबाबाद जिले में प्रवेश करता है। अधिकारियों के अनुसार, यह कोठागुडेम जिले के वड्डे कोठापल्ली, थोरूर, नेल्लीकुदुरु, महबूबाबाद, बय्याराम, कोथापेट और नमलापाडु से होकर गुजरेगी। अनुमानित परियोजना लागत 675 करोड़ रुपये है और अधिकारी सड़क के विस्तार के लिए भूमि की पहचान करने के काम में लगे हुए हैं।

एक अधिकारी ने कहा कि सड़क परियोजना तीन साल के भीतर पूरी हो जाएगी। उन्होंने कहा कि थोरूर शहर में एक बाईपास सड़क विकसित की जाएगी जो वारंगल और खम्मम शहरों में स्थित है। यह सड़क नेटवर्क सड़कों पर वाहनों के ट्रैफिक जाम को कम करेगा और माल के परिवहन में सुधार करेगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि नए राष्ट्रीय राजमार्ग से हैदराबाद से भद्राचलम की दूरी 35 किमी कम हो जाएगी। चूंकि कोठागुडेम जिले में कई उद्योग और एससीसीएल खदानें हैं, इसलिए कोयले और अन्य खनिजों का परिवहन भी आसान हो जाएगा। कोठागुडेम-येलैंडु-महबूबाबाद-नेल्लीकुदुरु-थोरूर-पेद्दावंगारा-तिरुमलगिरी-व ालिगोंडा मार्ग को हैदराबाद के बाहरी इलाके में गौरेली जंक्शन, बाहरी रिंग रोड (ओआरआर) के साथ सिंक्रनाइज़ किया गया था और इसे एनएच 930पी घोषित किया गया है।

कार की ट्रक से टक्कर में व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर में कार और ट्रक की टक्कर में मंगलवार रात एक व्यक्ति की मौत हो गई। कर्नाटक के रहने वाले पीड़ित आर सिद्दू कार में आउटर रिंग रोड पर गाचीबोवली से शमशाबाद जा रहे थे, तभी उन्होंने अपनी कार को आगे चल रहे एक ट्रक से टक्कर मार दी। वह आदमी गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। राजेंद्रनगर पुलिस ने कहा कि जाहिर तौर पर, वह तेज गति से गाड़ी चला रहा था और अपने वाहन को नियंत्रित नहीं कर पा रहा था। मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है। शव को उस्मानिया जनरल अस्पताल की मोर्चरी में स्थानांतरित कर दिया गया।

ई -निविदा सूचना सं. 01-2023 दि.27/03/2023 PUB/0314

कृते मुख्य अभियंता/ गति शक्ति युनिट/गुंटकल तथा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

बंद करने की तिथि व समयः 18.04.2023 के 10.00 बजे

क्रम सं. 1, निविदा सं. जीएसयु-जीटीएल-एफओबी-एचएक्स-01, कार्य विवरणः एचएक्स पर एफओबी का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यःरु.95104949.00, **पूधराः रु. 625500**

क्रम सं. 2, निविदा सं. जीएसयु-जीटीएल-सीओपी-(सीटीओ,एचएक्स,आरसी एड वायजी)-02, कार्य विवरणः चितूर, कडप्पा,रायचूर व यादगिर स्टेशनों के प्लाटफार्म्स के उपर आवरण का प्रावधान। विज्ञापित मूल्यःरु.65428129.54, **पूधराः रु. 477200**

क्रम सं. 3, निविदा सं. जीएसयु-जीटीएल-स्टेशन विकास-सीटीओ-03, कार्य विवरणः -अम्रत भारत स्टेशन योजना के तहत चित्तूर स्टेशन का पुनर्विकास सहित-सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग फैसिलटीज का प्रावधान,स्टेशन बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में वृध्दि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु.123923511.6, **पूधराः रु.769700/-**

क्रम सं. 4, निविदा सं. जीएसयु-जीटीएल-स्टेशन विकास-एचएक्स 04, कार्य विवरणः -अम्रत भारत स्टेशन योजना के तहत कडप्पा स्टेशन का पुनर्विकास सहित-सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग फैसिलटीज का प्रावधान,स्टेशन बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में वृध्दि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु. 92472086.03, **पूधराः रु.612400/-**

क्रम सं. 5, निविदा सं. जीएसयु-जीटीएल-स्टेशन विकास-आरसी 05, कार्य विवरणः -अम्रत भारत स्टेशन योजना के तहत रायचूर स्टेशन का पुनर्विकास सहित-सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग फैसिलटीज का प्रावधान,स्टेशन बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में वृध्दि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु. 98885341.69, **पूधराः रु.644430/-**

क्रम सं. 6, निविदा सं. जीएसयु-जीटीएल-स्टेशन विकास-वायजी 06, कार्य विवरणः -अम्रत भारत स्टेशन योजना के तहत यादगिर स्टेशन का पुनर्विकास सहित-सर्कूलेटिंग एरिया का सुधार, पार्किंग फैसिलटीज का प्रावधान,स्टेशन बिल्डिंग्स का सुधार, जलापूर्ति व्यवस्था में वृध्दि, प्लाटफार्म सरफेसेज का सुधार,दिव्यांगजन के लिए एमइए का प्रावधान तथा अन्य संबंधित कार्य। विज्ञापित मूल्यःरु. 54777098.71, **पूधराः रु.423900**

बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरणार्थ http://ireps.gov.in पर लागिन करें।

इससे जुडा कोई भी शुध्दिपत्र केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

A0431 **उप मुख्य अभियंता, गति शक्ति युनिट, गुंटकल**

निविदा शर्तों/ तत्संबंधित अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः http://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

केटीआर से माफी नहीं मांगूंगा : बंडी

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के उद्योग मंत्री के तारकरामा राव द्वारा उन्हें सार्वजनिक रूप से माफी मांगने या 100 करोड़ रुपये के मानहानि के मुकदमे का सामना करने के लिए कानूनी नोटिस भेजे जाने की खबरों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, राज्य भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने यह स्पष्ट किया कि वह किसी भी कीमत पर मंत्री से माफी नहीं मांगेंगे। उन्होंने घोषणा की कि वह तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग के प्रश्न पत्रों के लीक होने के संबंध में आईटी मंत्री केटी रामा राव द्वारा दिए गए मानहानि नोटिस पर कानूनी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसी किसी भी खाली धमकी के आगे नहीं झुकेंगे। भाजपा अध्यक्ष ने एक बयान में कहा कि सार्वजनिक रूप से माफी मांगने का कोई सवाल ही नहीं है। मैं न्याय के लिए कानूनी रूप से लड़ने के लिए तैयार हूं।

उन्होंने मांग की कि केटीआर को तेलंगाना के लोगों को स्पष्टीकरण देना चाहिए कि उन्होंने पिछले नौ वर्षों में इतनी बड़ी संपत्ति कैसे अर्जित की। तेलंगाना आंदोलन से पहले हर कोई जानता है, केटीआर अमेरिका में काम कर रहा था। अब उनकी कीमत सैकड़ों करोड़ है। फिर भी, वह मानहानि के नाम पर और अधिक धन के लिए तरस रहे हैं।

संजय ने कहा कि अगर केटीआर की प्रतिष्ठा और छवि 100 करोड़ रुपये की थी, तो उन 30 लाख बेरोजगार युवाओं को कितना पैसा दिया जाना चाहिए, जिनका भविष्य बीआरएस सरकार के कुशासन के कारण प्रश्नपत्रों के लीक होने के कारण खतरे में है। केटीआर बर्दाश्त नहीं कर सकता अगर कोई उसकी विफलताओं पर सवाल उठाता है और सरकार में गड़बड़ियों को उजागर करता है। वह सरकार के खिलाफ आंदोलन करने वाले प्रदर्शनकारियों को पीटने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करेगा। संजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने के लिए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष पर भी निशाना साधा, यहां तक कि उनकी उम्र और कद का सम्मान करने की भी परवाह नहीं की। उन्होंने आश्चर्य जताया कि बीआरएस के नेता और मंत्री टीएसपीएससी के प्रश्न पत्रों के लीक होने को एक महत्वहीन मुद्दे के रूप में खारिज करने की कोशिश क्यों कर रहे हैं। मैं हैरान हूं कि एसआईटी द्वारा जांच किए जा रहे मुद्दों को केटीआर को कैसे लीक किया जा रहा है। शुरुआत में मामले में सिर्फ दो लोग शामिल थे, लेकिन अब जब और नाम सामने आ रहे हैं तो वह खामोश हो गया है। पुलिस ने जांच को प्रभावित करने की कोशिश के लिए केटीआर के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज क्यों नहीं किया, लेकिन जब हम गलत कामों पर सवाल उठाते हैं तो हमें निशाना बना रहे हैं?

मंत्री ने भद्राद्री मंदिर में किया आरओ वाटर प्लांट्स का शुभारंभ

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री ए. इंद्रकरण रेड्डी ने बुधवार को जिले के भद्राचलम में श्री सीता रामचंद्रस्वामी देवस्थानम में 'भद्राद्री जल प्रसादम' नाम से छह मुफ्त जल संयंत्रों का उद्घाटन किया। आरओ जल संयंत्रों को दिवि की प्रयोगशालाओं लिमिटेड द्वारा दान और रखरखाव किया गया था। मंत्री ने श्रद्धालुओं से सुविधा का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने बताया कि डिविस प्रयोगशालाओं ने लगभग 6.34 करोड़ रुपये की लागत से तेलंगाना के प्रसिद्ध मंदिरोंमें 37 आरओ जल संयंत्र स्थापित किए हैं और अकेले एक यदाद्री में 17 संयंत्र स्थापित किए गए हैं। मंत्री ने इस भाव के लिए डिविस प्रयोगशालाओं की सराहना की।

वीएच ने जेपी नड्डा व बंडी संजय की आलोचना की

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि दोनों नेता अपनी पार्टी के नेता राहुल गांधी पर झूठा दावा कर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं कि राहुल गांधी ने देश के ओबीसी समुदाय का अपमान किया था। मीडियाकर्मियों से बात करते हुए वीएच ने भगवा पार्टी के दोनों नेताओं से पूछा कि राहुल माफी क्यों मांग रहे हैं? उन्होंने भाजपा नेताओं से पूछा कि क्या संसद में उद्योगपति गौतम अडानी का मुद्दा उठाने के लिए राहुल गांधी को माफी मांगनी चाहिए?

उन्होंने आरोप लगाया कि अडानी के भ्रष्टाचार के मुद्दे से देश की जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा नेता ओबीसी का मुद्दा लेकर आए हैं। उन्होंने कहा कि वे 1 अप्रैल, 2023 को सोमाजीगुडा प्रेस क्लब में सभी राजनीतिक दलों के साथ एक गोलमेज सम्मेलन आयोजित कर रहे थे और कहा कि वे यह पता लगाने के लिए चर्चा करेंगे कि राहुल गांधी ने देश के ओबीसी की आलोचना और अपमान कहां किया? उन्होंने कहा कि वे भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा ओबीसी के विकास के लिए की गई कल्याणकारी गतिविधियों पर भी चर्चा करेंगे। वीएच ने आरोप लगाया कि बीजेपी अपने वोट बैंक को बनाए रखने के लिए ओबीसी मुद्दे का इस्तेमाल कर रही है. उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के हाथों का मोहरा बन गया है।

सिरसिल्ला के बुनकर ने देवी सीता के लिए बनाई विशेष साड़ी

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिरसिल्ला के एक बुनकर, वेल्डी हरिप्रसाद, जो पहले एक हथकरघे के कपड़े पर जी20 लोगो की बुनाई करके चर्चा में थे, अब देवी सीता के लिए 'पट्टू पीतांबरम' साड़ी बनाई है। गुरुवार को निर्धारित श्री रामनवमी के अवसर पर देवी सीता को एक विशेष साड़ी भेंट करने के लिए, हरिप्रसाद ने 20 दिन खर्च करके एक आकर्षक 'पट्टू पीतांबरम' साड़ी बुनी। 750 ग्राम की साड़ी को 600 ग्राम रेशम के धागे और 150 ग्राम चांदी की ज़री से बुना गया है।

हरिप्रसाद द्वारा हथकरघे की मदद से सिरसिला में पहली बार 'पट्टू पीतांबरम', जिसे निज़ाम के समय में अमीर महिलाओं द्वारा पहना जाता है, बुना जा रहा है। हालाँकि इस तरह की साड़ियाँ पहले सिद्दीपेट के पास बुनी जाती थीं, लेकिन कुछ बुनकर ही इस प्रथा को जारी रख रहे हैं, यह पता चला है। तेलंगाना टुडे से बात करते हुए, हरिप्रसाद ने कहा कि श्री रमण नवमी के अवसर पर देवी सीता को एक विशेष साड़ी भेंट करने के लिए, उन्होंने 45,000 रुपये खर्च करके 'पट्टू पीतांबरम' साड़ी बुनी। उन्होंने कहा, 'साड़ी तैयार करने के बाद मैंने आईटी मंत्री केटी रामाराव से संपर्क किया, जिनके निर्देश पर मैंने मंगलवार को एंडॉवमेंट कमिश्नर अनिल कुमार को साड़ी सौंप दी।' इससे पहले, हरिप्रसाद ने हथकरघे के कपड़े पर जी20 लोगो बुना है, एक साड़ी जिसे माचिस की डिब्बी में फिट किया जा सकता है और सुई के छेद से गुजारा जा सकता है, एक ही कपड़े पर राष्ट्रगान वगैरह। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में जी20 का लोगो बुनने के लिए हरिप्रसाद की सराहना की थी।

विधायक राजा सिंह ने लगाया निशाना बनाने के लिए आतंकी साजिश का आरोप

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। निलंबित भाजपा विधायक टी. राजा सिंहने दावा किया है कि एक आतंकवादी संगठन ने गुरुवार को हैदराबाद में रामनवमी के जुलूस के दौरान उन्हें निशाना बनाने की योजना बनाई है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर हैदराबाद के पुराने शहर के एक निवासी के पुलिस आयुक्त को एक पत्र पोस्ट किया, जिसमें दावा किया गया कि एक आतंकवादी ने 31 मार्च को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, राज्य भाजपा कार्यालय और रामनवमी के जुलूस में बम फेंकने की योजना बनाई है। उमा माहेश्वरी द्वारा लिखे गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि बहरीन स्थित मुख्तार ब्रिगेड के लिए काम करने वाले आतंकवादियों का मुख्य लक्ष्य गोशामहल निर्वाचन क्षेत्र से तेलंगाना विधानसभा के सदस्य राजा सिंह हैं।

जुलूस का नेतृत्व करने वाले राजा सिंह ने राज्य के गृह मंत्री महमूद अली, पुलिस महानिदेशक और पुलिस आयुक्त से पूछा कि क्या उन्होंने पत्र में किए गए दावों की पुष्टि की है। राजा सिंह ने ट्वीट किया कि इस बारे में हमें अपडेट करें क्योंकि लाखों राम भक्त इस जुलूस में शामिल होते हैं। विवादित विधायक ने पिछले महीने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी कि उन्हें पाकिस्तान स्थित फोन नंबरों से धमकी भरे फोन आ रहे हैं।मुझे हर दिन धमकी भरे फोन आ रहे हैं। कॉल करने वालों के आक्रामक और गाली-गलौज करने पर मैंने कई बार पुलिस विभाग को लिखित शिकायत दी लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अभी तक मुझे धमकी देने वाले एक भी व्यक्ति को गिरफ्तार नहीं किया गया है।' विधायक के दावों के बाद, पुलिस ने उन्हें एक नया बुलेट-प्रतिरोधी वाहन सौंपा है।

रामनवमी जुलूस के लिए सिद्धिअंबर बाजार मस्जिद व दरगाह को कपड़े से ढका गया

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 30 मार्च को होने वाली रामनवमी शोभा यात्रा से पहले हैदराबाद में तैयारियां जोरों पर हैं। सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सिद्धिअंबर बाजार मस्जिद और शहर की एक दरगाह को कपड़े से ढक दिया गया है। शोभा यात्रा, जो हर साल आयोजित की जाती है, सीतारामबाग मंदिर से सुबह 9 बजे शुरू होगी और उसी रात लगभग 7 बजे कोटी के हनुमान व्यायामशाला मैदान में समाप्त होगी।

शोभायात्रा शहर के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरेगी, जिसमें भोईगुड़ा कामां, मंगलहाट थाना रोड, जाली हनुमान, धूलपेट पुरानापुल रोड, गांधी प्रतिमा, जुमेरठ बाजार, बेगम बाजार चत्री, सिद्दीअंबर बाजार, शंकर शेर होटल, गौलीगुड़ा चमन, पुतलीबावली चौराहा, हनुमान व्यायामशाला में अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले कोटी, और सुल्तान बाजार शामिल हैं।

कुरुक्षेत्र का युद्ध शुरू हुआ : मल्लू रवि

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद और टीपीसीसी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. मल्लू रवि ने आज कहा कि कांग्रेस सहित सभी विपक्षी दल अडानी के भ्रष्ट आचरण का पर्दाफाश करने के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति के गठन की मांग कर रहे हैं। जेएसी नियुक्त करने के बजाय, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी सभी विपक्षी दलों को भ्रष्ट बताते हैं और "स्वच्छ भाजपा मोदी सरकार" का विरोध करते हैं।

डॉ मल्लू रवि ने कहा कि लोकतंत्र में, लोग यह तय करने के लिए अंतिम न्यायाधीश होते हैं कि कौन भ्रष्ट है और कौन साफ है। राहुल गांधी के नैतिक बल के आगे भाजपा की मोदी सरकार की ताकत दिन ब दिन कमजोर होती जा रही थी। लोकतंत्र की बहाली के लिए और भाजपा की मोदी सरकार के खिलाफ लड़ने के लिए राहुल गांधी के साहस और प्रतिबद्धता को राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारत के लोग स्पष्ट रूप से समझ चुके हैं। मोदी सरकार द्वारा राहुल गांधी की संसद सदस्यता की अयोग्यता के साथ कुरुक्षेत्र की जंग शुरू हो गई है। कुरुक्षेत्र मूल रूप से कौरवों के बीच एक युद्ध है जिसका प्रतिनिधित्व राजा दुर्योधन नैतिकता के बिना करता है और पांडवों का प्रतिनिधित्व नैतिकता के साथ एक साधारण धर्म राजा द्वारा किया जाता है।

CLASSIFIEDS

नाम परिवर्तन

सैनिकों एवं सेवारत सैनिकों की पत्नियों के नाम परिवर्तन हेतु

यह प्रमाणित किया जाता है कि मैं आर.पोंविझी (धर्म पत्नी अगले रिकार्ड। दस्तावेज में नाम बदलवा के अनुसार मौजूदा नाम) के. महादेवन पति का नाम है। मकान नम्बर 4-126 के निवासी गाँव-आलंगनेरी, पोस्ट-मेलमोइल, तहसील-काटपाड़ी, जिला- वैलोर, स्टेट-तमिलनाडु पिन. 632203. मैंने अपना नाम आर. पोंविझी से एम. पोंविझी में बदल लिया है।

(निकटतम संबधी रिर्ड/सेवा दस्तावेजों में परिवर्तन के अनुसार पति / पत्नी का मौजूदा नाम है) शपथ पत्र दिनाँक : 09 मार्च 2023.

(शपथ पत्र की तिथि डीडी / एम.एम/ वाई वाई वाई वाई प्रारुप में)

सिटी सिविल कोर्ट के सामने मदीन 9F9H+GH चत्ता बाजार पत्थर गट्टी, हैदराबाद, तेलंगाना, पिन - 500002 (न्यायालय का नाम)

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सीएम शिवराज ने फौजी मेले का शुभारंभ किया, सेना के हथियार जनता पास से देख सकेगी

भोपाल, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को भोपाल के एमवीएम ग्राउंड में फौजी मेले का शुभारंभ किया। मेले का उद्देश्य भरतीय सेना से परिचित करना और अपनेपन और एकजुटता की भावना को प्रोत्साहित करना है। दो अप्रैल को मेले का समापन होगा। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हम यहां इसलिए सुरक्षित हैं, क्योंकि हमारे वीर जवान मई और जून की तपती दोपहर में 48-50 डिग्री तापमान में भी सीमाओं की सुरक्षा करते हैं। चाहे 50 डिग्री हो या कारगिल में -40 डिग्री हो, हमारे जवान सीमाओं की रक्षा बिना रुके करते हैं। मैं एक बार फिर अपनी सेना को प्रणाम करता हूं, सेना के अधिकारियों को प्रणाम करता हूं और इस बात के लिए धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने अपनी कॉन्फ्रेंस के लिए भोपाल को चुना है। आपका स्वागत है। कल रक्षामंत्री आएंगे और 1 अप्रैल को प्रधानमंत्री जी आएंगे।

गृहमंत्री अमित शाह बोले

जम्मू कश्मीर में नीतियां व कानून व्यवस्था की स्थिति निवेश के अनुकूल

जम्मू/नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) के वार्षिक सत्र में कहा कि जम्मू-कश्मीर में नीतियांऔर कानून-व्यवस्था दोनों निवेश करने लायक हैं, आपको इस पर ध्यान देना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सही नीतियों ने देश को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ाया है। वह अपने संबोधन के दौरान उद्योगपतियों के सवाल के जवाब दे रहे थे। अमित शाह ने कहा, उद्योगपतियों को चाहिए कि वे निवेश के लिए क्षेत्र का चुनाव अपनी बाजार रणनीति के अनुसार और अपने व्यावसायिक हित को ध्यान में रखते हुए करें।

जब तक आप देश को लाभ पहुंचाते हैं, तब तक आप जहां भी निवेश करते हैं, मुझे कोई समस्या नहीं है। लेकिन मुझे कहना होगा कि नीति और कानून व्यवस्था दोनों ही जम्मू-कश्मीर में निवेश करने लायक हैं और आपको इस पर विचार करना चाहिए। लॉजिस्टिक्स लागत को पांच वर्षों में 7,5 प्रतिशत पर लाएंगे : गृह मंत्री ने बताया, केंद्र सरकार सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लॉजिस्टिक्स लागत को मौजूदा 13 प्रतिशत से कम करके 7,5 प्रतिशत पर लाने के लिए

काम कर रही है। उन्होंने कहा, देश के बुनियादी ढांचे के विकास और लॉजिस्टिक्स लागत में कमी के बिना विकास संभव नहीं है। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत जीडीपी की 13 प्रतिशत है, जबकि बाकी की दुनिया में यह आठ प्रतिशत है। इससे भारत के निर्यात के लिए विश्वस्तर पर प्रतिस्पर्धी बनना कठिन हो जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हमें 13 प्रतिशत और आठ प्रतिशत के इस अंतर को दूर करना होगा। हमने अगले पांच वर्ष के लिए एक रूपरेखा बनाई है। मैं यह भरोसा दिलाना चाहता हूं कि अगले पांच वर्ष में हम लॉजिस्टिक्स लागत को घटाकर 7,5 प्रतिशत पर ले आएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि मोदी सरकार ने कभी भी वोट बैंक की राजनीति के लिए लोकलुभावन फैसले नहीं लिए, बल्कि लोगों की भलाई और देश में राजनीतिक स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए काम किया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'टीम इंडिया' की संकल्पना को साकार किया है। यही वजह है कि बीते नौ वर्ष में हर क्षेत्र में अच्छे परिणाम आए हैं। शाह ने कहा, जब हम निर्णय लेते हैं, तो हमारे सामने देश या क्षेत्र की बेहतरी होती है। हमारे सामने देश में एक व्यवस्था स्थापित करने का इरादा होता है। हम वोट बैंक को ध्यान में रखकर निर्णय नहीं लेते हैं। नहीं तो जीएसटी कभी नहीं होता। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि देश में जीएसटी को ''गब्बर सिंह टैक्स'' के रूप में मजाक उड़ाने वालों की एक लंबी फौज है। लेकिन हमने कभी इस बात की परवाह नहीं की। शाह ने विश्वास जताया कि मोदी सरकार ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र और 2025 तक पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए मजबूत नींव रखी है। उन्होंने कहा कि अब लगभग हर व्यवसाय में यूपीआई का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा, 2022 में 8,840 करोड़ डिजिटल लेनदेन में यूपीआई की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत यानी 1,26 लाख करोड़ रुपये है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया में पहली बार जीडीपी के निराशाजनक आंकड़ों को सामाजिक योजनाओं के जरिये मानवीय चेहरा दिया। बुनियादी ढांचे में 100 लाख करोड़ के निवेश की योजनाः

शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार ने बुनियादी ढांचे में 100 लाख करोड़ रुपये के निवेश की योजना बनाई है, जिसमें रेलवे लाइनों का दोहरीकरण, उनका चौड़ीकरण, मुंबई से दिल्ली और अमृतसर से कोलकाता के बीच मालढुलाई गलियारों के साथ ही 11 अन्य औद्योगिक गलियारे जैसी कुछ बड़ी परियोजनाएं शामिल हैं। मोदी का दौर राजनीतिक स्थिरता के कालखंड के रूप में जाना जाएगा गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को राजनीतिक स्थिरता दी, मोदी के नेतृत्व वाले इस कालखंड को भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में ''राजनीतिक स्थिरता के कालखंड'' के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा, विकास बिना सही नीति के संभव नहीं है जिसके लिए दूरदृष्टि की आवश्यकता होती है।

जम्मू संभाग में 31 को भारी बारिश-बर्फबारी की चेतावनी

श्रीनगर हाईवे प्रभावित होने की आशंका

जम्मू, 29 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में दो दिन से मौसम के साफ रहने से तपिश का अहसास बढ़ा है। लेकिन आगामी दिनों में दोबारा मौसम का मिजाज बदलने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र श्रीनगर के अनुसार 29 मार्च से एक अप्रैल तक जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। 31 मार्च को जम्मू संभाग के कुछ हिस्सों में भारी बारिश और बर्फबारी की चेतावनी दी गई है। इससे पारे में दोबारा गिरावट आएगी। खराब मौसम की सूरत में जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग प्रभावित हो सकता है। जिला राजोरी और पुंछ को शोपियां (कश्मीर) से जोड़ने वाला मुगल रोड पहले से ही बंद है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में दिन के तापमान में सामान्य से 2 से 4 डिग्री बढ़ोतरी हुई है, लेकिन फिलहाल अभी गर्मी से राहत बनी हुई है। जम्मू में मंगलवार की शुरुआत साफ मौसम के साथ हुई। दोपहर को सीधी धूप में तपिश का अहसास हुआ। दिन का पारा सामान्य से 1,2 डिग्री गिरकर 27,7 और न्यूनतम तापमान 14,7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में अधिकतम तापमान 21,4, बटोत में 20।0, कटड़ा में 26,3 और भद्रवाह में 20,6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर में मौसम सुहावना बना हुआ है। राजधानी श्रीनगर में दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा चढ़कर 20,9, पहलगाम का न्यूनतम तापमान माइनस 0,6, गुलमर्ग में 0,5, लेह में माइनस 5,0 और कारगिल में माइनस 2,8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

32 लोगों के साथ हुई 4 करोड़ 62 लाख की धोखाधड़ी

अंबाला (हरियाणा), 29 मार्च (एजेंसियां)। अंबाला में 32 लोगों के साथ हुई 4 करोड़ 62 लाख रुपये की धोखाधड़ी के मामले में कार्रवाई न होने से परेशान लोग एसपी कार्यालय पहुंचे। इस दौरान उन्होंने एसपी के समक्ष अपनी बात रखी। जहां पर एसपी ने तुरंत ही सदर थाना एसएचओ को मामले में तुरंत आगामी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। बता दें कि पिछले साल सदर थाना में गांव बलाना से एक मामला दर्ज हुआ था। इसमें 32 लोगों ने चार लोगों के खिलाफ थाना में धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया था।

ये था पूरा मामला

शिकायत में उन्होंने कहा था कि तिरलोचन, लखविन्द्र सिंह, लखबीर सिंह, मनदीप सिंह, मलकीत सिंह ने उनके साथ धोखाधड़ी की है। शिकायत में बताया कि आरोपियों ने उन्हें विदेश भेजने के नाम पर, चिटफंड कंपनी या अन्य तरीके से रुपये हड़प लिए हैं। इस दौरान बताया कि बहुत से लोगों से यह कहकर रुपये हड़प लिए कि वह वर्क परमिट पर अमेरिका व कनाड़ा भेज देगा और इसके लिये प्रत्येक व्यक्ति से पच्चीस पच्चीस लाख रुपये की डिमांड की। इसके अलावा किसी को कनाड़ा भेजने के नाम पर भी लाखों रुपये ले लिए। वहीं कई किसानों को रुपये निवेश करने पर ज्यादा देने का झांसा दिया। परंतु जब उन्होंने रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने जान से मारने की धमकी दी। पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने यह रुपये अपनी मेहनत और खून पसीने की कमाई से बनाए थे।

वहीं अब इन लोगों की वजह से उनके बच्चों का भविष्य भी पूरी तरह से खराब हो गया है। इस शिकायत पर कार्रवाई को लेकर वह पिछले एक साल से चक्कर काट रहे हैं। परंतु अभी तक इसपर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जिस कारण व परेशान है लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ। इसी कारण वह लोग एसपी से मिलने पहुंचे हैं।

वापस मिलेंगे सहारा चिटफंड में फंसे पैसे सुप्रीम कोर्ट ने रिलीज किए 5000 करोड़

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। सहारा की चिट फंड योजनाओं में पैसे फंसा चुके लोगों को सुप्रीम कोर्ट की ओर से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने सेबी-सहारा फंड से 5 हज़ार करोड़ रुपए इन निवेशकों के लिए जारी करने की केंद्र सरकार को अनुमति दे दी है। निवेशकों से धोखाधड़ी के एक दूसरे मामले में 2012 में बने इस फंड में लगभग 24 हज़ार करोड़ रुपए जमा हैं। दरअसल केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसमें सरकार ने कहा था कि कई चिट फंड कंपनियों और सहारा क्रेडिट फर्मों में निवेश करने वाले जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस लौटाया जाए। सुप्रीम कोर्ट से याचिका स्वीकार होने के बाद अब केंद्र सरकार 24000 करोड़ के कुल फंड में से निवेशकों को 5000 करोड़ का आवंटन कर सकेगी। इस रकम से 1,1 करोड़ निवेशकों के पैसों का भुगतान किया जा सकेगा। न्यायमूर्ति एमआर शाह और न्यायमूर्ति सीटी रविकुमार की पीठ ने कहा कि सहारा समूह की सहकारी समितियों द्वारा ठगे गए जमाकर्ताओं को उनका पैसा वापस किया जाए। वहीं, पीठ ने यह भी कहा कि इस पूरी प्रक्रिया की निगरानी हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी करेंगे। केंद्र सरकार ने सेबी-सहारा रिफंड अकाउंट नामक एक फंड से 5,000 करोड़ रुपये की राशि लेने की मांग की गई थी, जो अगस्त 2012 में शीर्ष अदालत द्वारा दो सहारा फर्मों - सहारा इंडिया रियल एस्टेट कॉरपोरेशन लिमिटेड और सहारा हाउसिंग इंडिया कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसएचआईसीएल) को निर्देशित करने के बाद बनाई गई थी।

पानी को तरसेगी राजधानी: यमुना में बढ़ा अमोनिया

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी में गर्मी शुरू होते ही पेयजल की समस्या होने लगी है। इसका मुख्य कारण पानी कमी नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश से गंग नहर और हरियाणा से यमुना नदी में दूषित पानी आना है। इसी कड़ी में यमुना नदी में मंगलवार को कचरा आने के कारण पानी में अमोनिया की मात्रा बढ़ गई। इस पानी को साफ करने में दिल्ली जल बोर्ड के दो संयंत्रों ने हाथ खड़े कर दिए। इस कारण इन संयंत्रों से जुड़े इलाके में पेयजल संकट पैदा हो गया है। दो दिन पहले गंग नहर में दूषित पानी आने के कारण जल बोर्ड के दो अन्य संयंत्रों में पानी का उत्पादन प्रभावित हो गया था। दिल्ली जल बोर्ड के अनुसार यमुना नदी में उच्च स्तर के प्रदूषक (अमोनिया 5,0 पीपीएम से अधिक) हो गए है। इस कारण वजीराबाद व चंद्रावल जल शोधक संयंत्र पानी को पूरी तरह साफ नहीं कर पा रहे हैं। इस वजह से पानी के उत्पादन में 10-50 प्रतिशत की कटौती की गई है। जल बोर्ड का कहना है कि पानी में अमोनिया की मात्रा सामान्य नहीं होने तक दोनों संयंत्र पूरी क्षमता से नहीं चलेंगे। वहीं गंग नहर से जुड़े भगीरथी व सोनिया विहार जल शोधक संयंत्र भी पूरी क्षमता से नहीं चल रहे हैं।

इन क्षेत्रों में प्रभावित रहेगी जलापूर्ति

दिल्ली जल बोर्ड ने कहा कि यमुना नदी में अमोनिया की मात्रा बढ़ने के कारण नई दिल्ली, सिविल लाइन, हिंदू राव अस्पताल, कमला नगर, शक्ति नगर, करोल बाग, पहाड़गंज, राजेंद्र नगर, पटेल नगर, बलजीत नगर, प्रेम नगर, इंद्रपुरी, कालकाजी, गोविंदपुरी, तुगलकाबाद, संगम विहार, अंबेडकर नगर, प्रह्लादपुर, रामलीला मैदान, दिल्ली गेट, सुभाष पार्क, मॉडल टाउन, गुलाबी बाग, पंजाबी बाग, जहांगीरपुरी, मूलचंद, साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश, दिल्ली छावनी आदि क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

बाहरी दिल्ली में दो दिन पानी नहीं आएगा

दिल्ली जल बोर्ड बुधवार व गुरुवार को नांगलोई जल शोधक संयंत्र को कच्चा पानी उपलब्ध कराने वाली 1500 मिमी व्यास लाइन का इंटरकनेक्शन करेगा। इस कारण इन दोनों दिन नांगलोई, मुंडका, हिरण कुदना गांव, कमरुद्दीन नगर, निहाल विहार, रणहौला, बक्करवाला, ज्वालापुरी, राजधानी पार्क, कविता कॉलोनी, मोहन गार्डन, विकास नगर, उत्तम नगर, मटियाला, हस्तसाल, दिचाऊं कलां, झाड़ौदा, मितराऊं, गोपाल नगर, सैनिक एन्क्लेव, बडूसराय, दौलतपुर, हसनपुर, खड़खड़ी, झुलझूली, उजवा, रावता, समसपुर, जाफर पुर कलां, खेड़ा डाबर, मलिक पुर, मुंढेला, बाकर गढ़, काजीपुर, ईसापुर, ढांसा, शिकारपुर, घुमनहेड़ा, झटीकरा, राघोपुर आदि इलाकों में पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी।

भगवंत मान ने सीएम सुक्खू के साथ की बैठक, वाटर सेस को लेकर स्पष्ट की स्थिति

शिमला, 29 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बुधवार को चंडीगढ़ में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के साथ विभिन्न द्विपक्षीय मामलों पर चर्चा की। बैठक के बाद पंजाब के मुख्यमंत्री के साथ संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए सीएम सुक्खू ने कहा कि हिमाचल और पंजाब के मध्य सदैव मधुर संबंध रहे हैं और इन दोनों ही राज्यों की साझा सांस्कृतिक विरासत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिमाचल में जलविद्युत परियोजनाओं पर वाटर सेस सहित भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) और शानन जलविद्युत परियोजना तथा पर्यटन की विभिन्न परियोजनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। सीएम सुक्खू ने कहा कि जल उपकर के विषय में बैठक में पुनः कुछ भ्रांतियों का निवारण किया गया। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश द्वारा लगाया जाने वाला जल उपकर, जल पर नहीं अपितु प्रदेश में कार्यरत जलविद्युत परियोजनाओं पर लगाया जाएगा। इस जल उपकर से पंजाब तथा हरियाणा को कोई नुकसान नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल उपकर सहित विभिन्न जलविद्युत परियोजनाओं के विषय में समुचित विचार-विमर्श के लिए हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव तथा ऊर्जा सचिव एवं पंजाब के समकक्ष अधिकारियों की एक समिति गठित की जाएगी। यह समिति विभिन्न विषयों पर बातचीत कर मामलों को समयबद्ध निपटाएगी। समिति भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की परियोजनाओं पर भी चर्चा करेगी। सीएम सुक्खू ने कहा कि बैठक में शानन परियोजना के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की गई। 110 मेगावाट की शानन परियोजना कि 99 वर्ष की लीज वर्ष 2024 में समाप्त हो रही है। बैठक में इस परियोजना के भविष्य के कार्यान्वयन के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। सुक्खू ने भगवंत मान के साथ श्री आनंदपुर साहिब और माता नैना देवी के मध्य रोप-वे के संबंध में भी विस्तृत चर्चा की। पंजाब के मुख्यमंत्री को हिमाचल आने का न्योता दिया जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार कर लिया। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि बैठक में जल उपकर एवं विभिन्न जल परियोजनाओं सहित हिमाचल प्रदेश में धार्मिक पर्यटन के विषय पर विस्तृत बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि हिमाचल एवं पंजाब भविष्य में धार्मिक पर्यटन की विभिन्न साझा परियोजनाओं पर एक साथ कार्य करेंगे। जल उपकर के विषय में हिमाचल के मुख्यमंत्री ने उन्हें विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर पंजाब के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी डॉ। गुरप्रीत कौर, भोरंज के विधायक सुरेश कुमार, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार नरेश चौहान, मुख्यमंत्री के सूचना प्रौद्योगिकी सलाहकार गोकुल बुटेल, मुख्यमंत्री के प्रधान निजी सचिव विवेक भाटिया तथा पंजाब सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जीरकपुर सब्जी मंडी में लगी भीषण आग

10 दुकानें जलकर राख, शार्ट सर्किट बताया कारण

जीरकपुर (पंजाब), 29 मार्च (एजेंसियां)। जीरकपुर में बुधवार सुबह करीब 9 बजे चंडीगढ़ अंबाला हाईवे पर मौजूद पुरानी सब्जी मंडी में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी के 10 दुकाने जलकर राख हो गई। आगजनी की सूचना के बाद दमकल विभाग के कर्मचारी आग बुझाने में जुट गए और करीब दो घंटे की मुशक्त के बाद आग पर काबू पाया जा सका। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि यह मंडी पुरानी होने के साथ साथ अवैध तौर पर बनाई हुई है। जिसका नगर काऊंसिल के पास भी कोई रिकार्ड या अप्रूवल नही है। करीब चार साल पहले भी इसी तरह सब्जी मंडी में आग लग गई थी और इस से भी ज्यादा नुकसान हुआ था लेकिन उस घटना के बाद लोगों ने सबक नही लिया। और आज फिर यह घटना दोबारा हो गई है। तेजाराम मौजूद एक वकील ने बताया कि उन्होंने नगर कौंसिल में इसी मंडी के खिलाफ कई बार शिकायत दी है लेकिन नगर कौंसिल के अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जाती है

इंदौर के एक छह मंजिला होटल में लगी आग 42 लोगों को बचाया गया, 10 अस्पताल में भर्ती

इंदौर, 29 मार्च (एजेंसियां)। इंदौर के एक छह मंजिला होटल में बुधवार सुबह अचानक आग लग गई। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस और अग्निशमन दस्ते ने इसमें फंसे 42 लोगों को बाहर निकाला। राऊ थाना प्रभारी नरेंद्र रघुवंशी ने बताया कि 'पपाया ट्री होटल' में आग लगने से इसमें ठहरे लोग फंस गए थे, जिन्हें पुलिस और अग्निशमन दस्ते ने बाहर निकाला। उन्होंने बताया कि होटल से बाहर निकाले गए 10 लोगों को अस्पताल भेजा गया है, जिनमें से ज्यादातर लोगों को होटल में धुआं भरने से सांस लेने में दिक्कत हो रही थी।

पुलिस अधीक्षक (अग्निशमन) आरएस निंगवाल ने बताया कि आग की शुरुआत होटल के भू-तल की छत से हुई और इस इमारत के भीतर धुआं भर गया। उन्होंने कहा कि कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया और होटल में आग से निपटने के

उचित इंतजाम नहीं पाए गए। पुलिस अधीक्षक ने कहा, होटल प्रबंधन ने 'हाइड्रेंट' (आग बुझाने की प्रणाली) लगा रखा है जो सामान्य बिजली कनेक्शन से जुड़ा है। आग लगने के दौरान बिजली बंद होने से 'हाइड्रेंट' ने काम ही नहीं किया। निंगवाल ने कहा कि अगर होटल प्रबंधन 'हाइड्रेंट' को जनरेटर से जोड़कर रखता, तो आग लगने के दौरान इसे चलाकर लपटों पर तुरंत काबू पाया जा सकता था। उन्होंने कहा कि वह होटल प्रबंधन के खिलाफ उचित कदम उठाने के लिए जिला प्रशासन और इंदौर नगर निगम को पत्र लिखेंगे। इस बीच, अग्निकांड का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इसमें होटल की छठी मंजिल पर फंसे कुछ लोग चादरों को बांधकर रस्सी की तरह नीचे लटकाते नजर आ रहे हैं, जबकि अग्निशमन दस्ता सीढ़ी की मदद से उन्हें नीचे उतारता दिखाई दे रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया, ये लोग घबराकर होटल से नीचे कूदना चाहते थे, लेकिन हमने उन्हें कूदने नहीं दिया। हमने सीढ़ी लगाकर उन्हें सुरक्षित नीचे उतार लिया। होटल में ठहरे एक व्यक्ति ने सुरक्षित बाहर निकलने के बाद बताया, मैं और मेरे कुछ साथी होटल की तीसरी और चौथी मंजिल पर रुके थे और आग लगने के दौरान शोर सुनकर हम फटाफट नीचे उतरकर बाहर निकले। उस वक्त पूरे होटल में धुआं भर चुका था।

आईपी कॉलेज में फेस्ट के दौरान हंगामा, एंट्री को लेकर विवाद, कई छात्र जख्मी, हिरासत में लिए गए सात लोग

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय के आईपी कॉलेज में मंगलवार को फेस्ट के दौरान एंट्री करने को लेकर खूब बवाल हुआ। छात्रों की भीड़ अचाक कॉलेज के गेट पर इकट्ठा हो गई और अंदर घुसने का प्रयास करने लगी। धक्की-मुक्की में कई छात्र एक-दूसरे के नीचे दबकर चोटिल हो गए। बात बढ़ी तो कॉलेज प्रशासन ने मामले की सूचना पुलिस को दे दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने सख्ती बरतकर भीड़ को नियंत्रित किया। घायल छात्रों को नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। छात्राओं ने आरोप लगाए के कुछ छात्र कॉलेज की दीवार फांदकर भी अंदर दाखिल हुए। घर के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। पुलिस ने मामले में एक्शन लेते हुए सरकारी आदेश के उल्लंघन और लापरवाही बरतने की वजह से चोट लगने का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल मामले में सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। सिविल लाइंस थाना पुलिस सीसीटीवी कैमरों के अलावा वीडियो से मामले की जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि छात्राओं और आयोजकों के बयान लिये जा रहे हैं। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस के मुताबिक आईपी कॉलेज में मंगलवार को 'श्रुति' नाम से फेस्ट का आयोजन

किया जा रहा था। उसमें असीस कौर नामक आर्टिस्ट को अपनी प्रस्तुति देना था। कार्यक्रम का आयोजन सुबह 10 बजे से रात आठ बजे के बीच होना था। कॉलेज में खासी भीड़ भी थी। इस दौरान दोपहर करीब 3,00 बजे अचानक छात्रों की भीड़ गेट पर इकट्ठा हो गई। अंदर दाखिल होने के लिए खूब धक्का-मुक्की होने लगी। कई छात्र इसमें गिरकर जख्मी हो गई। वहीं कुछ छात्रों के दीवार फांदकर दाखिल होने की सूचना भी मिली। खबर मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति नियंत्रित की। घायल छात्रों को अस्पताल भेजकर हंगामा करने वाले सात लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस उपायुक्त का कहना है कि जरूरत से ज्यादा भीड़ बढ़ने की वजह से हादसा हुआ। मामले की जांच की जा रही है। फिलहाल सात लोगों को हिरासत में लिया गया है। जांच के बाद तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली यूनिवर्सिटी के आईपी कॉलेज के फ़ेस्ट में कुछ लड़कियों के साथ छेड़छाड़ की गई है। पहले भी कॉलेज फेस्ट में छेड़छाड़ की घटनाएँ सामने आई हैं। ऐसे लफ़ंगों को जेल में डालना चाहिए। मैं दिल्ली पुलिस को कड़ी कार्यवाही के लिए नोटिस इशू कर रही हूँ।

भजन गायक ने रेलवे स्टेशन पर छात्रा को छेड़ा, शोर मचाने पर हुआ फरार; जीआरपी ने किया अरेस्ट

मुंबई (महाराष्ट्र), 29 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई की बोरीवली रेलवे स्टेशन पर परीक्षा देने जा रही कॉलेज छात्रा के साथ हुई छेड़छाड़ की गुत्थी को सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने सुलझा लिया है। इस मामले में जीआरपी ने एक भजन गायक को विरार के फूलपुर इलाके से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किया गया भजन गायक दीपक पुजारी बोरीवली इलाके में एक भजन के कार्यक्रम से विरार लौट रहा था। बता दें कि आरोपी दीपक एक भोजपुरी सिंगर भी है। यह घटना 26 मार्च को बोरीवली रेलवे स्टेशन परिसर में घटित हुई। सुबह करीब 6 बजे परीक्षा देने जा रही 19 वर्षीय छात्रा के साथ भजन गायक ने छेड़छाड़ की था। गायक शराब के नशे में छात्रा के साथ गले मिलने और किस करने की कोशिश कर रहा था। जब उसने इस घृणित कृत्य को अंजाम दिया को छात्रा ने रेलवे स्टेश पर शोर-शराबा मचा दिया। जिसके बाद वह डर के मारे ट्रेने में बैठकर फरार हो गया था। लेकिन छात्रा ने सूझ-बूझ से काम लिया और तुंरत ही इस घटना की जानकारी स्टेशन पर मौजूद जीआरपी को दी। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ तलाशी अभियान चलाया।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 30 मार्च- 2023

लोकतांत्रिक व्यवस्था का सबक

अपनी असीम ताकत के बल पर अपने पडोसी देश तो क्या दुनिया भर को हिला देने वाली इजराइल सरकार को आखिरकार लोकतंत्र के आगे घुटने टेकने पड गए। क्योंकि सडकों पर उतरे हुजूम ने सरकार को ऐसा करने के लिए मजबूर कर दिया। इजराइल की घटना दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए एक सबक भी है। बता दें कि इजराइल में विरोध प्रदर्शन पिछले करीब ढाई महीनों से चल रहा था और उसमें वहां के सरकारी महकमों के लोगों ने भी बढ़-चढ़ कर भाग लिया था। यहां तक कि सेना के पायलटों ने भी प्रदर्शन में हिस्सा लेकर सरकार की चूलें हिला दी। सेवानिवृत्त फौजी अफसर भी आंदोलन के समर्थन में दो कदम आगे ही दिखे। वहां का सबसे बड़ा मजदूर संगठन भी सड़कों पर उतर आया था। मगर प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने फैसले पर अडिग थे। यहां तक कि जब उनके फैसले के विरोध में वहां के रक्षामंत्री ने भी बयान दे दिया तो उन्हें बर्खास्त कर दिया गया। उसके बाद तो आंदोलन ने जो रफ्तार पकडा तो थमने का नाम ही नहीं ले रहा था। हालत बिगडते देख राष्ट्रपति इसाक हरजोग ने प्रधानमंत्री को न्यायपालिका में आमूल-चूल बदलाव संबंधी अपनी योजना को तत्काल रोकने के निर्देश दिए। हालात यहां तक खराब हो गए कि दुनिया भर के इजराइली दूतावासों को संदेश भेजा गया कि वे कामकाज रोक दें, केवल अति आवश्यक काम ही निपटाएं। हवाई सेवाएं रुक गईं। ऐसे में यह संभावना बढ़ गई थी कि नेतन्याहू अपने कदम वापस खींच सकते हैं। क्योंकि इतने बड़े आंदोलन के बाद भी अगर नेतन्याहू अपनी जिद पर अड़े रहते तो इसमें कोई दो राय नहीं कि उसके भयावह परिणाम निकलते। बता दें कि कुछ महीने पहले बेंजामिन नेतन्याहू ने संसद में वहां की न्यायपालिका में आमूल-चूल बदलाव संबंधी प्रस्ताव पारित करा लिया था। प्रस्ताव के तहत न्यायपालिका के हाथ बांध दिए गए। वह सीमित दायरे में ही सिमट कर रह गई थी, उसके ऊपर सरकारी दबाव भारी पड रहा था। जिससे लोगों में नाराजगी थी। लोगों का स्पष्ट कहना था कि नए प्रस्ताव से लोकतंत्र चरमरा जाएगा। दूसरी ओर नेतन्याहू का तर्क था कि इससे मतदाताओं को लाभ होगा। उनका मकसद केवल न्यायालयों को अपनी ताकत का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से रोकना है। मगर विरोध प्रदर्शन कर रहे लोगों का आरोप था कि नेतन्याहू न्यायपालिका को अपनी मुट्ठी में कैद करके अपने ऊपर लगे भ्रष्टाचार के सभी आरोपों को खत्म करना चाहते हैं। इस प्रस्ताव के लागू होने के बाद न्यायपालिका में न्यायाधीशों की नियुक्ति में सरकार का हस्तक्षेप बढ़ जाता। इससे न्यायपालिका को किसी कानून को रद्द करने का अधिकार भी छिन जाता। यह बदलाव करके नेतन्याहू तानाशाह की तरह शासन करने का मंसूबा बना रहे थे। लेकिन धीरे-धीरे इन प्रस्तावों के विरोध में प्रदर्शन इतना व्यापक और प्रचंड होता गया कि लोग नेतन्याहू के आवास के करीब तक पहुंच गए। सड़कें जाम कर दी गईं। फिर अमेरिका ने भी नेतन्याहू को समझाया कि वे लोकतांत्रिक देश हैं और उन्हें लोकतंत्र की मर्यादाओं का पालन करना चाहिए। इसी में उनकी व देश की भलाई है। लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में न्यायपालिका सरकारी कामकाज पर नजर रखने और उसे मर्यादित रखने का एक कारगर तंत्र होती है। दरअसल, न्यायपालिका लोकतंत्र के संवैधानिक मूल्यों का प्रहरी है। इसलिए कई बार सत्तापक्ष उसकी वजह से असहज महसूस करता है। इस मामले में इजराइल अकेले नहीं है, जहां न्यायपालिका पर नकेल कसने की कोशिश की जा रही थी। आज पूरी दुनिया में अनेक लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं इसीलिए प्रश्नांकित होने लगी हैं कि उनमें से कइयों ने न्यायपालिका को कमजोर करके निरंकुश व्यवस्थाएं लागू करने में जुटी हैं। हालांकि जहां भी ऐसे प्रस्ताव लाने का प्रयास किया गया वहीं विरोध के स्वर उठने लगे हैं। इसके बावजूद कई जगह सरकारें उन्हें दबाने में कामयाब रही हैं। इस लिहाज से इजराइल की अवाम ने नेतन्याहू के मंसूबों पर पानी फेर कर एक तरह से जीवंत लोकतंत्र होने का सबूत दिया। जैसी स्थिति वहां बन चुकी थी कि उस विरोध प्रदर्शन को दबाना सरकार के बूते के बाहर हो चुका था। अच्छी बात है कि नेतन्याहू ने समय रहते लोगों की भावनाओं की कद्र करते हुए अपने फैसले वापस ले लिए।

मर्यादा और नैतिकता के प्रतीक श्रीराम

श्रीराम हमारे आराध्य हैं। वह सनातन संस्कृत के ध्वजवाहक हैं। राम सिर्फ मर्यादा पुरुषोत्तम ही नहीं हमारे समग्र संस्कार में समाहित हैं। राम के बिना पूरी हिंदू संस्कृति अधूरी है। वह जीवन दर्शन हैं। श्रीराम हमारे संस्कार हैं। हमें सदसच्चरित्र देते हैं। अत्याचार से लड़ने की तागत देते हैं। विषम परिस्थितियों में भी जीवन को कैसे जिया जाय यह भी बताते हैं। श्रीराम के लिए धन, वैभव, यश, मान, सम्मान से कहीं अधिक ऊंचा उनका आचरण है। उन्हें सत्ता नहीं सदाचार प्रिय। वह हमेशा मर्यादा में रहना चाहते हैं और हर प्राणी के सम्मान की रक्षा चाहते हैं। वह प्रजारंजक हैं। उपकार और परोपकार उनका जीवन दर्शन है। इसलिए राम हमारे कण-कण में विराजमान है। श्रीराम को भगवान के रूप में पूजने के बजाय हम उन्हें लोक नायक के रूप में अधिक समझ सकते हैं। तभी हमारे लिए चैत रामनवमी की सार्थकता समझ में आएगी। अयोध्या श्रीराम की जन्मभूमि और जीवन संस्कार है। हिंदू धर्म की पौराणिक मान्यता के अनुसार अयोध्या सप्त पुरियों मथुरा, माया , काशी, कांची, अवंतिका और द्वारका में शामिल है। श्रीराम की नगरी अयोध्या को अथर्ववेद में भगवान की नगरी कहा गया है। अयोध्या के शाब्दिक विश्लेषण से पता चलता है कि अ से ब्रह्मा, य से विष्णु और ध से रुद्र यानी त्रिदेव का स्वरूप है अयोध्या। जहां ब्रह्मा, विष्णु और शंकरजी स्वयं विराजमान हैं। अयोध्या के कण-कण में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम बसे हैं। इसे हिंदू, बौद्ध, जैन और सिख धर्म का मौलिक स्वरूप माना जाता है। सरयू नदी के पावन तट पर बसी है अयोध्या। इसकी स्थापना महाराज मनु ने की थीं। इसे साकेत के नाम से भी जाना जाता है।

श्रीराम विकारों से मुक्त उत्तम और मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। इसी लिया उन्हें श्रेष्ठ मर्यादा का वाहक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा गया है। वह धर्म, विवेक और आदर्श, के साथ मर्यादा और नैतिकता के प्रतीक हैं। वह मनवता के धर्मप्राण हैं। अहंकार और अविवेक रहित हैं। वह क्रोध, पाप से बिलग हैं। वह समदर्शी हैं। उन्होंने अपने निहित स्वार्थ के लिए धर्म की ध्वज को कभी गिरने नहीं दिया। न्याय और धर्म को हमेशा शीर्ष पर रखा। पिता महराज दशरथ और माँ कैकैई के वचनों के अनुपालन में राजसत्ता और वनवास को त्याग दिया। प्रजा के भावनाओं को उन्होंने हमेशा सम्मान किया। अयोध्या की प्रजा कि तरफ़ से आशंका उठने पर माँ सीता को वनवास भेज दिया। श्रीराम लोक मर्यादा को कहीँ से भी भंग नहीं होने दिया। यहीं वजह रहीं कि वह लोकरंजक कहलाए। उन्हें प्रजारंजक कहा गया। राज्य विस्तार को उन्होंने सिरे से खारिज किया। लंका को जीत कर विभीषण का राजतिलक किया। बालि के कुकर्मों का अंतकर सुग्रीव को राजा बनाया तो अंगद को युवराज। राक्षसों को वध कर दण्डकारण्य ऋषियों और मुनियों को दिया। श्रीराम हिंदुत्व के ध्वजवाहक हैं। वह धर्म हैं, संस्कार हैं। संस्कृति हैं। श्रीराम हिंदुत्व के राग, रंग और संस्कार हैं। **- प्रभुनाथ शुक्ल**

नीतीश की राहुल के मामले पर चुप्पी के मायने ?

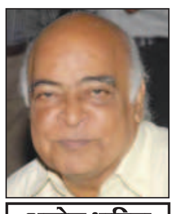

अशोक भाटिया

बिहार के मुख्यमंत्री और जनता दल यूनाइटेड नेता नीतीश कुमार कब किस पाले में जाएंगे, यह कोई कह नहीं सकता। नीतीश कुमार का राजनीतिक इतिहास बताता है कि वो पहले भी कई खेमों को बदल चुके हैं। नीतीश लंबे समय तक भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए खेमे में रहे। फिर एनडीए छोड़ राजद-कांग्रेस के साथ महागठबंधन के साथी बने। फिर किसी बात पर अनबन होने के बाद उन्हें भाजपा का दामन थाम लिया और फिर कुछ ही महीनों बाद वो भाजपा को छोड़ राजद-कांग्रेस के समर्थन से बिहार में सरकार चला रहे हैं। इस समय वो एंटी भाजपा खेमे में है लेकिन बीते कुछ दिनों से नीतीश कुमार का अंदाज बदला-बदला नजर आ रहा है जिससे बिहार के साथ-साथ केंद्र की सियासत में यह चर्चा होने लगी है कि नीतीश कुमार फिर पलटी मार सकते हैं।राजनीतिक खेमेबाजी बदलने के कारण ही नीतीश कुमार के आलोचक उन्हे 'पलटू कुमार' की उपमा दे चुके हैं। इधर कुछ दिनों से नीतीश कुमार का मेलजोल और व्यवहार बदला-बदला सा नजर आ रहा है। मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी को दो साल की कैद की सजा हो या उनकी सांसदी समाप्त किए जाने का निर्णय, इन दोनों फैसलों पर विपक्ष के तमाम नेता सरकार के खिलाफ बोलते नजर आए। लेकिन नीतीश कुमार चुप्पी की चादर ओढ़े रहे।

वैसे भी बिहार की राजनीति में कब क्या हो जाये कुछ कहा नहीं जा सकता क्योकि बिहार के जलवे ही अलग हैं। यहां के नेताओं की हर गतिविधि के पीछे कुछ न कुछ सियासी मतलब निकाला जाता है। इसलिए बिहार में राजनीति की संभावनाएं किसी भी दूसरे राज्य के मुकाबले अधिक संवेदनशील होती हैं। अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को ही ले लीजिए। वह चैती छठ महापर्व के मौके पर भाजपा के विधान पार्षद संजय मयूख के सरकारी आवास पर खरना का प्रसाद लेने पहुंचे थे। मुख्यमंत्री कुछ देर वहां रुके, बातचीत की और खरना प्रसाद खाकर वापस चले गये। इस पूरे प्रकरण में प्रत्यक्ष रूप से कोई सियासी बात दिखायी नहीं देती है, लेकिन पिछले कुछ दिनों से नीतीश कुमार के रुख में जो बदलाव देखा जा रहा है, उससे इस 'प्रसाद पॉलिटिक्स' की चर्चा भी जोर पकड़ने लगी है। अब इस बात की संभावना देखी जाने लगी है कि क्या नीतीश कुमार एक बार फिर पलटी मारने की तैयारी कर रहे हैं। यह सवाल पूरी तरह खारिज किये जाने लायक भी नहीं है, क्योंकि पहले तेजस्वी से सीबीआइ की पूछताछ और फिर राहुल गांधी प्रकरण पर नीतीश कुमार की चुप्पी ने इस संभावना को हवा दे दी है। इतना ही नहीं, रामचरित मानस विवाद और राजद विधायक सुधाकर सिंह के मुद्दे पर राजद के रुख को भी नीतीश भूल नहीं पाये हैं। ऐसे में उन्हें बिहार का नया 'मौसम वैज्ञानिक' बताया जा रहा है, जो 2024 में अपनी छिपी हुई महत्वाकांक्षा को पूरा होने का सपना देखने लगे हैं।

उगते सूरज को हर कोई नमस्कार करता है, लेकिन बिहार का छठ अकेला ऐसा पर्व है, जिसमें डूबते सूरज का महत्व उग रहे सूर्य से कम नहीं है। सूर्य उपासना का ऐसा ही एक और पर्व चैती छठ बिहार में मनाया जा रहा है और इस राज्य की सियासत की धुरी कई बार इन्हीं 'उत्सवी कूटनीति' से गति पाती आयी है। इस वक्त बिहार की राजनीति के केंद्र में हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उनके चारों तरफ अटकलों का एक नया घेरा हर दिन बनता जा रहा है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश अपना सियासी रथ जिस दिशा में हांक रहे हैं, बड़ी ही जल्दी उससे यू-टर्न लेने वाले हैं, यानी सुशासन बाबू एक बार फिर पलटी मारने की तैयारी में हैं।

इस पलटी मारने वाले कथन को बल उस समय भी मिला, जब राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता छिन गयी थी। इस मामले में हर राजनीतिक दल और राजनेता की प्रतिक्रिया आयी, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश चुप्पी साधे रहे। सवाल उठता है कि क्या मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भाजपा के साथ अपने चल रहे खट्टे-कड़वे रिश्ते को कूलिंग ऑफ पीरियड की ओर लेकर जा रहे हैं। एक बार फिर लौटते हैं, संजय मयूख के घर, जहां मुख्यमंत्री नीतीश हंसते-मुस्कुराते लोगों से मिल रहे हैं। मुख्यमंत्री नीतीश यहां अकेले नहीं गये, बल्कि बड़े दल-बल के साथ पहुंचे थे। इस मौके पर वित्त मंत्री विजय चौधरी और कई अन्य बड़े नेता भी उनके साथ थे।

इस बात की अटकलों में और तेजी उस समय से आयी है, जब मुख्यमंत्री नीतीश भाजपा नेता संजय मयूख के घर खरना का प्रसाद खाने पहुंच गये। खरना चार दिन चलने वाले चैती छठ पर्व का दूसरा दिन होता है, जिसमें व्रती महिलाएं दिन भर व्रत रख कर शाम को सूर्यदेव और छठी माता को भोग लगा कर गुड़ के रस से बनी खीर और रोटी का प्रसाद बांटती हैं और फिर खुद भी खाती हैं। खरना के प्रसाद का महत्व इसलिए है, क्योंकि यह अधिक से अधिक लोगों में बांटने की कोशिश होती है और जो भी यह प्रसाद खा लेता है, ऐसा मानते हैं कि उससे कोई बैर नहीं रहा, वह अपनी ही जमात का आदमी हुआ।खरना के बारे में इस मान्यता के बाद यह सवाल तो बनता ही है कि क्या मुख्यमंत्री नीतीश भाजपा नेता संजय मयूख के घर इसी वादे-इरादे के साथ पहुंचे थे कि वह साबित कर सकें कि वह भाजपा से अलग नहीं हैं, या फिर उन्हें अलग नहीं समझा जाये। इस पूरे आयोजन की जिस तरह की तस्वीरें आयी हैं, वे कुछ साफ-साफ तो नहीं कहतीं, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश की बॉडी लैंग्वेज को लेकर कुछ इशारा जरूर करती हैं। वह हाथ जोड़े हुए, हंसते-मुस्कुराते हुए संजय मयूख के घर पहुंचे हैं। लोगों से गर्मजोशी से मिल रहे हैं। उनका यह अंदाज अप्रैल 2022 की याद दिलाता है।

अप्रैल 2022 में बिहार में पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के आवास पर दावत-ए-इफ्तार का आयोजन किया गया था। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश बिहार से लेकर केंद्र की सत्ता तक को चौंकाते हुए इसी हाथ जोड़े हुए अंदाज में राबड़ी आवास तक पैदल गये थे। इसके ठीक दो दिन बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का बिहार दौरा था और मुख्यमंत्री नीतीश का इस दौरान राबड़ी आवास जाना बड़ा सियासी संकेत था। यह 'उत्सवी राजनीति' पूरी तरह अगस्त में खुल कर आयी, जब एक नाटकीय घटनाक्रम के तहत नीतीश ने एनडीए से दामन छुड़ा लिया और राजद का साथ लेकर महागठबंधन में शामिल हो गये। इसके साथ ही उन्होंने फिर से एक बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

इसके बाद से बिहार की सियासत में उथल-पुथल जारी है। अंदरखाने की हलचल बता रही है कि राजद-जदयू में सब कुछ ठीक नहीं है। राजद के पूर्व कृषि मंत्री सुधाकर सिंह हाथ धोकर मुख्यमंत्री नीतीश के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं। उधर, उपेंद्र कुशवाहा ने जनवरी 2023 में यह कह कर हलचल मचा दी कि मुख्यमंत्री नीतीश और राजद में कोई डील हुई है। इस डील की बाबत कहा जाता है कि नीतीश बस कुछ ही दिन मुख्यमंत्री रहेंगे, फिर कुर्सी तेजस्वी को दे देंगे। राजद की ओर से कई बार मुख्यमंत्री नीतीश को पीएम मेटेरियल बता कर बहाने से यह भी कहा गया है कि वह 2024 की समग्र तैयारी करें, बिहार के मुख्यमंत्री की कुर्सी तेजस्वी के लिए छोड़ दें। जगदानंद सिंह ने जनवरी में कहा था कि लालू यादव में वह ताकत है कि वह नीतीश कुमार को पीएम बना सकते हैं। राजद के मंत्री मृत्युंजय तिवारी भी कह चुके हैं कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बनने वाले हैं। इधर लालू परिवार के खिलाफ जांच एजेंसियों की तेजी और उन लोगों पर लग रहे आरोप से भी सुशासन बाबू का चेहरा असहज मजसूस कर रहा है। जिस तरह से सुशील मोदी लालू परिवार के खिलाफ आरोपों का पुलिंदा जारी कर रहे हैं, उससे कहीं न कहीं नीतीश की छवि को धक्का लग रहा है।

17 जनवरी के ही एक वाकये को याद करें, बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर ने अपने एक ट्वीट में लिखा, 'बुनियादी संसाधन, उचित पाठन, शिक्षित बिहार-तेजस्वी बिहार'। उनके इस ट्वीट में 'तेजस्वी' आ जाने से इसके कई मायने निकाले गये। इधर उपेंद्र कुशवाहा और भाजपा नेता भी बार-बार दोहराते रहे हैं कि नीतीश कुमार एक बार और पलटी मारेंगे। इससे पहले अक्टूबर 2022 में चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर भी दावा कर चुके हैं कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एक बार फिर पलटी मारेंगे। उन्होंने कहा था कि महागठबंधन में भाजपा और पीएम मोदी को हराने की ताकत नहीं है।

44 साल बाद जागा कानून !

मनोज कुमार अग्रवाल

चार दशक से अधिक समय तक एक अपराधी हत्या डकैती अपहरण हत्या के प्रयास जैसे एक सौ से अधिक वारदातें करता है लेकिन कानून व्यवस्था उस का बाल बांका तक नहीं कर पाती है एक सौ एक मामले दर्ज होने के बावजूद सिर्फ एक मामले में चवालिस साल के अपराधिक रिकार्ड वाले कुख्यात गैंगस्टर को उम्रकैद की सजा सुनाई जाती है।

यह इस देश की कानून व्यवस्था की हकीकत की बेहद घिनौनी व नंगी तस्वीर है। जाहिर है कि ताकतवर अपराधी को राजनीति इस्तेमाल करती है तब ऐसे अपराधी के सामने व्यवस्था कमजोर हो जाती है और कानून पंगु हो जाता है। कोई दाउद, हाजी मस्तान, वीरप्पन, अतीक या मुख्तार जन्म से पैदा नहीं होते हैं इन्हे अपराध राजनीति और दोषपूर्ण व्यवस्था के काकटेल से तैयार किया जाता है। राजनीति और अपराध का यह गठजोड़ कितना खतरनाक हो जाता है इस का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दस न्यायाधीशों ने अतीक के मामलो की सुनवाई करने में असमर्थता दर्शाते हुए खुद को अलग कर लिया था। उत्तर प्रदेश के कुख्यात डॉन माफिया अतीक अहमद को चवालिस साल बाद एक अदालत ने एक मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है।यह सजा उमेश पाल किडनैपिंग मामले में प्रयागराज की एक अदालत ने माफिया अतीक अहमद को उम्रकैद की सजा सुनाई है। 17 साल पुराने केस में अतीक के अलावा खान सौलत हनीफ और दिनेश पासी को भी उम्रकैद की सजा हुई है। इस मामले में अतीक के भाई अशरफ समेत फरहान, जावेद उर्फ बज्जू, आबिद, इसरार, आशिक उर्फ मल्ली, एजाज अख्तर को कोर्ट ने बरी कर दिया।अभी यह निचली अदालत का फैसला है इस के खिलाफ हाइकोर्ट व उसके बाद सुप्रीम कोर्ट में अपील होंगी। अपराधी इस जीवन में सजा भुगतेगा भी यह नहीं कहा जा सकता है। क्या इसी व्यवस्था पर भरोसा कर हम कानून के शासन का दम्भ भरते हैं?

आपको बता दें कि 1979 में दर्ज हुआ था, अब 44 साल बाद उसे पहली बार सजा हुई है। पहली ही सजा में उसे उम्रकैद मिली है। उस पर 101 मुकदमे दर्ज हैं, इनमें से करीब 50 केस कोर्ट में चल रहे हैं।माफिया अतीक अहमद जुल्म की दुनिया का बेताज बादशाह रहा है यही वजह है कि उसको सजा में इतना समय इसलिए लगा, क्योंकि अतीक और उसकी गैंग के खिलाफ दर्ज ज्यादातर मुकदमों में गवाह अपने बयान से मुकर जाते हैं या यूं मानिये कि जुल्म की काली दुनिया के इस किरदार का खौफ ऐसा है कि अमूमन इसके अपराध के खिलाफ लोग रिपोर्ट नहीं लिखाते लेकिन संगीन मामले में पुलिस में रिपोर्ट दर्ज करायी भी गयी तो गवाहों को उस के गुर्गे दिन-दहाड़े कत्ल कर देते हैं और बयान बदलने के लिए मजबूर कर देते हैं । इसके प्रमाण यह है कि उसके खिलाफ दर्ज 14 मुकदमों में अब तक गवाह मुकर चुके हैं। 4 मुकदमे तो राज्य सरकार ही वापस ले चुकी है। उसके खिलाफ दर्ज 12 मुकदमों में सुनवाई तक नहीं की जा सकी है। यूपी पुलिस के रिकॉर्ड के अनुसार, माफिया अतीक अहमद और उसके गैंग के खिलाफ 101 मुकदमे दर्ज हैं। अतीक पर अभी कोर्ट में 50 मामले चल रहे हैं, जिनमें रासुका , गैंगस्टर और गुंडा एक्ट के डेढ़ दर्जन से अधिक मुकदमे हैं।अतीक पर पहला मुकदमा 1979 में दर्ज हुआ था। हत्या, लूट, रंगदारी, अपहरण के न जाने कितने मुकदमे उसके खिलाफ दर्ज होते रहे। मुकदमों के साथ ही उसका राजनीति ने इस्तेमाल शुरू किया और अपराध राजनीति के गठजोड़ से उस का कद भी बढ़ता रहा।माफिया अतीक अहमद पर 1996 से अब तक दर्ज मुकदमों में से 50 मुकदमे कोर्ट में विचाराधीन हैं। मंगलवार उसके और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ के खिलाफ प्रयागराज के धूमनगंज थाना में दर्ज उमेश अपहरण कांड में फैसला आया है। वहीं, उससे जुड़े 3 मुकदमों में अभियोजन की पैरवी के चलते जल्द फैसला आने की उम्मीद है। इनका ट्रायल कोर्ट में चल रहा है।

पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन के खिलाफ 3, बेटे अली के खिलाफ 4 और उमर के खिलाफ 1 केस दर्ज है। पत्नी के खिलाफ दर्ज तीनों केस का ट्रायल स्पेशल सीजेएम कोर्ट में चल रहा है। वहीं अली अहमद के खिलाफ हत्या के प्रयास, दंगा भड़काने, धार्मिक भावनाओं से छेड़छाड़ में दर्ज केस की विवेचना की जा रही है।अली के खिलाफ आर्म्स एक्ट में दर्ज मुकदमे में चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। अली करैली में हुई हत्या के प्रयास मामले में नैनी जेल में और उमर सीबीआई द्वारा दर्ज कराए गए डकैती और किडनैपिंग केस में लखनऊ की जेल में बंद है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, अतीक के राजनीति में कदम रखते ही उसका रसूख बढ़ा। नतीजा डकैती के दौरान हत्या, एससी-एसटी एक्ट, बलवा, अवैध वसूली, गैंगस्टर एक्ट समेत गंभीर धाराओं में दर्ज चार मुकदमे साल 2001, 2003 और 2004 में पूर्ववर्ती सरकार ने वापस ले लिए।14 मामलों में गवाहों के मुकरने, साक्ष्य न जुटने के कारण अतीक को दोष मुक्त कर दिया गया। जबकि 6 मामलों में पुलिस ने जांच के बाद फाइनल रिपोर्ट लगा दी है।अब 28 मार्च को को अतीक और उसके भाई खालिद अजीम उर्फ अशरफ के खिलाफ प्रयागराज के धूमनगंज थाना में दर्ज उमेश अपहरण कांड में फैसला आया है। वहीं, उससे जुड़े 3 मुकदमों में अभियोजन की पैरवी के चलते जल्द फैसला आने की उम्मीद है। इनका ट्रायल कोर्ट में चल रहा है। बहरहाल एक अपराधी लगातार अपने गिरोह के जरिए हत्या डकैती कत्ल अपहरण फिरौती रंगदारी कब्जे जैसे संगीन अपराध करे और करता रहे वह बाकायदा चुनाव लड़े और अपने खौफ व समर्थकों के बल पर सांसद भी चुना जाता है। और इस सबके बीच ऐसा माफिया अपराधी चार दशक तक 101संगीन मामलों में आरोपी होने के बावजूद कानून से खेलता रहे यह एक लोकतांत्रिक देश के समूचे सिस्टम में मौजूद गड़बड़ को जग जाहिर करता है। 44साल बाद भी सिर्फ एक मामले में सजा सुनाना देश की पंगु लाचार व भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था के सामने लंगड़ी साबित हो रही न्याय व्यवस्था का जीता जागता सबूत है। यह कैसा सिस्टम है जिसमें 44 साल तक अपराधी संगीन जुल्म करता है लेकिन तमाम सिस्टम अदालतें उस का बाल बांका भी नही कर पाते हैं। ऐसे सिस्टम के होने या नहीं होने से क्या मतलब रह जाता है?

आखिर कौन सी व्यवस्था है जो अतीक जैसे माफिया तैयार करती है। यदि पुलिस अदालत सिस्टम ईमानदारी से अपने कर्तव्यों को अंजाम दे रहे होते तो अतीक जैसे माफिया तैयार ही नहीं होते।

जान के दुश्मन बनते आवारा कुत्ते

प्रियंका सौरभ

कुत्तों का मानव के विकास क्रम के साथ साहचर्य का एक अनूठा संबंध रहा है। यह उनके कल्याण के लिए जिम्मेदार होने की नैतिक दुविधा इंसान के सामने पैदा करता है, लेकिन इसके अपने खतरे भी हैं क्योंकि कुत्तों का विकास भेड़िये और उसकी प्रवृत्ति से जुड़ा है। भारत के लिए भले ही यह एक अबूझ पहेली हो, लेकिन बाकी दुनिया के अधिकांश हिस्सों ने आवारा जानवरों के अधिकारों को मान्यता नहीं दी है। यदि ऐसे पशुओं को पट्टे से बांध कर रखा जाता है और पंजीकृत किया जाता है, तो उसे पालने वाले उसकी देखभाल करने के लिए बाध्य माने जाते हैं। यदि ऐसा नहीं है, तब अंतिम उपाय के रूप में राज्य सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में उन्हें मार देने के लिए बाध्य है। आवारा कुत्तों को पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और अधिनियम की धारा 38 के तहत अधिनियमित नियमों, विशेष रूप से पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम, 2001 के तहत संरक्षित किया जाता है। यह किसी व्यक्ति, आरडब्ल्यूए, या संपत्ति प्रबंधन के लिए अवैध बनाता है कुत्तों को हटाना या स्थानांतरित करना। सभी आवारा कुत्तों में से केवल 15% को ही टीका लगाया गया है। भारत की आवारा आबादी बहुत बड़ी है, गोद लेने की गति बहुत धीमी और सीमित है क्योंकि बहुत से लोग केवल विदेशी नस्ल के कुत्ते ही चाहते हैं।

पशु क्रूरता निवारण अधिनियम और पशु जन्म नियंत्रण (कुत्ते) नियम, 2001 (अद्यतन किया जा रहा है) का उद्देश्य आवारा पशुओं की आबादी को सीमित करना है लेकिन सार्वजनिक सुरक्षा में सुधार में इनका कोई लाभ नहीं होता। प्रस्तावित मसौदा नियम, या पशु जन्म नियंत्रण नियम, 2022, नसबंदी और टीकाकरण में केवल प्रक्रियात्मक बदलावों को सामने रखते हैं, केवल "लाइलाज बीमार और घातक रूप से घायल" कुत्तों को ही मारने की इजाजत देते हैं, और रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशनों को अपने इलाके के में आवारा जानवरों को खिलाने का जिम्मेदार मानते हैं। पीसीए और एबीसी के नियम यह स्वीकार करते हैं कि अनियंत्रित आवारा कुत्तों को रोका जाना चाहिए, हालांकि यह समस्या की भयावहता के लिहाज से मायने नहीं रखता क्योंकि प्रत्येक 100 भारतीयों पर लगभग एक आवारा पशु है। लगभग 21,000 पर, रेबीज से होने वाली सभी मौतों में से एक तिहाई से अधिक भारत में होती है। पिछले पांच वर्षों से, 300 से अधिक लोग - ज्यादातर गरीब और ग्रामीण परिवारों के बच्चे - कुत्तों द्वारा मारे गए हैं। 2017 के एक अध्ययन से पता चला है कि ग्रामीण क्षेत्रों में बेघर कुत्ते भी वन्यजीवों के लिए विनाशकारी हो सकते हैं। 80 से अधिक प्रजातियां, जिनमें से 30 से अधिक लुप्तप्राय सूची में हैं, जंगल क्षेत्रों में कुत्तों द्वारा लक्षित की गई थीं। कुत्ते जो अकेले बाहर हैं वे सड़क पर दौड़ते समय दुर्घटना का कारण बन सकते हैं, जिससे उन्हें और अन्य लोगों को चोट भी लग सकती है।

आवारा कुत्ते कचरा बैग खोलने का आनंद लेते हैं और वे कचरे को बिखरेने का कारन हो सकते हैं और पर्यावरण और सड़क के चारों ओर बिखरा हुआ कचरा दूर दूर तक फैला सकते हैं। आवारा कुत्ते भोजन के लिए पड़ोस को मैला करेंगे और खुले कचरे के डिब्बे तोड़ सकते हैं और बगीचों को नुकसान कर सकते हैं। जो लोग आवारा कुत्तों को खाना खिलाते हैं, उन्हें उनके टीकाकरण के लिए जिम्मेदार बनाया जा सकता है और अगर किसी पर जानवर का हमला होता है तो वह लागत वहन कर सकता है। प्रत्येक रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन को पुलिस डॉग स्क्वायड के परामर्श से ₹गार्ड एंड डॉग पार्टनरशिप₹ बनाना चाहिए। ताकि कुत्तों को प्रशिक्षित किया जा सके और फिर भी वे कॉलोनी के निवासियों के अनुकूल हों। नगर निगम, निवासी कल्याण संघ और स्थानीय कुत्ते समूहों को पशुओं का टीकाकरण और बंध्याकरण करना चाहिए। बीमार जानवरों, आक्रामक जानवरों को मौत के घाट उतारना होगा। एकमात्र दीर्घकालिक समाधान सख्त पालतू स्वामित्व कानूनों को लागू करना है, लोगों को हर जगह लापरवाही से कुत्तों को खाना खिलाना प्रतिबंधित करना और घरेलू कुत्तों के लिए सुविधाएं स्थापित करना है।

अधिक स्टाफ और फंड की सख्त जरूरत है। नसबंदी के अलावा गोद लेने पर भी ध्यान देना चाहिए। और हमें इस संकट को मानवीय रूप से हल करने में मदद करने के लिए कुछ करुणा ढूंढनी चाहिए।

मूत्र विसर्जन का पावन दृश्य

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

"मैं दर्शकों को बताना चाहूँगा कि हमारे सामने एक बड़ी ब्रेकिंग न्यूज़ आ रही है। न्यूज ऐसी वैसी भी नहीं एकदम खास आदमी की है, जिसकी एक झलक पाने के लिए देश का मीडिया उसके पीछे पड़ा है लेकिन वह किसी के हाथ नहीं आ रहा है। मैं बताना चाहूँगा कि हमारे संवाददाता माइकघुसिया कुमार जीरो ग्राउंड लेवल की रिपोर्टिंग करते हुए हमारे लिए एक से बढ़कर एक खबर हम तक पहुँचा रहे हैं। चलिए उन्हीं से पता लगाते हैं कि वे क्या ब्रेकिंग न्यूज़ बताने वाले हैं।" नीचे चड्डी और ऊपर से एक ऐसा कोट, जिसे पिछले एक महीने से धोया नहीं गया है, को पहने हुए स्टूडियो के न्यूज एंकर ने चिल्लाते हुए कहा।

माइकघुसिया कुमार अपना माइक संभालते हुए आँखें फाड़-फाड़कर कहने लगे, "चिपकु कुमार जी धन्यवाद! जैसा कि आप देख सकते हैं कि मैं एक ऐसी जगह पर खड़ा हूँ जहाँ एक खास व्यक्ति के दर्शन होने वाले हैं। मैं आपको और अपने दर्शकों को बता दूँ कि यह दृश्य एकदम एक्सक्लूसिव है। इसे हमने अपनी जान को जोखिम में डालकर बड़ी मुश्किल से शूट किया है। आप ठीक मेरे पीछे देख सकते हैं कि एक बंदा मूत्र विसर्जन करते हुए दिखाई दे रहा है। उसके चारों ओर पुलिस वालों का जत्था खड़ा है। यह कोई ऐसा वैसा मूत्र विसर्जन नहीं है। मैं बड़े दिनों से उस बंदे की तलाश में था। इसके लिए मैंने दिन-रात एक कर दी। तब कहीं जाकर मुझे उसके दीदार हुए हैं। वह भी दूर से। उसमें भी केवल उसका मूत्र विसर्जन का दृश्य। यह कोई सामान्य मूत्र नहीं है। यह बहुत खास है।"

चिपकु कुमार माइकघुसिया कुमार को बीच में टोकते हुए, "यह सब तो ठीक है, लेकिन यह मूत्र किस महाशय का है, जिसके चलते देशभर में उत्सुकता बढ़ गयी है। जनता जानना चाहती है कि इस मूत्र विसर्जन दृश्य का हमारे देश के विकास से क्या लेना देना है?"माइकघुसिया कुमार, "यह मूत्र उस बंदे का है जिसकी तलाश डॉन फिल्म की तर्ज पर ग्यारह मुल्कों की पुलिस कर रही थी। लेकिन हम पुलिस वालों से तेज हैं। हमारा चैनल 'सोच से आगे' दिन-रात इस बंदे के पीछे लगा रहा।

रामनवमी पर विशेष

रामनवमी पर बन रहे तीन शुभ योग

रामनवमी मुहूर्त

हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि की शुरुआत 29 मार्च 2023 को रात 09 बजकर 07 मिनट पर हो रही है। वहीं अगले दिन 30 मार्च 2023 को रात 11 बजकर 30 मिनट पर समाप्त हो रही है। उदया तिथि 30 मार्च प्राप्त हो रही है, इसलिए रामनवमी भी इसी दिन मनाई जाएगी। इस दिन रामनवमी पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 11 मिनट से दोपहर 01 बजकर 20 मिनट तक है।

चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम का जन्म हुआ था। तब से इस तिथि को भगवान राम के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसे रामनवमी भी कहा जाता है। इस साल रामनवमी 30 मार्च 2023 को है। प्रभु श्री राम भगवान विष्णु के सातवें अवतार माने जाते हैं। कहा जाता है कि त्रेता युग में उन्होंने धर्म की पुनर्स्थापना के लिए अवतार लिया था। रामनवमी के दिन भगवान राम की पूजा और आराधना करने से विशेष फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन देशभर के राम मंदिरों में प्रभु श्रीराम की पूजा अर्चना की जाती है और राम जन्मोत्सव मनाया जाता है।

रामनवमी के दिन बन रहे शुभ योग

इस बार की रामनवमी बेहद खास है, क्योंकि इस दिन तीन शुभ योग बन रहे हैं। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और गुरु पुष्य योग बन रहे हैं।

रामनवमी पूजा विधि

रामनवमी के दिन ब्रह्म मुहूर्त में स्नान आदि से निवृत्त होकर व्रत का संकल्प लें और प्रभु श्री राम के बालरूप की पूजा करें।
इस दिन रामलला को झूले में विराजमान करके, झुले को सजाया जाता है और दिन में 12 बजे के आस-पास उनकी पूजा की जाती है।
तांबे के कलश में आम के पत्ते, नारियल, पान आदि रखकर चावल का ढेर पर कलश स्थापित करते हैं और उस के आसपास चौमुखी दीपक जलाते हैं।
फिर श्री राम को खीर, फल, मिष्ठान, पंचामृत, कमल, तुलसी और फूल माला अर्पित करते हैं।
नैवेद्य अर्पित करने के बाद विष्णु सहस्रनाम का पाठ करते हैं।

रामनवमी के दिन इन बातों का रखें ध्यान

भगवान गणेश प्रथम पूज्य देव माने जाते हैं, इसलिए सबसे पहले भगवान श्री गणेश की पूजा करनी चाहिए।
पूजा के दौरान ध्यान रखें कि जो दीपक आप जला रहे हैं, उसे खुद से न बुझाएं। रामनवमी के दिन पूजा घर के ईशान कोण में ही करना चाहिए।

राम नवमी पर इन 3 राशियों की चमक उठेगी किस्मत

30 मार्च 2023 को राम नवमी का त्योहार मनाया जाएगा। हर साल चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर राम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। ये चैत्र नवरात्रि का आखिरी दिन होता है। इस दिन भगवान राम के साथ मां दुर्गा की नौवीं शक्ति देवी सिद्धिदात्री की पूजा होती है। हिंदू धर्म में राम नवमी के पर्व का विशेष महत्व है। इस साल राम नवमी पर अत्यंत दुर्लभ योग का निर्माण हो रहा है। जो कई राशियों के लिए लकी साबित होगा। इन शुभ योग के संयोग से तीन राशियों के धन, व्यापार, नौकरी और भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। श्रीराम और बजरंगबली की इन पर कृपा बरसेगी।

राम नवमी 2023 शुभ योग का संयोग

वाल्मीकि के अनुसार श्रीराम का जन्म कर्क लग्न, अभिजीत मुहूर्त, सूर्य, मंगल, गुरु, शुक्र और शनि ग्रह के विशेष योग में हुआ था। इस साल राम नवमी पर सूर्य, बुध और गुरु मीन राशि में, शनि कुंभ में, शुक्र और राहु मेष राशि में विराजमान हैं। इस दौरान मालव्य, केदार, हंस और महाभाग्य जैसे योग बनेंगे। साथ ही सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि, गुरु पुष्य योग और रवि योग का संयोग बन रहा है।

वृषभ राशि - वृषभ राशि वालों के लिए राम नवमी का त्योहार कई शुभ सौगातें लेकर आ रहा है। इन शुभ योग के संयोग से आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। धन को लेकर रुके काम संपन्न होंगे। कार्यस्थल पर आपको अधिकारियों का साथ मिलेगा, नई जिम्मेदारी मिल सकती है। निवेश के लिए बहुत अच्छा समय है। व्यापार में नई साझेदारी के योग बन रहे हैं।

तुला राशि - तुला राशि वालों पर हनुमान जी और श्रीराम की विशेष कृपा बरसेगी। आर्थिक मोर्चे पर आपको लाभ होगा। आय में वृद्धि के प्रबल योग हैं। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, इससे लक्ष्य को पूरा करने में मदद मिलेगी। मान-सम्मान में बढ़ोत्तरी होगी। परिवार का साथ मिलेगा। भगवान राम के आशीर्वाद से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति आएगी।

सिंह राशि - सिंह राशि वालों के लिए राम नवमी का त्योहार लकी साबित होगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। आय के नए स्रोत खुलेंगे। लंबे समय से नौकरी में चल रही परेशानियां खत्म होंगी।

रामनवमी की पौराणिक कथा

यदि हम पौराणिक कथाओं की मानें तो भगवान श्री राम जी का जन्म अयोध्या में राज महल में हुआ था। भगवान श्री राम के पिताजी का नाम महाराजा दशरथ था, राजा दशरथ के तीन पत्नियां थी। महाराजा दशरथ के किसी भी पत्नी को किसी भी संतान की प्राप्ति नहीं हो रही थी, जिसके कारण महाराज बहुत ही दुखी और परेशान रहते थे।

अपनी ऐसी समस्या को लेकर के महाराज दशरथ महर्षि वशिष्ठ के पास पहुंचे।महर्षि वशिष्ठ के पास जाकर के उन्होंने महर्षि वशिष्ठ को अपना संपूर्ण दुख बताया। इसके पश्चात महर्षि वशिष्ठ ने यज्ञ करने के लिए कहा, महाराजा दशरथ ने ठीक वैसा ही किया। ऐसा कहा जाता है कि यज्ञ समाप्त होने के पश्चात महर्षि ने उन्हें खीर प्रदान की और महर्षि वशिष्ठ ने कहा कि आप अपनी तीनों रानियों को इस खीर को खिला दीजिएगा।

महाराजा दशरथ ने अपनी पत्नियों को यह खीर खिलाई और देखते ही देखते 9 महीने बाद महाराजा दशरथ की सबसे बड़ी पत्नी कौशल्या को एक बहुत ही तेजस्वी पुत्र की प्राप्ति हुई। महाराजा दशरथ का यह पुत्र कोई और नहीं बल्कि भगवान श्रीराम ही थे। उसके बाद रानी कैकई ने भरत को जन्म दिया, भरत अपने भाई श्री राम के प्रति बहुत ही संवेदनशील थे और अपने भाई से बहुत ही प्रेम करते थे।

राजा दशरथ की सबसे छोटी पत्नी रानी सुमित्रा को दो जुड़वा बच्चे ने जन्म लिया था, उनके एक पुत्र का नाम लक्ष्मण और दूसरे पुत्र का नाम शत्रुघ्न था। लक्ष्मण के विषय में कौन नहीं जानता, भगवान श्री राम के सबसे प्रिय भाई लक्ष्मण ही थे। ऐसा कहा जाता है कि जिस दिन भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था, उसी दिन को लोग रामनवमी के उपलक्ष में मनाते हैं।भगवान श्रीराम का जन्म पृथ्वी पर दानवों का नाश करने के लिए हुआ था और इसके साथ-साथ भगवान श्री राम जी का जन्म पृथ्वी पर धर्म की स्थापना करने के लिए भी हुआ था। भगवान श्री राम भगवान श्री हरि विष्णु के सातवें अवतार थे। शास्त्रों के अनुसार भगवान राम ने विष्णु के 7 अवतार के रूप में राजा दशरथ के घर जन्म लिया था।

भगवान श्रीराम को राजा दशरथ और महारानी कैकेई, कौशल्या और सुमित्रा तीनों ही बहुत प्रेम करते थे। परंतु किसी कारणवश इनकी माता कैकई ने इन्हें वनवास दे दिया था। भगवान श्रीराम का जन्म त्रेता युग में कौशल्या माता के कोख से मृत्यु लोक में हुआ था। मृत्यु लोक वही है, जिसे हम पृथ्वी कहते हैं। इस पृथ्वी को मृत्यु लोग कहने का यह तात्पर्य है कि इस पृथ्वी पर जो कोई भी जन्म लेता है, उसकी मृत्यु निश्चित होती है। भगवान श्री कृष्ण जी का जन्म रावण के अत्याचारों को खत्म करने के लिए हुआ था, इसके साथ-साथ भगवान रामचंद्र का जन्म दुष्टों का संहार करके पुनर धर्म स्थापना करना था।

भगवान श्री रामचंद्र जी ने चैत्र मास की नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र में कर्क लग्न के समय जन्म लिया था। भगवान श्री रामचंद्र जी ने लंका पर विजय हासिल की थी और दानवों का वध कर दिया था। आपको बता दें कि भगवान श्री राम जी को पुरुषोत्तम के नाम से भी जाना जाता है।

भगवान श्री राम जी को पुरुषोत्तम इसीलिए कहा जाता है क्योंकि भगवान श्री राम जी पुरुषों में सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति थे। इसके साथ-साथ भगवान श्री रामचंद्र जी को आदर्श पुरुष के रूप में भी जाना जाता है और भगवान श्री राम के द्वारा बहुत से लोगों को सदमार्ग का दर्शन भी कराया गया था।

भगवान राम और माता सीता का विवाह

यह तो हम सब जानते होंगे कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम और माता सीता ने चौदह वर्ष का वनवास किया था। माता सीता एक राजकुमारी थी लेकिन उनके पति को वनवास मिलने पर वो भगवान राम के साथ 14 वर्ष का वनवास करने के लिए तैयार हो गई थी और उनका रावण द्वारा हरण करने पर श्रीराम ने लंका पर आक्रमण कर दिया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भगवान राम और माता सीता की विवाह के समय आयु क्या थी, गोस्वामी तुलसीदास द्वारा लिखी गई रामचरित मानस में एक दोहा है जहां वर्णन किया गया है कि।

'वर्ष अठारह की सिया, सत्ताइस के राम।
कीन्हों मन अभिलाष तब, करनो है सुर काम।।'

वाल्मीकी रामायण के अनुसार राजा दशरथ की तीन पत्नियां कौशल्या, सुमित्रा और कैकेयी के अलावा उनकी 300 पत्नियां थी। और उन्हें को साठ हजार साल की में संतान की प्राप्ति हुई थी। बताया जाता है कि माता सीता और भगवान राम के विवाह के समय रामजी की आयु सिर्फ 14 साल थी, जबकि सीताजी की सिर्फ 6 साल की थीं। विवाह के बाद 12 वर्षों के तक अयोध्या में रहे।

इसके बाद माता कैकेया के वचन के अनुसार उन्हें 14 वर्षों का वनवास भोगने के लिए वन जाना पड़ा। उस समय माता सीताजी 18, राम जी 26 साल के हो गए थे। जब वे वनवास से लौटे तो सीता की आयु 32 और रामजी की उम्र 40 हो गई थी। मान्यता है कि हिंदू पंचांग के अनुसार मार्गशीर्ष मास के शुक्लपक्ष की पंचमी तिथि को भगवान राम और माता सीता का विवाह हुआ था। इस दिन पूरे विधिविधान से पूजा करने से वैवाहिक जीवन सुखमय होता है।

गोस्वामी तुलसीदास के अनुसार भगवान राम और माता सीता के बीच 9 साल का अंतर था, वहीं वाल्मीकी रामायण में वर्णन किया गया है कि भगवान राम और उनकी पत्नी सीता माता के बीच सात साल और एक महीने का अंतर है। माना जाता है कि जब भगवान राम सात वर्ष के थे तब एक महीने बाद माता सीता जी प्राकट्य हुआ था।

प्रियंका ने शादी के पहले एग्स फ्रीज कराए थे

बोलीं- 35 साल के बाद मां बनने में होती है दिक्कत; महिलाओं को दी एग्स फ्रीज कराने की सलाह

प्रियंका चोपड़ा ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में अपनी लाइफ से जुड़ी कुछ अनकही बातों से पर्दा उठाया है। प्रियंका ने कहा है कि अपनी मां के कहने पर उन्होंने 30 साल की उम्र में ही अपने एग्स फ्रीज करा दिए थे। प्रियंका की मां मधु चोपड़ा एक गायनेकोलॉजिस्ट हैं, उनका मानना है कि 35 साल के बाद महिलाओं को मां बनने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। इसी वजह से प्रियंका ने पूरी मेडिकल प्रोसेस के जरिए अपने एग्स को काफी पहले ही फ्रीज करा दिया। अपनी शादी के 4 साल बाद यानी 2022 में प्रियंका ने बेटी मालती को सरोगेसी के जरिए जन्म दिया।

मुझे बच्चे पसंद हैं, हमेशा से चाहत थी कि मां बनूं

प्रियंका चोपड़ा ने डैक्स शेफर्ड को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में कहा है कि उन्हें हमेशा से बच्चे चाहिए थे। उन्होंने कहा, 'मुझे हमेशा से बच्चे काफी पसंद थे। मेरी ये चाहत थी कि मैं मां बनूं क्योंकि बच्चों से मेरा गहरा लगाव है। मैंने यूनिसेफ में भी बच्चों के साथ काफी वक्त गुजारा है। मेरी मां एक पेशेवर गायनेकोलॉजिस्ट हैं, उन्होंने मुझे सलाह दी कि महिलाओं की उम्र बढ़ने पर उन्हें मां बनने में समस्या आ सकती है।'

एग्स फ्रीज कराने के बाद फ्रीडम महसूस हुई- प्रियंका

प्रियंका ने आगे कहा, 'जब मैंने एग्स फ्रीज कराया, उस वक्त तक मेरी शादी भी नहीं हुई थी। मैं निक को डेट भी नहीं कर रही थी। एग्स फ्रिज करवाने के बाद मुझे काफी फ्रीडम महसूस हुआ क्योंकि कहीं न कहीं मुझे करियर में अभी बहुत कुछ हासिल करना था। प्रियंका का कहना है कि जो महिलाएं काम करती हैं उन्हें इस विषय में जरूर सोचना चाहिए। प्रियंका ने कामकाजी महिलाओं को सलाह दी कि उन्हें पैसे बचाकर एग्स को फ्रीज कराने के बारे में जरूर सोचना चाहिए। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। फ्रीज कराए एग्स की उम्र हमेशा वही होती है।

2022 में सरोगेसी से मां बनी थी प्रियंका

प्रियंका ने 2018 में अमेरिकी सिंगर निक जोनास से शादी की थी। शादी राजस्थान के उदयपुर के उम्मेद पैलेस में हुई थी। शादी के बाद प्रियंका ने 2022 में सरोगेसी से बेटी मालती को जन्म दिया। प्रियंका ने मां बनने के लिए सरोगेसी का रास्ता इसलिए चुना क्योंकि उन्हें कुछ मेडिकल संबंधी समस्या थी। प्रियंका आए दिन अपनी बेटी के साथ सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर किया करती हैं।

'सांवली दिखने पर लाइट और मेकअप के जरिए गोरा कर देते थे'

प्रियंका ने इस इंटरव्यू में और भी काफी चीजों पर बात की। उन्होंने कहा कि बॉलीवुड के उनके शुरुआती समय में उन्हें सांवली समझा जाता था। फिल्मों में उन्हें गोरा दिखाने के लिए क्रीम वगैरह का इस्तेमाल होता था। उन्होंने कहा, 'फिल्मों में कास्टिंग के दौरान गोरे लोगों को फायदा होता है। मुझे कई फिल्मों में गोरा दिखाने के लिए मेकअप और लाइटिंग का प्रयोग किया जाता था।

2000 के समय में मैं एक ब्यूटी क्रीम का एड कर रही थी। उस एड में दिखाया जाता है कि सांवली होने की वजह से एक लड़का मुझे रिजेक्ट कर देता है। बाद में मैं उस ब्यूटी क्रीम का यूज करने लगती हूं और उसके बाद गोरी हो जाती हूं और सब कुछ सही हो जाता है। मतलब ये कितनी बकवास बातें लगती हैं। उसके बाद से ही मैंने ब्यूटी क्रीम के एड करने बंद कर दिए।'

'भारत आने के बाद निक अपने बोलचाल में करते हैं बदलाव'

प्रियंका ने अपने पति के निक जोनस के बारे में कुछ दिलचस्प बातें कहीं। उन्होंने कहा कि जब निक इंडिया आते हैं तो अपने बोलचाल के लहजे में थोड़ा बदलाव करते हैं। वो चाहते हैं कि उनकी बातों को ज्यादा से ज्यादा लोग समझ सकें। वो हर इंसान से उसी लहजे में बात करना चाहते हैं जो सामने वाले के लिए सुविधाजनक हो।

ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में शहनाज गिल ने कराया फोटोशूट

वीडियो देख यूजर्स बोले- ये तो दीपिका पादुकोण के ऑस्कर लुक की कॉपी है

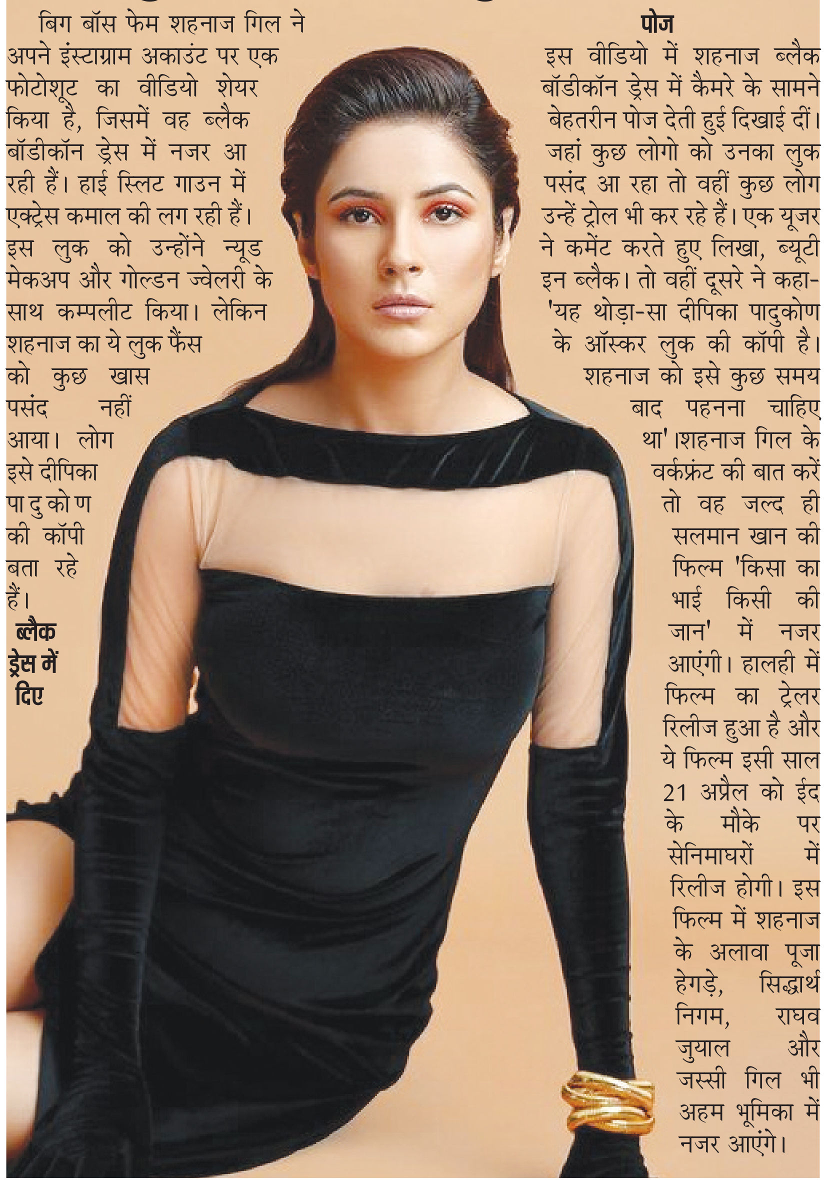

बिग बॉस फेम शहनाज गिल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक फोटोशूट का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में नजर आ रही हैं। हाई स्लिट गाउन में एक्ट्रेस कमाल की लग रही हैं। इस लुक को उन्होंने न्यूड मेकअप और गोल्डन ज्वेलरी के साथ कम्पलीट किया। लेकिन शहनाज का ये लुक फैंस को कुछ खास पसंद नहीं आया। लोग इसे दीपिका पादुकोण की कॉपी बता रहे हैं।

ब्लैक ड्रेस में दिए पोज

इस वीडियो में शहनाज ब्लैक बॉडीकॉन ड्रेस में कैमरे के सामने बेहतरीन पोज देती हुई दिखाई दीं। जहां कुछ लोगो को उनका लुक पसंद आ रहा तो वहीं कुछ लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, ब्यूटी इन ब्लैक। तो वहीं दूसरे ने कहा- 'यह थोड़ा-सा दीपिका पादुकोण के ऑस्कर लुक की कॉपी है। शहनाज को इसे कुछ समय बाद पहनना चाहिए था'।शहनाज गिल के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही सलमान खान की फिल्म 'किसा का भाई किसी की जान' में नजर आएंगी। हालही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ है और ये फिल्म इसी साल 21 अप्रैल को ईद के मौके पर सेनिमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में शहनाज के अलावा पूजा हेगड़े, सिद्धार्थ निगम, राघव जुयाल और जस्सी गिल भी अहम भूमिका में नजर आएंगे।

शाहरुख की बेटी के साथ दिखे बिग बी के नाती

अगस्त्य नंदा ने दोस्त की पार्टी में सुहाना को कार तक किया ड्रॉप, फ्लाइंग किस देकर कहा बाय

शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान बीती रात अपनी दोस्त तानिया श्रॉफ की बर्थडे पार्टी में पहुंची, जहां अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा, सुहाना को फ्लाइंग किस देते दिख रहे हैं। इस वीडियो को देखकर दोनों की अफेयर की खबरों ने जोर पकड़ लिया है। बता दें, तानिया श्रॉफ सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी की गर्लफ्रेंड हैं।

अगत्स्य ने सुहाना को गाड़ी तक छोड़ा

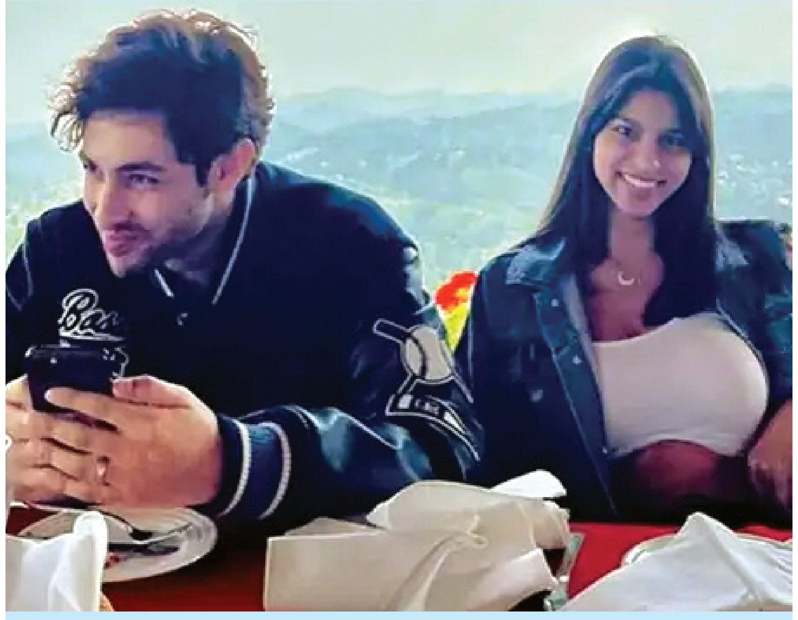

सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में अगस्त्य, सुहाना खान को कार तक छोड़ने आए। वह सुहाना को ड्रॉप करते वक्त फ्लाइंग किस भी देते हैं। बता दे, दोनों जल्दी ही एक साथ बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहे हैं। अगस्त्य और सुहाना जोया अख्तर की फिल्म 'द आर्चिज' में साथ नजर आएंगे।

पहले भी डेटिंग की उड़ी थी अफवाहें

सुहाना और अगस्त्य पहले भी कई बार रिलेशनशिप की खबरों को लेकर सुर्खियां बटोर चुके हैं।

रिपोर्ट्स की माने तो दोनों फिल्म 'द आर्चिज' के बाद एक दूसरे के करीब आए। दोनों साथ में काफी वक्त बिताते थे। लेकिन अब तक इन खबरों पर कोई ऑफिशियल पुष्टि नहीं हुई है।

तानिया श्रॉफ के बर्थडे में पहुंचे स्टार किड्स

इस बर्थडे पार्टी में कई सेलेब्स के बच्चों ने शिरकत की थी। आर्यन खान,अर्जुन रामपाल की बेटी से लेकर शनाया कपूर तक कई स्टारकिड्स दिखाई दिए। पार्टी के जुड़े कई वीडियो और फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

ऋतिक और सुजैन के बेटे रेहान के बर्थडे पर सुजैन खान ने कहा-तुम मेरी लाइफ की सबसे ब्राइट लाइट हो!

ऋतिक रोशन और सुजैन खान का बेटा रेहान रोशन 17 साल के हो गए हैं। रेहान ने 28 मार्च को अपना जन्मदिन मनाया। इस मौके पर सुजैन खान ने सोशल मीडिया पर बेटे रेहान को पोस्ट शेयर कर बर्थडे विश किया।

सुजैन ने शेयर की थ्रोबैक फोटोज

इस वीडियो में सुजैन बेबी रेहान को गाल पर किस करते और उन्हें गले लगाते नजर आ रही हैं। इसके अलावा सुजैन ने अपने छोटे बेटे हृदान रोशन के साथ भी कुछ फोटो शेयर कीं।

हैप्पी बर्थडे रे- सुजैन खान

सुजैन खान ने पुरानी फोटो और वीडियो के साथ पोस्ट शेयर किया और लिखा- मेरी लाइफ की सबसे ब्राइट लाइट रे को हैप्पी बर्थडे! मुझे पता है कि ईश्वर मुझसे बहुत प्यार करते हैं क्योंकि उन्होंने मुझे बेटे के तौर पर तुम्हें दिया। मुझे तुम पर बहुत गर्व है। #17इयर्सस्ट्रोंग #रेमाईहार्ट

पोस्ट पर सेलिब्रिटीज ने दी बधाई

प्रिटी जिंटा ने इस पोस्ट पर कमेंट कर लिखा- हैप्पी बर्थडे माई डार्लिंग! अभिषेक बच्चन ने भी इस पोस्ट पर रेड हार्ट पोस्ट किया। वहीं, सुजैन के भाई जायद खान ने लिखा- हैप्पी हैप्पी बर्थडे माई डार्लिंग बिग बॉय रेहान! तुम 17 साल के हो गए। हम सभी को तुम पर बहुत गर्व है रॉकस्टार! इसके अलावा करिश्मा कपूर ने लिखा- अपना दिन एंजॉय करो! हैप्पी बर्थडे बिग बॉय!

रेहान रोशन ऋतिक और सुजैन के बड़े बेटे हैं। दोनों ने साल 2000 में बेंगलुरु में शादी की थी। सुजैन ने 2006 में रेहान को जन्म दिया। छोटे बेटे हृदान का जन्म 2008 में हुआ। 2013 में सुजैन और ऋतिक रोशन अलग हो गए थे। फिलहाल, ऋतिक एक्टर सबा आजाद को डेट कर रहे हैं।

रश्मिका मंदाना को पैपराजी ने दिया सरप्राइज मुंबई एयरपोर्ट पर कटवाया बर्थडे केक

रश्मिका मंदाना का 5 अप्रैल को बर्थडे है। हाल ही में उन्हें एक्टर बेलमकोंडा साई श्रीनिवास के साथ मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। इस वीडियो में रश्मिका पैपराजी के साथ केक काटती हुई नजर आईं। इस दौरान वह काफी सिंपल लुक में नजर आईं। एक्ट्रेस ने ग्रीन कलर की ड्रेस पहनी हुई है जिसमें वह काफी क्यूट लग रही हैं।

वीडियो में रश्मिका काफी खुश नजर आ रही हैं। उन्होंने बड़े ही प्यार से केक काटकर पैपराजी को भी खिलाया। वीडियो सामने आते ही फैंस रश्मिका के इस स्वीट जेस्चर की खूब तारीफ कर रहे हैं और साथ ही उन्हें बर्थडे की एडवांस में बधाई भी दे रहे हैं।

रश्मिका का वर्क फ्रंट

एक्ट्रेस के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'मिशन मजनू' में नजर आई थीं। और अब जल्द ही रश्मिका अल्लू अर्जुन के साथ 'पुष्पाः द रूल' में दिखेंगी। इसके अलावा रश्मिका रणबीर कपूर के साथ 'एनिमल' में भी नजर आएंगी ।

पाकिस्तानी एक्टर ने उड़ाया फिल्म पठान का मजाक

बोले- शाहरुख खान की पठान स्टोरीलेस वीडियो गेम से ज्यादा कुछ नहीं

शाहरुख खान और दीपिक पादुकोण स्टारर फिल्म पठान इन दिनों ओटीटी पर धमाल मचा रही है। हाल ही में किंग खान के एक फैन ने उनका सैंड पोस्टर बनाया था, जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। वहीं अब एक पाकिस्तानी एक्टर यासिर हुसैन ने पठान का मजाक बनाया है। यासिर ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा- आपने इम्पॉसिबल 1 भी देखी होगी तो शाहरुख खान की पठान आपको स्टोरीलेस वीडियो गेम से ज्यादा कुछ नहीं लगेगी। शख्स के इस पोस्ट को देखने के बाद किंग खान के फैंस नाखुश नजर आ रहे हैं। अब तक हिंदी फिल्मों में पठान ने बॉक्स ऑफिस पर सबसे ज्यादा कमाई की है। पठान का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1049 करोड़ है जबकि फिल्म ने भारत में 657 करोड़ की कमाई की है। फिल्म 'पठान' वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की चौथी फिल्म है। इससे पहले इस स्पाई इनस्टॉलमेंट में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ की फिल्म 'वॉर', सलमान खान की 'एक था टाइगर' और 'टाइगर जिंदा है' रिलीज हो चुकी है। पठान के बाद 'टाइगर 3' और 'वॉर 2' भी शेड्यूल में है।

शो में माधुरी दीक्षित के अपमान पर भड़कीं जया बच्चन

बिग बैंग थ्योरी के एक्टर को कहा पागल, बोलीं- इनकी जुबान बड़ी गंदी है

नेटफ्लिक्स के फेमस शो 'द बिग बैंग थ्योरी' के दूसरे सीजन के पहले एपिसोड में माधुरी दीक्षित को प्रोस्टिट्यूट गया है। अब इस भद्दी टिप्पणी पर एक्ट्रेस और पॉलिटिशियन जया बच्चन ने रिएक्ट किया है। उन्होंने शो में राज का किरदार निभा रहे कुणाल नय्यर को पागल कहा और उन पर गुस्सा निकाला है। टीवी पर शो का यह सीजन 2008 में दिखाया गया था, जिसे लेकर 15 साल बाद अब राइटर और पॉलिटिकल एनालिस्ट मिथुन विजय कुमार नाम के शख्स ने OTT प्लेटफॉर्म को लीगल नोटिस भी भेजा है।

ऐश्वर्या और माधुरी के बीच की गई थी तुलना

दरअसल, द बिग बैंग थ्योरी के सीन में जिम पार्सन्स का किरदार ऐश्वर्या राय बच्चन और माधुरी दीक्षित की तुलना करता है। वह कहता है कि क्या ये ऐश्वर्या राय बच्चन हैं? मुझे लगता है कि ये गरीबों की माधुरी दीक्षित हैं। ये सुनकर कुणाल नय्यर यानी राज का किरदार नाराज हो जाता है। वो कहता है कि ऐश्वर्या तो देवी हैं, उनकी तुलना में माधुरी लेप्रोसी प्रॉस्टिट्यूट है।' बता दें कि लेप्रोसी मतलब कोढ़(बीमारी) से जूझ रही वैश्या होता है।

ये लड़का कोई छोटा बच्चा है क्या- जया बच्चन

जया ने कहा- क्या ये लड़का कोई छोटा बच्चा है (कुणाल नय्यर) पागल है क्या? बड़ी गंदी जुबान है। इस आदमी को पागलखाने भेज देना चाहिए, इसके परिवार से पूछना चाहिए कि वो इस आदमी के भद्दे कमेंट को लेकर क्या सोचते हैं?'

उर्मिला मातोंडकर ने भी इस कमेंट पर नाराजगी जताई और कहा- मैंने यह शो नहीं देखा है, लेकिन ऐसे आपत्तिजनक शब्द का इस्तेमाल हुआ है, तो ये दर्शाता है कि लोगों कि मानसिकता कितनी ज्यादा गंदी है। उसे क्या लगता है कि ये मजाक अच्छा लगता है?

शो का एपिसोड को हटाने की मांग की गई

राइटर और राजनीतिक विश्लेषक मिथुन विजय कुमार ने स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को नोटिस भेजा है। नोटिस में मिथुन विजय ने कहा- शो के किरदार राज का कमेंट सिर्फ अपत्तिजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी है। इस तरह का कंटेंट समाज पर निगेटिव प्रभाव डालता है और महिलाओं के प्रति बुरी भावना को बढ़ावा देता है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।' नोटिस में मिथुन ने मांग की है कि नेटफ्लिक्स अपने शो से इस एपिसोड को तुरंत हटा दे, नहीं तो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देने के लिए कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

केक और सैंडल में कन्फ्यूज हुईं करीना कपूर : चप्पल के डिजाइन वाला काटा केक, वीडियो देख फैंस हुए नाराज

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर हाल ही में मुंबई के एक शू शॉप का प्रमोशन करने पहुंची थीं। इसी इवेंट से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें करीना चप्पल और केक में कन्फ्यूज होते हुए नजर आ रही हैं। वीडियो में एक केक काटती दिख रही हैं जो सैंडल वाले डिजाइन में दिख रहा है। जिसके बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें ट्रोल कर रहे हैं।

करीना ने काटा शू-शेप वाला केक

इस वीडियो में करीना के सामने एक चप्पल रखी हुई है और बिल्कुल सेम टू सेम चप्पल के डिजाइन का केक भी है। एक्ट्रेस पहचान तो लेती हैं कि कौन सा रियल चप्पल है और कौन सा केक है। इसके बाद वह केक काटती हैं। इस दौरान उन्होंने कहा 'मुझे इसे खाने में डर लग रहा है'।

वीडियो देख भड़के यूजर्स

इस वीडियो के सामने आते ही सोशल मीडिया पर यूजर्स करीना को उनके इस वीडियो के लिए काफी ट्रोल कर रहे हैं। एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, 'केक के पास सैंडल कौन रखता है, ये कितना अनहाइजीनिक है'। तो वहीं दूसरे ने लिखा- मुझे ये पसंद नहीं, अन्न अन्न-पूर्णा होती है, इसका अपमान नहीं होना चाहिए'।

करीना के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स

करीना कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में देखा गया था। हालाँकि इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुछ कमाई नहीं की थी। लेकिन अब करीना जल्द ही रिया कपूर की फिल्म 'द क्रू' में तब्बू और कृति सेनन के साथ नजर आएंगी। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक करीना 'द डिवोशन ऑफ सस्पेक्ट एक्स' पर बेस्ड सुजॉय घोष की अपकमिंग फिल्म में दिखाई देंगी।

महिलाओं से करें ये वादे, हर नारी का बढ़ेगा सम्मान

भारत पुरुष प्रधान देश है, लेकिन यहां महिलाओं को देवी माना जाता है। परिवार की बेटियों और बहुओं को माता लक्ष्मी का स्वरूप मानते हैं। माता को देवी अन्नपूर्णा समझा जाता है। भले ही महिलाएं नवदुर्गा का ही स्वरूप हैं, समाज में उनका ओहदा व भूमिका भी उतनी ही सम्मानित है लेकिन नारी को यह सम्मान मिलता नहीं। घर-परिवार में पुरुष ही नारी का नेतृत्व करते हैं, उनके जीवन से जुड़े फैसले लेते हैं। कैसे रहना है, क्या भविष्य होगा, यह सब पिता, भाई और पति पर निर्भर करता है। भले ही पुरुष अपने परिवार की महिलाओं के खुशहाल और सुरक्षित जीवन के लिए निर्णय लेते हैं लेकिन महिलाओं को उनके अधिकार देना चाहिए। नवरात्रि के मौके पर देवी पूजन कर रहे हैं तो इस वर्ष अपने जीवन से संबंधित महिलाओं से कुछ वादे करें।

महिलाओं से किए जाने वाले ये वादे उनके भविष्य को अधिक सुरक्षित, सम्मानित बनाएंगे।

खुद फैसला लेने का अधिकार दें

आज भी भारतीय समाज में पत्नी, बहन, बेटी और माता के जीवन का फैसला पुरुष ही करते हैं। पहले पिता, फिर पति और बाद में बेटा तय करता है कि महिला का जीवन कैसा होगा। अगर महिला कोई फैसला खुद से लेती है तो उनके लिए यह सही है या नहीं, इस बात का निर्णय भी पुरुष ही लेते हैं। इस नवरात्रि परिवार की महिलाओं से वादा करें कि आप उन्हें अपने जीवन का फैसला लेने की स्वतंत्रता देंगे।

हर फैसले में साथ देने का करें वादा

फैसला लेने का अधिकार देने के साथ ही हर पुरुष को महिला से वादा करना चाहिए कि उनके फैसलों में साथ देंगे। बेटी या बहन अपनी शिक्षा या करियर के लिए जो भी फैसला लेगी, आप उनका साथ देंगे और मार्गदर्शन करेंगे, ताकि वह अकेला महसूस न करें और निडरता के साथ अपने लिए गए फैसलों के मार्ग पर चल सकें।

आत्म निर्भर बनाने का वादा

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाएं। उन्हें पिता, भाई, पति या बेटे पर निर्भर नहीं रहना चाहिए, इस की सीख दें। लड़की को शिक्षित करें, ताकि वह आत्मनिर्भर बन सके। साथ ही आत्मरक्षा के गुण भी सिखाएं ताकि वह जब भी घर से बाहर निकले तो खुद की सुरक्षा कर सके।

सम्मान करने का वादा

महिला गृहणी हो या नौकरीपेशा, लेकिन उसका परिवार में मान सम्मान पुरुष की तुलना में कम रहता है। इस रूढ़िवादी सोच को खत्म करते हुए महिला को भी परिवार में पुरुषों के समान सम्मान देने का वादा करें। उनके सम्मान को कभी ठेस न पहुंचाने का वादा करें।

यदि पत्नी नहीं करती आपके मां-बाप की इज्जत, तो पति को करना चाहिए ये काम

आजकल की बहू के साथ डील करने के लिए सास-ससुर को भी अपने विचारों को बदलने की आवश्यकता है. वरना घर में रोज-रोज झगड़े होते रहते हैं. ऐसे में बहू अपनी सास ससुर को नापसंद करने लगती है. एक लड़की शादी के बाद अपना घर परिवार सब कुछ छोड़ कर पति के साथ उसके घर परिवार को अपना लेती है. परंतु कई बार जब उसे ससुराल पहुंचकर पराया महसूस कराया जाता है तो वह ये सब बर्दाश्त नहीं कर पाती है. ऐसे में कई बार वह किसी की परवाह किए बिना बड़े-बुजुर्गों को जवाब देना शुरू कर देती है.

पत्नी और परिवार के बीच रिश्ता

शादी के बाद एक पुरुष ही होता है जो पत्नी तथा माता-पिता के बीच रिश्ते को बेहतर और बदतर बना सकता है. पति चाहे तो घर में इन मतभेदों को आसानी से होने से पहले ही रोक सकता है. परंतु इसके बारे में कोई समझन न होने की वजह से वह पत्नी और घरवालों के झगड़े में पिस्ता रहता है.

पत्नी और घरवालों के झगड़े की वजह

आपको बता दें कि कुछ मामलों में चीजें अलग होती है परंतु, कई बार लड़की के घरवालों के ज्यादा दखलअंदाजी से ससुराल अच्छा मिलने पर भी लड़की सहन नहीं कर पाती है. यदि आपकी पत्नी भी आपके माता-पिता को पसंद करती है और ना ही उनकी इज्जत करती है तो कोई भी ठोस कदम उठाने से पहले रिश्तो को सुधारने के लिए पुरुष के द्वारा यहाँ बताये गए काम जरूर करने चाहिए.

जाने पत्नी की नापसंद की वजह

अगर आपकी वाइफ आपके पेरेंट्स को पसंद नहीं करती है तो इसके पीछे कोई विशेष कारण हो सकता है. अतः इसे जानने का प्रयत्न करें. ऐसा करने में आपको मां-बाप तथा पत्नी के बीच के रिश्ते को ठीक करने का रास्ता आसानी से समझ आ जाएगा. इसके साथ ही ध्यान रखें कि ऐसा करते वक्त आप अपने मन में किसी भी तरह का पूर्वाग्रह लेकर ना बैठे. अपनी पत्नी को उसके मन की बात कहने का पूरा मौका दे. पत्नी को एक दोस्त की तरह सुने.

पत्नी और मां-बाप को दे समान इज्जत

अधिकतर महिलाएं अपने सास – ससुर से उस समय नफरत करने लगती है जब उन्हें यह Feel होता है कि वह पति को उसके खिलाफ भड़का रहे है या फिर उससे दूर रखने की कोशिश कर रहे हैं. ऐसे में पुलिस की जिम्मेवारी बनती है कि वह घर में इस तरह की गलतफहमियों को पैदा होने का मौका ना दें. अपने माँ-बाप तथा पत्नी को समान रूप से अहमियत और समय दें.

हमेशा माँ-बाप की साइड ना ले

एक पत्नी को शादी के बाद अपने ससुराल में सिर्फ अपने पति का ही सहारा होता है. ऐसे में यदि आप हर बात पर अपने माँ-बाप ही तरह लेते रहेंगे तो उसके मन में आपके परिवार को लेकर गलत भावनाएं पैदा हो सकती हैं. परंतु उसके साथ-साथ यह बात भी सच है कि हर बार अपनी पत्नी की साइड भी नहीं लेनी चाहिए. आपको हमेशा सही के साथ खड़ा रहना है. इससे आपकी पत्नी और घरवालों की भिड़ंत कम हो जाएगी.

परिवार के साथ समय का मजा करें

पत्नी तथा माँ-बाप के बीच तालमेल को बेहतर बनाने के लिए सबको साथ में बाहर घूमने ले जाए. साथ में बिताया गया खुशनुमा समय आपसी मनमुटाव आसानी से खत्म कर देता है. इससे दोनों पक्षों को एक दूसरे को अच्छे से समझने का मौका भी मिलता है.

पत्नी के माता-पिता को सम्मान दे

शादी होते ही पति अपनी पत्नी को घर में सब की बात माने तथा सब को सम्मान तथा प्रेम देने काहुकुम देता है. परंतु खुद अपने ससुराल वालों की इज्जत तक करना जरूरी नहीं समझता है.

ऐसे में कई बार महिलाएं भी अपने सास-ससुर के साथ वैसा ही बर्ताव करने लग जाती है. अगर आप भी यह गलती कर रहे हैं तो अभी से अपने सास-ससुर को सम्मान देना शुरू कर दीजिए. यह आपकी खुशहाल गृहस्थ जिंदगी के लिए अति आवश्यक है।

साबूदाना से बनाएं ये टेस्टी डिश

चैत्र नवरात्रि की शुरूआत बीते 22 मार्च से हो चुकी है। जिसकी धूम मंदिरों के साथ-साथ घरों में भी दिखाई दे रही है। इन दिनों सच्चे मन से माता की पूजा की जाती है। कहा जाता है कि नवरात्रि के दिनों में माता की पूजा करने से हर मनोकामना पूरी होती है। कई लोग नवरात्रि के इन दिनों में व्रत उपवास रखते हैं। लोग व्रत में सिर्फ फलाहार खाते हैं। ज्यादातर घरों में व्रत में साबुदाना खाया जाता है। ये टेस्टी के साथ-

साथ हेल्दी भी होता है।

अगर आपको लगता है कि आप साबुदाना से सिर्फ खिचड़ी बना सकते हैं तो ऐसा नहीं है। दरअसल, आज हम आपको साबुदाने की ऐसी डिशेज के बारे में बताएंगे जिसे खाकर आपके घर वाले भी आपकी तारीफ किए बिना रह नहीं पाएंगे। अगर व्रत में आप कुट्टु खाते-खाते थक गए हैं तो साबुदाने की मदद से विभिन्न प्रकार की डिश तैयार कर सकते हैं।

साबुदाना वड़ा

बहुत से लोग व्रत में सेंधा नमक खा लेते हैं। अगर आप भी नमक खा लेते हैं तो साबुदाना वड़ा आपके लिए एक अच्छा ऑप्शन बन सकता है। वड़ा बनाते समय इसमें मूंगफली के दाने डालकर इसका स्वाद जरूर बढ़ाएं।

साबूदाना थालीपीठ

ये एक महाराष्ट्रियन डिश है। महाराष्ट्र में लोग व्रत के दौरान इसे बनाना बेहद पसंद करते हैं। इसे

बनाने के लिए साबूदाना आटा, आलू, मूंगफली दाने और ताजा हर्ब्स का इस्तेमाल किया जाता है। नवरात्रि के व्रत के लिए भी ये एक बेहतर ऑप्शन है।

बना सकते हैं साबूदाना पूड़ी

नवरात्रि के व्रत के दौरान आप साबूदाने के पूड़ी भी बना कर खा सकते हैं। इसे बनाने के लिए ज्यादा सामानों की जरूरत नहीं पड़ती। इसका स्वाद आपके घर वाले बेहद पसंद करेंगे।

मीठे में बनाएं साबुदाने की खीर

ऐसे बनाएं साबूदाना डोसा

अगर आप मीठे की शौकीन हैं तो साबुदाने की खीर व्रत में आपकी मीठे की क्रेविंग को दूर कर सकती है। इसे साधारण चावल की खीर की तरह ही बनाया जाता है। इसमें ढेर सारी मेवा डालकर आप इसका स्वाद बढ़ा सकते हैं।

वैसे तो डोसा लगभग हर किसी को पसंद होता है। पर, क्या आप जानते हैं कि साबुदाना से भी डोसा बनाया जा सकता है। इसे आप नारियल की चटनी के साथ व्रत में खा सकते हैं।

पपीते के फायदे और नुकसान, जानें गर्भवती और शिशु की सेहत पर कितना असरदार

विशेषज्ञ स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक आहार को अपनी डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। सही मात्रा में सही खानपान सेहत को दुरुस्त रखता है, साथ ही कई बीमारियों से बचाव और इलाज में भी मददगार होता है। पौष्टिक आहार की बात आती है, तो सबसे पहली सब्जियों और फलों का जिक्र होता है।

पपीता खाने के फायदे

पपीते का सेवन हृदय रोगों से बचाव करता है

पपीते के बीज का उपयोग करते पाचन प्रक्रिया को बेहतर कर सकते हैं।

पपीता में पाए जाने वाले औषधीय गुण आंखों की सुरक्षा के लिए लाभकारी हैं।

गठिया के मरीजों को पपीते का सेवन करना चाहिए, उसके लिए पपीता उपयोगी है।

त्वचा की रंगत में सुधार के लिए पपीता लाभकारी है।

बालों को मजबूत करने और घने बनाने के लिए पपीते के पत्तों के रस का उपयोग कर सकते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक कैंसर से बचाव में पपीते के बीज फायदेमंद होते हैं।

अधिक वजन होने पर मोटापा घटाने के लिए लोग पपीते का उपयोग कर सकते हैं।

उच्च रक्तचाप के इलाज में कच्चे पपीते को फायदेमंद बताया गया है।

प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए भी पपीता का सेवन लाभकारी है।

पपीता के सेवन के नुकसान

गर्भावस्था में पपीते का सेवन नहीं करना चाहिए। पपीते में लेटेक्स पाया जाता है तो गर्भाशय के संकुचन की वजह बन सकता है। जिससे गर्भपात, प्रसव दर्द, शिशु में असामान्यताएं हो सकती हैं।

स्तनपान कराने वाली माताओं को पपीते के सेवन से बचने की सलाह दी जाती है।

उच्च मात्रा में पपीते का सेवन पीलिया की समस्या को बढ़ाता है।

पपीते का अधिक सेवन नाक में कंजेशन, झनझनाहट, दमा जैसी सांस संबंधी समस्या के शिकार हो सकते हैं। गुर्दे की पथरी की समस्या भी अधिक पपीते के सेवन के कारण हो सकती है। एक साल से कम उम्र के बच्चों के लिए पपीते का सेवन नुकसानदायक हो सकता है।

इन लक्षणों से पहचानें बच्चा है कमजोर उसे दूर करने के लिए अपनाएं ये उपाय

बच्चों में ऊर्जा,उत्साह आदि होता है। स्कूल से आते ही बच्चे खेलने-कूदने में निकाल देते हैं। खेलने के बाद भी जल्दी थकान महसूस नहीं करते। बच्चों में पूरा दिन खेलने कूदने की क्षमता होती है। ऐसे में अगर आपका बच्चा खेलने कूदने में रूचि न लेकर चुपचाप बैठा रहता है और अगर खेलने जाता भी है तो जल्दी थकान महसूस करने लगता है और उदास रहता है तो हो सकता है कि बच्चा शारीरिक तौर पर स्वस्थ न हो। बच्चे कमजोरी के कारण भी इस तरह का बर्ताव करते हैं। मांसपेशियों में कमजोरी होने के कारण बच्चों को न केवल खेलने, बल्कि चलने में भी दिक्कत हो सकती है। बच्चा सुस्त रहने लगता है। कई बार तो बच्चों में वीकनेस इतनी ज्यादा बढ़ जाती है कि वह निजी काम कर पाने में भी सक्षम नहीं हो पाते। आपका बच्चा शारीरिक तौर पर कमजोर है या नहीं इसका पता लगाने के लिए बच्चों में वीकनेस के कुछ लक्षण जान लें। इसके साथ ही कमजोरी होने का कारण और उपचार के बारे में भी जानें।

बच्चे में कमजोरी होने के लक्षण

सिरदर्द और थकान रहना

अगर बच्चा बार बार सिरदर्द होने की बात कहे या थोड़ी सी गतिविधियों के बाद ही थकान

महसूस करने लगे तो इसे अंदरूनी तौर पर अस्वस्थ होने के संकेत माने जाते हैं। कई बार खेलने या किसी काम को करने के दौरान बच्चे की हृदय गति बढ़ जाती है और उसे सांस लेने में तकलीफ होने लगती है।

पैरों में दर्द और चलने में दिक्कत

कई बार पोषण की कमी के कारण बच्चों के पैरों में भी कमजोरी आ जाती है। दौड़ने कूदने की उम्र में बच्चे अच्छे से चल फिर भी नहीं पाते और अक्सर पैरों में दर्द होने की शिकायत करते हैं। बच्चों को खड़े होने, दौड़ने और कूदने में मुश्किल होती है। यह कैल्शियम की कमी का संकेत भी हो सकता है।

बुखार आना

बच्चे को जल्दी जल्दी बुखार आता हो, तो उसकी इम्यूनिटी कमजोर होने के साथ ही वह शारीरिक तौर पर भी कमजोर हो सकता है।

बांह और हाथों में दर्द

कई बार बच्चे हाथों और बांहों में दर्द होने की भी शिकायत करते हैं। वह लिखते समय, खुद से खाना खाते वक्त, खेलते वक्त, बैग कैरी करते समय या शर्ट का बटन लगाते समय परेशान हो जाते हैं।

चेहरा सूखना

बच्चे में वीकनेस है इस बात की पहचान सबसे पहले बच्चे का चेहरा सूखने, होठ फटने और आंखों के नीचे काले घेरे आने से की जा सकती है। बच्चों के चेहरे पर रैशेज भी आ सकते हैं। उन्हें बोलने, निगलने और चूसने में भी दिक्कत होने लगती है।

बच्चों में कमजोरी आने की वजह

बच्चे में कमजोरी आने के कई कारण हो सकते हैं। पोषण की कमी, मांसपेशियों में कमजोरी, पोलियो, एक्यूट फ्लेसिड मायलाइटिस और कई बीमारियों के कारण बच्चे में कमजोरी हो सकती है। वीकनेस होने के कारण बच्चे को काम करने में तो कठिनाई होती ही है, साथ ही बच्चे का विकास भी धीमी गति से होता है। उनकी लंबाई नहीं बढ़ती और कई कमजोर बच्चे अंडरवेट रहते हैं। ऐसे में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए और बच्चे की सभी जरूरी जांच करानी चाहिए।

वेज कीमा से बढ़ जाएगा डिनर का स्वाद, जानिए रेसीपी

अगर आप स्वादिष्ट खाने और रोजाना कुछ अलग खाने के शौकीन हैं तो आपको अमर उजाला के आज की रसोई पर हर दिन अलग अलग डिश और उनकी लजीज रेसिपी मिल जाएगी। लंच या डिनर बनाने से पहले आधा घंटा तो ये सोचने में निकल जाता है कि आज क्या बनाएं। वही दाल, वही सब्जी, रोज एक जैसा खाना बना कर आप भी बोर हो जाते हैं और परिवार के बाकी लोग भी। जब वही मेहनत, किचन का उतना ही सामान इस्तेमाल हो रहा है तो क्यों न सब्जी में थोड़ा बदलाव करके लंच और डिनर को अधिक स्वादिष्ट बना दिया जाए। हालांकि स्वादिष्ट खाने के साथ-साथ इस बात पर भी ध्यान दें कि जो भी डिश आप बना रहे हैं, वह सेहत के लिहाज से भी अच्छी हो। तो आज आप घर पर लंच या डिनर में स्पेशल सब्जी बनाइए। जिस सब्जी की रेसिपी हम आपको बताने जा रहे हैं उसका टेस्ट किसी पार्टी के खाने की तरह लजीज तो होगा ही साथ ही सेहतमंद भी है। एक बात और इस सब्जी को बनाने में अधिक समय भी नहीं लगेगा और न ही अधिक सामग्री। हम आपको बताने जा रहे हैं वेज कीमा बनाने की सबसे आसान रेसिपी।

वेज कीमा बनाने की सामग्री

1 कटी हुई फूलगोभी, 6-7 बारीक कटी हुई फ्रेंच बीन्स, 6-7 मशरूम, टुकड़ों में कटा हुआ गाजर, उबली हुई हरी मटर, कटे हुए 2 टमाटर, बारीक कटा एक प्याज, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, एक काली इलायची, 1 दालचीनी, एक छोटा चम्मच धनिया पाउडर, आधा चम्मच हल्दी पाउडर, गरम मसाला पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, तेल, स्वादानुसार नमक

वेज कीमा रेसिपी

स्टेप 1 -एक पैन में तेल गर्म करें। उसमें साबुत मसाले जैसे काली इलायची और दालचीनी डालें। फिर कटा हुआ प्याज डालकर हल्का भूरा होने तक भून लें। अब इसमें अदरक लहसुन का पेस्ट डालकर पकाएं।

स्टेप 2- फिर इसमें टमाटर डालकर लगा लें। अब बाकी के सारे पाउडर वाले मसाले मिलाकर फ्राई कर लें।

स्टेप 3- मसाले को तब तक भूनें जब तक इसमें से तेल अलग न हो जाए। फिर सारी कटी हुई सब्जियां मिला लें। जैसे फूलगोभी, फ्रेंच बीन्स, मशरूम, गाजर। लेकिन हरी मटर अभी मत डालिएगा।

स्टेप 4- सब्जी को गलाने के लिए पानी और नमक डालकर ढककर पका लीजिए। ये प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब कर पानी सूख न जाए।

स्टेप 5- जब मिश्रण से नमी खत्म हो जाए तो इसमें उबले हुई

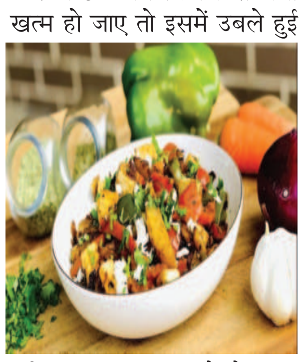

हरी मटर डालकर अच्छे से मिला लें। आपका वेज कीमा तैयार है। इसे हरी धनिया के पत्तियों से गार्निश करके रोटियों, नान, फुल्के से साथ सर्व करें।

एक अप्रैल से मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर टोल होगा महंगा

18 फीसदी तक हुई बढ़ोतरी

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र का मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे सबसे व्यस्त मार्गों में से एक हैं। यहां से रोजाना करीब डेढ़ लाख वाहन गुजरते हैं। लेकिन अब यहां से गुजरने वालों के लिए बुरी खबर है क्योंकि यहां का टॉल बढ़ने वाला है। महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास निगम (एमएसआरडीसी) के अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर वाहनों का टोल 1 अप्रैल से 18 फीसदी बढ़ जाएगा।

एमएसआरडीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हालांकि टोल में सालाना छह फीसदी की बढ़ोतरी होती है, लेकिन इसे हर तीन साल के बाद बढ़ाया जा रहा है तो टोल 18 फीसदी तो बढ़ेगा, जैसा कि 9 अगस्त, 2004 की एक सरकारी अधिसूचना में निर्धारित किया गया था। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि नया टोल कार और जीप जैसे चौपहिया वाहनों के लिए मौजूदा 270 रुपये के बजाय 320 रुपये और मिनी बस और टेम्पो जैसे वाहनों के लिए मौजूदा 420 रुपये के बजाय 495 रुपये होगा। टू-एक्सल ट्रकों के लिए टोल मौजूदा 585 रुपये से बढ़कर 685 रुपये हो जाएगा।

साथ ही बसों के लिए यह 797 रुपये से बढ़कर 940 रुपये हो जाएगा। थ्री-एक्सल ट्रकों को 1,380 रुपये के बजाय 1,630 रुपये और मल्टी-एक्सल ट्रकों और मशीनरी-वाहनों को मौजूदा 1,835 रुपये के बजाय 2,165 रुपये का भुगतान करना होगा। अधिकारियों ने कहा कि टोल 2030 तक समान रहेगा क्योंकि 2026 में तीन साल बाद कोई संशोधन नहीं होगा। लगभग 95 किमी लंबा, छह लेन वाला मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे 2002 में पूरी तरह से चालू हो गया था।

जरूरी दवाओं के दाम 12 फीसदी बढ़ना तय

› यह बढ़ोतरी अब तक की सबसे ज्यादा › महंगाई से 900 फॉर्मूलेशन की कीमतें बढ़ सकती हैं

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। सरकार ने ड्रग कंपनियों को कीमतें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। कीमतें होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूआईपी) में बदलाव के आधार पर बढ़ेंगी।

दिल की बीमारियों और डायबिटीज सहित कई बीमारियों के इलाज से जुड़ी जरूरी दवाओं की कीमतें इस साल 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ने का अनुमान है।

यह बढ़ोतरी अब तक की सबसे ज्यादा है। 2022 में थोक मूल्य सूचकांक में बदलाव के अनुरूप ही सरकार आवश्यक दवाओं की राष्ट्रीय सूची (एनएलईएम) के तहत दवाओं की कीमतों को 12.2% की बढ़ोतरी की इजाजत देने की तैयारी कर रही है।

एनपीपीए ने फार्मा कंपनीज को करीब 10 फीसदी दाम बढ़ाने की इजाजत दी थी

नेशनल फार्मास्यूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) की जॉइंट कमिश्नर रश्मि टहलियानी ने कहा कि 2021 की तुलना में थोक मूल्य सूचकांक में सालाना 12.12 फीसदी का बदलाव हुआ है। इससे 27 बीमारियों के इलाज के 900 फॉर्मूलेशन से संबंधित 384 मॉलेक्यूल की कीमतें 12% बढ़ने की संभावना है। गैर-जरूरी की सूची से बाहर की दवाओं की कीमतों में 10% की बढ़ोतरी की छूट दी जाएगी। पिछले साल एनपीपीए ने फार्मा उघोग को करीब 10 फीसदी दाम बढ़ाने की इजाजत दी थी।

एक अप्रैल से लागू होगा नया नियम

पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता को अब दवा भी महंगी पड़ेगी। अप्रैल से पेनकिलर्स, ऐंटी-इन्फेक्टिव्स, ऐंटीबायोटिक्स और दिल की दवाएं महंगी होने जा रही हैं। सरकार ने ड्रग कंपनियों को कीमतें बढ़ाने की अनुमति दे दी है। कीमतें होलसेल प्राइस इंडेक्स (डब्ल्यूपीआई) में बदलाव के आधार पर बढ़ेंगी।

बढ़त गंवाकर लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार सेंसेक्स 40 अंक टूटा, निफ्टी 17000 के नीचे

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी मंगलवार को शुरुआती बढ़त गंवा कर लाल निशान पर बंद हुए। जहां वित्तीय सेक्टर शेयरों में मजबूती से शुरुआती कारोबार में बढ़त दिखी वहीं आईटी शेयरों में गिरावट के कारण बाजार लाल निशान पर बंद हुआ।

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन सेंसेक्स 40.14 (0.07%) अंकों की गिरावट के साथ 16,951.70 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 34.00 (-0.20%) अंकों की गिरावट के साथ 16,951.70 अंकों के लेवल पर बंद हुआ। रुपया डॉलर के मुकाबले 11 पैसे की मजबूती के साथ 82.20 रुपये के भाव पर बंद हुआ।

सोना-चांदी हुआ महंगा

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय सर्राफा बाजार में आज, 29 मार्च, 2023 को सोने और चांदी के दाम में तेजी दर्ज की गई है. सोने की कीमत 59 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के पार है. वहीं, चांदी का भाव 69 हजार रुपये प्रति किलो से अधिक है. राष्ट्रीय स्तर पर 999 शुद्धता वाले 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने की कीमत 59106 रुपये है. जबकि 999 शुद्धता वाली चांदी 69620 रुपये है।

इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, मंगलवार की शाम को 24 कैरेट का शुद्ध सोना 58965 रुपये प्रति 10 ग्राम था जो आज सुबह 59106 रुपये पर आ गया है. इसी तरह शुद्धता के आधार पर सोना और चांदी महंगा हुआ है।

ईवी स्टेशन के लिए तीन तेल कंपनियों को 800 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। देश में 7,432 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने के लिए भारी उद्योग मंत्रालय ने तीन सरकारी तेल कंपनियों को 800 करोड़ रुपये देने की मंजूरी दी है। मंत्रालय ने इसके तहत 560 करोड़ रुपये को जारी भी कर दिया है।

मंत्रालय ने कहा कि इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम को मंजूर रकम का 70 फीसदी हिस्सा पहले ही दे दिया है। यह चार्जिंग स्टेशन जनता के लिए होंगे। इसे मार्च, 2024 तक पूरा कर लिया जाएगा। फिलहाल देश में कुल 6,585 चार्जिंग स्टेशन हैं। नए 7,432 स्टेशनों से ईवी के चार्जिंग का नेटवर्क बढ़ेगा। भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडे ने कहा कि इससे देश में ई-वाहन के परिवेश को बढ़ावा मिलेगा और साथ ही लोगों को भी सुविधा मिलेगी।

यूपीआई ट्रांजेक्शन पर नहीं लगेगा चार्ज

एनपीसीआई : केवल वॉलेट जैसे प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट से ट्रांजैक्शन पर 1.1% इंटरचेंज फीस लगेगी

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। 1 अप्रैल से वॉलेट या कार्ड जैसे प्रीपेड इंस्ट्रूमेंट्स के जरिए किए गए यूपीआई पेमेंट पर 1.1% की इंटरचेंज फीस लगेगी। यूपीआई को ऑपरेट करने वाली संस्था नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने एक सर्कुलर जारी किया है, जिसमें यूपीआई से मर्चेंट ट्रांजैक्शन पर प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट (पीपीआई) फीस लागू करने की जानकारी दी है।

एनपीसीआई के सर्कुलर के मुताबिक, ऑनलाइन मर्चेंट्स, बड़े मर्चेंट और छोटे ऑफलाइन मर्चेंट को किए गए 2 हजार रुपए से ज्यादा के ट्रांजेक्शन पर यूजर्स को 1.1% इंटरचेंज फीस देनी होगी। बैंक अकाउंट और पीपीआई वॉलेट के बीच पियर-टू-पियर (P2P),

पियर-टू-मर्चेंट (P2M) ट्रांजैक्शन पर ये लागू नहीं है। इसी महीने 6 मार्च (सोमवार) को आईबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने जानकारी दी थी कि पिछले 1 साल में यूपीआई के जरिए किए जा रहे पेमेंट में 50% की बढ़ोतरी हुई है। वहीं फरवरी 2022 में यूपीआई के जरिए 2.35 लाख करोड़ रुपए का लेनदेन हुआ।

दुनिया के 10 देशों में यूज कर सकते हैं यूपीआई

अभी भारत के यूपीआई पेमेंट सिस्टम को सिंगापुर, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, हांगकांग, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ब्रिटेन (यूके) में यूज किया जा सकता है। इसके साथ ही लगातार एनपीसीआई इसकी कनेक्टविटी को बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। आईबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा है कि भारत के यूपीआई पेमेंट सिस्टम की चर्चा ग्लोबल स्तर पर हो रही है।

यूपीआई की लॉन्चिंग से क्रांति

2016 में यूपीआई की लॉन्चिंग के साथ ही डिजिटल पेमेंट की दुनिया में एक क्रांति आ गई। यूपीआई ने सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। वॉलेट में केवाईसी जैसी झंझट है, जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता। भारत में आरटीजीएस और एनईएफटी पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन आरबीआई के पास है। आईएमपीएस, रूपेय, यूपीआई, जैसे सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ऑपरेट करती हैं।

पीएम मोदी देश के हीरो नंबर वन हैं : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि उन्हें बचपन से ही बाजपेयी जी (अटल बिहारी बाजपेयी) से प्रेरणा मिली है और वे हमेशा से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से प्रभावित रहे हैं.

वे नेटवर्क के चर्चित दो दिवसीय मार्की लीडरशिप कॉन्क्लेव 'राइजिंग इंडिया सम्मेलन 2023' में बोल रहे थे.केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, 'जब भी अमित शाह और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठने का मौक़ा मिलता है तो अच्छा लगता है. अगर व्यक्ति की बात करें तो पीएम मोदी नंबर 1 हैं, वो हीरो नंबर 1 हैं, उन्होंने देश को आगे लेकर जाने का काम किया है.' पीयूष गोयल ने अपनी बात बढ़ाते हुए कहा, 'आज लोगों को ये संतुष्टि है कि भ्रष्टाचार पर हमारा कड़ा रुख़ है. लोगों के मन में राजनीति को लेकर इमेज में बदलाव आया है।' कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विवादित बयान को लेकर भी केंद्रीय मंत्री ने अपनी बात रखी. उन्होंने कहा, 'राहुल ने ओबीसी समाज को ठेस पहुंचाया है, उनकी भावनाओं को आहत किया है. कांग्रेस के नेता ने बोला कि माफ़ी मांग लीजिए, लेकिन उन्होंने माफी नहीं मांगी.'

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

राहु शुक्र १, शनि ११, सूर्य गुरु १२ बुध, २, १०, चंद्र ३ मंगल, ९, ४, ६, ८, ५, केतु ७

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	मीन	में
चंद्र-	मिथुन	में
मंगल	मिथुन	में
बुध-	मीन	पें
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	मेष	में
शनि-	कुंभ	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
मीन...	05-28	बजे
मेष--	07-04	बजे
वृष--	08-49	बजे
मिथुन..	10-51	बजे
कर्क...	13-01	बजे
सिंह...	15-14	बजे
कन्या..	17-21	बजे
तुला	19-26	बजे
वृश्चिक.	21-35	बजे
धनु......	23-49	बजे
मकर..	01-56	बजे
कुंभ...	03-46	बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- नवमी - **23 -30** उपरान्त दशमी
मास - चैत्र शुक्ल पक्ष , गुरूवार **Mar 30**
नक्षत्र - पुनर्वसु - **22 -59** - तक उपरान्त पुष्य
योग - अतिगण्ड-**01 - 01** - तक सुकर्मा
करण- बालव - **10 - 17** - तक उप- कौलव
विशेष:- श्री रामनवमी व्रत, श्री दुर्गा नवमी
व्रत -त्योहार - नवरात्र समाप्त, गुरु अस्त रातसे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:52 से 15:24 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ.	06:16 - 07:46	शुभ	अमृत	18:25 - 19:56	शुभ
रोगश	07:46 - 09:17	अशुभ	चंचल	19:56 - 21:24	शुभ
उत्पात	09:17 - 10:49	अशुभ	रोग	21:24 - 22:52	अशुभ
चंचल	10:49 - 12:21	शुभ	काल	22:52 - 00:20	अशुभ
लाभ	12:21 - 13:52	शुभ	लाभ.	00:20 - 01:49	शुभ
अमृत.	13:52 - 15:24	शुभ	उत्पात	01:49 - 03:17	अशुभ
काल.	15:24 - 16:56	अशुभ	शुभ.	03:17 - 04:45	शुभ
शुभ.	16:56 - 18:25	शुभ	अमृत	04:45 - 06:16	शुभ

गूगल को एनसीएलएटी से लगा झटका

30 दिन में भरना पड़ेगा 1337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने एंड्रायड में अपनी मजबूत स्थिति के दुरुपयोग से जुड़े एक मामले में सीसीआई के आदेश को बरकरार रखा है। सीसीआई ने गूगल पर 1,337.76 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने बुधवार को कंपनी को जुर्माना भरने और आदेश को लागू करने के लिए 30 दिन का समय दिया है। बीते दिनों भारत में कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा पर नजर रखने वाली एजेंसी कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया ने गूगल पर बाजार को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए जुर्माना लगाया था। गूगल ने इस फैसले को एनसीएलएटी के सामने चुनौती दी थी। हालांकि गूगल ने अपने ऊपर लगे आरोपों को गलत करार दिया था।

सरकार का दावा : देश का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर, 300 बढ़कर हुए 90 हजार

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारत में स्टार्टअप की बहुत तेजी से रफ्तार बढ़ रही है। 2014 से 2022 तक में स्टार्टअप की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है। इन आठ सालों में इनकी संख्या 300 से बढ़कर 90 हजार से ज्यादा हो चुकी है। जबकि देश में 100 से ज्यादा यूनिकार्न हैं। इनमें से 36 की संस्थापक या सह-संस्थापक महिलाएं हैं। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री और पीएमओ में राज्यमंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का भी कहना है कि भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम दुनिया में तीसरे स्थान पर है। भारत ग्लोबल इनोवेशन

इंडेक्स में शीर्ष 50 देशों में शामिल है और दुनिया के सबसे स्टार्टअप फ्रेंडली देशों (एशिया में अग्रणी) में से एक है। जबकि भारत का उत्तर-पूर्व क्षेत्र स्टार्टअप के लिए अनछुए अवसर प्रदान कर रहा है। मंगलवार को नॉर्थ ईस्ट रीज़नल रिसर्च एंड रिसोर्स सेंटर, मिरांडा हाउस द्वारा आयोजित दो दिवसीय उत्तर-पूर्व भारत में स्टार्टअप, स्थिरता, नवाचार एवं उद्यमिता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि देश का उत्तर-पूर्व सहज रूप से नवाचार की भूमि है। उत्तर-पूर्व क्षेत्र की महिलाएं हमेशा से ही स्टार्टअप संस्कृति में सबसे आगे रही हैं और जब से इस क्षेत्र को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने संस्थागत रूप प्रदान किया है, तब से वे स्टार्टअप इकोसिस्टम में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उत्तर-पूर्व स्टार्टअप और महिलाएं केंद्र की मोदी सरकार की हमेशा मुख्य प्राथमिकताएं रही हैं।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
कार्यस्थल पर तनाव आपको बीमार कर सकता है। शेयर बाजार में पैसा लगाने वालों को आज नुकसान हो सकता है। आपके लिए बेहतर यही होगा कि आप अपने निवेश को लेकर चौकस और सतर्क रहें। पुराने रिश्तेदारों द्वारा अनुचित मांग करने की संभावना है। अचानक परिचय से बचें क्योंकि यह पश्चाताप ला सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के पालन के लिए भी आज का दिन अच्छा है। आप किसी की मदद से पैसा कमाने के काबिल बन सकते हैं। आपको बस खुद पर विश्वास करने की जरूरत है। पारिवारिक मोर्चे पर कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। लेकिन अपने सदस्यों की मदद से आप उन्हें सुलझाने में सक्षम होंगे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)
स्वास्थ्य के मोर्चे पर थोड़ी सावधानी की जरूरत है। यदि आपको लगता है कि आपके पास पर्याप्त धन नहीं है तो धन प्रबंधन और बचत के संबंध में किसी बड़े से सलाह लें। बच्चों के साथ समय बिताना महत्वपूर्ण रहेगा। रोमांस के लिए दिन बहुत अच्छा नहीं है क्योंकि आप सच्चा प्यार पाने में असमर्थ हैं।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आपको कुछ खेल गतिविधि का आनंद लेने की संभावना है जो आपकी शारीरिक फिटनेस को बनाए रखेगी। आज रात के समय आपको आर्थिक लाभ होने की प्रबल संभावना है क्योंकि पहले दिया गया पैसा तुरंत वापस आएगा। यदि आप अपने घरेलू कर्तव्यों की उपेक्षा कर रहे हैं तो कोई व्यक्ति जिसके साथ आप रहते हैं।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
हँसी-मज़ाक से भरा एक चमकदार दिन जब ज़्यादातर चीज़ें आगे बढ़ें- जैसा आप चाहते हैं। खेल-कूद से जुड़ी चीजें आज आप खरीद सकते हैं, जिससे आप प्रसन्न और संतुष्ट रहेंगे। हालाँकि, आपके बजट से अधिक होने की संभावना है। माता का रोग कुछ चिंता दे सकता है।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)
ज्यादा चिंता करने से मानसिक शांति भंग हो सकती है। इससे बचें क्योंकि हर तरह की चिंता, चिड़चिड़ापन और चिंता शरीर पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। घरेलू आवश्यकता के अनुसार आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान ख़रीदने के लिए बाहर जा सकते हैं, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति थोड़ी तंग हो सकती है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपका स्वास्थ्य उत्तम नहीं रहेगा। आज आपका पैसा कई चीजों पर खर्च हो सकता है। इसलिए, आपको आज एक कुशल बजट की योजना बनाने की आवश्यकता है ताकि सभी चुनौतियों और धन संबंधी समस्याओं से निपटा जा सके। परिवार के सदस्यों के साथ अपनी परेशानी साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)
आपका सेंस ऑफ ह्यूमर किसी को इस कौशल को विकसित करने के लिए खुद को प्रोत्साहित करने में मदद करेगा क्योंकि आप उसे समझाते हैं कि खुशी किसी चीज के कब्जे में नहीं है बल्कि हमारे अंदर है। आज आपके भाई-बहन आपसे आर्थिक मदद मांग सकते हैं, लेकिन उनकी मदद करना आपके ऊपर आर्थिक बोझ बढ़ा सकता है।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)
भाग्य के भरोसे न रहें और अपने स्वास्थ्य को सुधारने का प्रयास करें क्योंकि भाग्य एक आलसी देवी है जो आपके पास कभी नहीं आएगा। आपके लिए अपने वजन को नियंत्रित करने और अपने स्वास्थ्य को फिर से हासिल करने के लिए व्यायाम शुरू करने का सही समय है।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)
भाग्य के भरोसे न रहें, अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का प्रयास करें, क्योंकि भाग्यशाली एक आलसी देवी है। जिन लोगों को अभी तक वेतन नहीं मिला है, वे पैसों को लेकर चिंतित हो सकते हैं और अपने किसी दोस्त से कर्ज मांग सकते हैं। अपने घर के वातावरण में बदलाव करने से पहले सुनिश्चित करें।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)
आपको अपने नकारात्मक विचारों को मानसिक बीमारी बनने से पहले नष्ट कर देना चाहिए। आप खुद को किसी दान-पुण्य के काम में शामिल करके इनसे छुटकारा पा सकते हैं जिससे आपको पूरी मानसिक संतुष्टि मिलेगी। आज उन रिश्तेदारों को पैसा उधार देने से बचें जिन्होंने पहले का पैसा अभी तक वापस नहीं किया है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
किसी खेल के भुगतान में स्वयं को शामिल करें क्योंकि यह चिर यौवन का रहस्य है। आज धन लाभ होने की संभावना है, लेकिन अपने आक्रामक स्वभाव के कारण आप उम्मीद के मुताबिक कमाई नहीं कर पाएंगे। करीबी दोस्तों के साथ बाहर जाएं जो आपकी स्थिति और आपकी जरूरतों को

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

ट्रेन में बिना टिकट यात्रा करने पर नहीं पकड़ सकेगी पुलिस

ट्रैवल करने से पहले जान लें अपने अधिकार ?

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। ट्रेन में यात्रियों का सफर आसान करने के लिए रेलवे लगातार कदम उठाता रहा है. साथ ही, कई ऐसे नियमों की जानकारी भी देता है जिन्हें जानकार यात्रा करना आसान होता है. ऐसे ही एक नियम के बारे में हम आपको बता रहे हैं. अगर आपके पास टिकट नहीं है, तो टीटीई आप पर जुर्माना लगा सकता है. वहीं, कई लोगों के मन में ये सवाल उठता है कि क्या रेलवे पुलिस भी यात्रियों के टिकट चेक कर सकती है या नहीं? तो चलिए इस सवाल का जवाब जानने की कोशिश करते हैं।

आपको बता दें कि आरपीएफ को चलती ट्रेन या फिर प्लेटफार्म पर टिकट चेक करने का अधिकार नहीं है. यह काम केवल टीटीई ही करेगा. बेटिकट यात्रियों को जुर्माना करने की पावर सिर्फ अधिकृत टिकट चेकिंग स्टाफ को ही है. आमतौर पर ट्रेनों में और प्लेटफार्म पर रेलवे पुलिस टिकट चेक करके भोले भाले लोगों से उगाही करती है।

क्या हैं नियम

आपकी यात्रा के दौरान ट्रैवल टिकट एग्जामिनर (टीटीई) ही आपकी टिकट जांच सकता है. रेलवे की ओर से जारी नियम बताते हैं कि रात 10 बजे के बाद टीटीई भी आपको डिस्टर्ब नहीं कर सकता है. टीटीई को सुबह 6 से रात 10 बजे के बीच ही टिकटों का वेरिफिकेशन करना जरूरी है. रात में सोने के बाद किसी भी पैसेंजर को डिस्टर्ब नहीं किया जा सकता. यह गाइडलाइन रेलवे बोर्ड की है. हालांकि, रात को 10 बजे के बाद यात्रा शुरू करने वाले यात्रियों पर यह नियम लागू नहीं होता।

कंपनी का अनोखा फरमान

खराब प्रदर्शन पर कर्मचारी ही मारें एक दूसरे को थप्पड़, दुनियाभर में हो रही आलोचना

नई दिल्ली, 29 मार्च (एजेंसियां)। कर्मचारियों की परफार्मेंस बेहतर करने, उन्हें मोटिवेट करने के लिए कंपनियां तरह-तरह की कवायद करती हैं. कुछ दिनों पहले खबर आई थी कि एक कंपनी ने ऑफसि में चीयरलीडर्स रख लिया ताकि वे एम्प्लाई का मनोरंजन कर सकें. उन्हें मोटिवेट कर सकें. एक कंपनी ने स्लीप डे पर सभी कर्मियों को छुट्टी दे दी ताकि वे नींद पूरी कर सकें. लेकिन हांगकांग की एक कंपनी ने जो किया वह हैरान करने वाला है. कंपनी ने फरमान सुनाया कि खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारी एक दूसरे को थप्पड़ मारें. वह भी भरी सभा में. पूरी दुनिया में इसकी आलोचना हो रही है।

साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट की खबर के मुताबिक, यह खबर एक इंश्योरेंस फर्म की है. हाल ही में फेसबुक पर कर्मचारियों ने एक पोस्टर शेयर कर अपनी कहानी बयां की तो खबर दुनिया के सामने आई. एम्प्लाइज ने बताया कि कंपनी का एनुअल फंक्शन रखा गया था. डिनर चल रहा था. तभी बीमा कंपनी के बॉस मंच पर आए और खराब प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को बुलाया. और कहा कि एक दूसरे को गाल पर तमाचा मारें. कंपनी का दावा है कि ऐसा उन्हें मोटिवेट करने के लिए किया गया. लेकिन कर्मचारियों को यह व्यवहार अपमानजनक लगा और खबर उन्होंने पूरी कहानी सोशल मीडिया पर शेयर कर दी।

तुरंत ताला लगा देना चाहिए

जैसे ही यह खबर सोशल मीडिया में आई आग की तरह फैल गई. पूरी दुनिया में इसकी आलोचना होने लगी. लोगों ने इसे हिंसक व्यवहार बताया और कहा कि ऐसी कंपनी में तो तुरंत ताला लगा देना चाहिए. कुछ लोगों ने यहां तक कहा कि यह कौन सी बीमा कंपनी है, अगर मुझे नाम पता चल जाए तो अगर मैनें उसकी पॉलसिी ली हुई है तो तुरंत रद्द करवा दूंगा. जो कंपनी अपने कर्मियों को साथ अच्छा व्यवहार नहीं कर सकती, वह दूसरों के साथ क्या व्यवहार करेगी।

सारस से दोस्ती आरिफ को पड़ी महंगी

तोता-कछुआ पालने पर भी हो सकती है जेल, कौन सा पशु-पक्षी पाल सकते हैं

अमेठी, 29 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। कभी राहुल गांधी का चुनावी क्षेत्र रहा अमेठी अब आरिफ गुर्जर और सारस की दोस्ती की वजह से विख्यात हो गया है। उनकी और सारस पक्षी की दोस्ती जहां एक तरफ मिसाल कायम कर रही है वहीं सरकारी मुद्दा भी बन गई है। अगस्त 2022 में जब आरिफ की मुलाकात सारस से हुई तो उस समय सारस जख्मी था। आरिफ ने उसकी जान बचाई। तब से ही सारस उसके साथ परिवार की तरह रहने लगा और इमोशनली अटैच हो गया। जब मन होता वो अपनी मर्जी से उड़ जाता, फिर आकर आरिफ के साथ रहने लगता। ऐसे ही महीनों कब निकल गए, पता ही नहीं चला। आरिफ और सारस की दोस्ती का कुछ वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल होने लगा। इस बात की भनक जैसे ही वन विभाग को लगी, उन्होंने सारस को आरिफ से अलग कर दिया। उसे समसपुर पक्षी विहार में छोड़ दिया गया। जहां से अपने दोस्त आरिफ की तलाश में सारस उड़कर फिर नजदीकी गांव जा पहुंचा। उसे दोबारा वन विभाग ने पकड़ लिया। इसके बाद उसे खुले में न रखकर कानपुर चिड़ियाघर में रखा गया। हालात यह है कि सारस ने खाना-पीना छोड़ दिया है। ऐसे में अब सारस को वापस आरिफ के पास लाने की मुहिम छिड़ गई है। सवाल उठता है कि क्या सारस को पालने में हमारे देश में पाबंदी है?

बिल्कुल देश में कुछ जानवरों को पालने पर पाबंदी है। जिसके अंतर्गत सारस भी आता है। यही वजह है कि आरिफ पर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 का उल्लंघन करने के आरोप में धारा 2, 9, 29, 51 और धारा 52 के तहत केस दर्ज किया गया है।

इसका मतलब आरिफ के साथ सारस की दोस्ती गलत है?

वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम की धारा 39 के तहत आरिफ को जब घायल सारस मिला तो उसे प्राथमिक चिकित्सा देने के बाद लोकल वन विभाग अधिकारी को यह बताना चाहिए था। वो पास के पुलिस स्टेशन में भी इसकी जानकारी दे सकता था। इस काम के लिए कानूनन किसी व्यक्ति के पास 48 घंटे का वक्त होता है। याद रखें कि किसी भी संरक्षित पक्षी या जानवर को रखना, उसे खिलाना-पिलाना भी गैरकानूनी है। ऐसे में सवाल है कि क्या चिड़ियाघर में जानवरों को लोग खाना देते हैं चिढ़ाते-चिल्लाते हैं ये सही है? नहीं। चिड़ियाघर और उसके परिसर में जानवरों को चिढ़ाना, खाना देना या तंग करना भी दंडनीय अपराध है।

प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल एक्ट के तहत ऐसा करने वाले को 3 साल की सजा, 25 हजार रुपए का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। बता दें कि पशु-पक्षियों पर हो रहे अत्याचारों को रोकने के लिए भारत सरकार ने साल 1972 में भारतीय वन्य जीव संरक्षण अधिनियम पारित किया था। इसका मकसद वन्य जीवों के अवैध शिकार, मांस और खाल के व्यापार पर रोक लगाना था।

इस में साल 2003 में संशोधन किया गया, जिसका नाम भारतीय वन्य जीव संरक्षण (संशोधित) अधिनियम 2002 रखा गया। इसमें दंड और जुर्माना को और भी सख्त कर दिया गया है।

प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल एक्ट 1960 की धारा 11(1) के मुताबिक पालतू जानवर को छोड़ने, उसे भूखा रखने, नुकसान पहुंचाने, भूख और प्यास से मरने दोषी के खिलाफ केस दर्ज हो सकता है और 50 रुपए का जुर्माना देना पड़ सकता है। अगर तीन महीने के अंदर दूसरी बार जानवर के साथ ऐसा हुआ तो 25 से 100 रुपए जुर्माने के साथ 3 महीने की जेल हो सकती है। भारतीय दंड संहिता की धारा 428 और 429 के तहत अगर किसी ने जानवर को जहर दिया, जान से मारा, नुकसान पहुंचाया तो उसे दो साल तक की सजा हो सकती है। कुछ जुर्माने का भी प्रावधान है।

भारत सरकार के एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल (2001) के मुताबिक किसी भी कुत्ते को एक स्थान से भगाकर दूसरे स्थान में नहीं भेजा जा सकता। अगर कुत्ता विषैला है और काटने का डर है तो पशु कल्याण संगठन में संपर्क कर सकते हैं। भारत सरकार के एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल (2001) की धारा 38 के मुताबिक किसी पालतू कुत्ते को स्थानांतरित करने के लिए चाहिए कि उसकी उम्र 4 महीने पूरी हो चुकी हो। इसके पहले उसे एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना अपराध है।

जानवरों को लंबे समय तक लोहे की रॉड या फिर भारी रस्सी से बांधकर रखना अपराध की श्रेणी में आता है।अगर आप जानवर को घर के बाहर नहीं निकालते तो यह भी कैद माना जाता है। ऐसे अपराध में 3 महीने की जेल और जुर्माना भी लगाया जा सकता है।

प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल एक्ट 1960 की धारा 11(1) के तहत अगर किसी गोशाला, कांजी हाउस, किसी के घर में जानवर या उसके बच्चे को खाना और पानी नहीं दिया जा रहा तो यह अपराध है। ऐसे में 100 रुपए तक का जुर्माना लग सकता है। मंदिरों और सड़कों जैसे स्थानों पर जानवरों को मारना अवैध है। पशु बलिदान रोकने की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निगम की है। पशुधन अधिनियम, 1960, वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972, भारतीय दंड संहिता के तहत ऐसा करना अपराध है।

किसी भी जानवर को परेशान करना, छेड़ना, चोट पहुंचाना, उसकी जिंदगी में व्यवधान पैदा करना अपराध है। ऐसा करने पर 25 हजार रुपए जुर्माना और 3 साल की सजा हो सकती है। वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 16 (सी) के तहत जंगली पक्षियों या सरीसृपों को नुकसान पहुंचाना, उनके अंडों को नुकसान पहुंचाना, घोंसलों को नष्ट करना अपराध है। ऐसा करने का दोषी पाए गए व्यक्ति को 3 से 7 साल की जेल और 25,000 रुपए का जुर्माना हो सकता है।

ट्रांसपोर्ट ऑफ एनिमल रूल्स, 1978 की धारा 98 के मुताबिक, पशु को स्वस्थ और अच्छी स्थिति में ही एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना चाहिए। किसी भी बीमारी से पीड़ित या थके हुए जानवर को यात्रा नहीं करानी चाहिए। ऐसा करना अपराध है।

कुल छह अनुसूचियां हैं, जो पशु-पक्षियों की अलग-अलग प्रजातियों को संरक्षण देती हैं

वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 में 66 धाराएं और 6 अनुसूचियां हैं।

अनुसूची-1 के तहत जंगली जानवरों और पक्षियों को सुरक्षा दी जाती है और इस नियम का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति को सजा का प्रावधान दिया जाता है। इस अनुसूची में 43 वन्य जीवों को शामिल किया गया है। इसमें धारा 2, धारा 8, धारा 9, धारा 11, धारा 40, धारा 41, धारा 43, धारा 48, धारा 51, धारा 61 और धारा 62 के तहत दंड का प्रावधान किया गया है।

अनुसूची 1 के भाग 2 में कई जलीय जन्तु और सरीसृप को शामिल किया गया है। इस लिस्ट में सुअर से लेकर कई तरह के जानवर हैं। जैसे- हिरण, बंदर, भालू, चिकारा, तेंदुआ, लंगूर, भेड़िया, लोमड़ी, डॉलफिन, जंगली बिल्ली, बारहसिंगा, बड़ी गिलहरी, पेंगोलिन, गैंडा, ऊदबिलाव, रीछ और हिमालय पर पाए जाने वाले कई जानवर।

अनुसूची 2: इसमें भी अनुसूची 1 की तरह जंगली जानवरों और पक्षियों को सुरक्षा दी जाती है और इस नियम का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति को सजा का प्रावधान दिया जाता है। इस अनुसूची में शामिल वन्य जानवरों के शिकार पर धारा 2, धारा 8, धारा 9, धारा 11, धारा 40, धारा 41 धारा 43, धारा 48, धारा 51, धारा 61 और धारा 62 के तहत दंड का प्रावधान है। इस लिस्ट के भाग 1 में कई तरह के बंदर, लंगूर, सेही, जंगली कुत्ता, गिरगिट आदि शामिल हैं। लिस्ट के भाग 2 में अगोनोट्रेचस एण्ड्रयूएसी, अमर फूसी, अमर एलिगनफुला, ब्रचिनस एक्ट्रिपोनिस और कई तरह के जानवर शामिल हैं।

अनुसूची 3 और 4: यह दोनों भी जंगली जानवरों और पक्षियों को संरक्षण देते हैं लेकिन जिन जानवरों को रखा गया है उनके साथ किए गए अपराध पर सजा का प्रावधान काफी कम हैं।

अनुसूची 5:इसके अंतगर्त उन जानवरों को रखा गया है जिसका शिकार किया जा सकता है।

अनुसूची 6: इसमें दुलर्भ पौधों की खेती और रोपण पर रोक लगाई गई है। सजाः अगर सूची एक और सूची दो में आने वाले जानवरों का शिकार किया गया है तो उसमें कम से कम 3 साल की जेल होगी। इस सजा को सात साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ कम से कम दस हजार रुपए जुर्माना हो सकता है।

अगर आप किसी भी प्रकार का कोई जानवर पालने का शौक रखते हैं तो अब इसकी जानकारी नगर निगम को देना जरूरी होगा।

सालाना फीस भरकर उसका रजिस्ट्रेशन भी जरूरी है। रजिस्ट्रेशन के बिना आप अपने घर में कोई भी जानवर नहीं रख सकेंगे।

वन विभाग के फैसले के मुताबिक, शहर के सभी पशुपालकों को मवेशी या जानवर पालने के लिए लाइसेंस हर साल नवीनीकरण करवाना होगा। इसी तरह कानून के मुताबिक उड़ना पक्षियों का मौलिक अधिकार है और उन्हें पिंजरे में बंद नहीं रखा जा सकता। उन्हें आकाश में आजाद छोड़ना होगा।

भारत में कौन-कौन से पशु-पक्षी पाल सकते हैं? कुत्ता, बिल्ली, गाय, भैस, बकरी, कबूतर (कुछ विशेष), भेड़, खरगोश, मुर्गा, छोटी मछली।

भारत में इन 15 पशु-पक्षियों को पालने पर है पाबंदी

तोता, मोर, बत्तख (कुछ विशेष), तीतर, उल्लू, बाज, ऊंट, बंदर, हाथी, हिरन, सफेद चूहा, सांप, मगरमच्छ, एलिगेटर और कछुआ। तोता पालना तो देश में कॉमन है, ऐसे में उसको पिंजड़े में रखना भी अपराध है? वाइल्डलाइफ एक्ट के मुताबिक, तोते या किसी अन्य पक्षी को पिंजड़े में कैद करके रखना और उससे किसी भी तरह का लाभ लेने के लिए प्रशिक्षण देना कानूनन अपराध है। भारत में कानून इजाजत नहीं देता कि किसी भी पक्षी को कैद करके रखा जाए। वाइल्डलाइफ एक्ट के तहत बंदरों को कानूनी सुरक्षा दी गई है। कानून कहता है कि बंदरों से नुमाइश करवाकर लोगों का मनोरंजन करना या उन्हें कैद में रखना गैर कानूनी है। एक्ट की धारा 51 के मुताबिक आदमी के मनोरंजन के लिए किसी पशु-पक्षी या जानवर की जिंदगी से आप खिलवाड़ नहीं कर सकते। भालू, बंदर, बाघ, तेंदुए, शेर और बैल को मनोरंजन के लिए ट्रेंड करना और उनका इस्तेमाल करना गैर कानूनी है। इसके साथ ही किसी भी जंगली जानवर को पकड़ना, फंसाना, लालच देना दंडनीय अपराध है। इसके दोषी को 7 साल की सजा या 25 हजार रुपए का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। सपेरा वाला जो मंदिर के बाहर बैठे रहते हैं। वो सांप पालते हैं और उसे नचाते हैं क्या वो भी जुल्म है? प्रिवेंशन ऑफ क्रुएलिटी टू एनिमल एक्ट के तहत किसी को भी सांप पालने का अधिकार नहीं है। जो लोग सांप रखते हैं वो उन्हें बंधक बनाते हैं। साथ ही मदारी सांप का जहर खत्म करने के लिए उसकी जहरीली दाढ़ यानी दांत को तोड़ देता है। इसके बाद जब उन्हें जंगल में छोड़ देते हैं तो सांप खुद की किसी से रक्षा भी नहीं कर पाता और कुछ खा भी नहीं पाता है। यह अपराध की श्रेणी में आता है। इसके दोषी को 25 हजार जुर्माना और दो साल तक की सजा हो सकती है।

आरिफ के साथ सारस की दोस्ती

किसी जानवर के दांत और सींग निकालना बेरहमी है?

किसी भी जानवर की सींग निकालना, उनके दांत निकालना या फिर खाल निकालना पशु क्रूरता के तहत आता है। ऐसा करने वाले को जेल जाना पड़ सकता है। अगर कोई व्यक्ति गाय-भैंस या अन्य किसी दुधारू मवेशी का दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डूमदेव या अन्य कोई तरीका अपनाता है जो पशु के स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। तो यह काम भी गैर- कानूनी है। इसके दोषी को 1000 रुपए जुर्माना 2 साल की जेल हो सकती है।

'बिना जांच राहुल गांधी को सुनाई सजा'

रायपुर में कुमारी शैलजा बोलीं- माफी मंगवाने की कोशिश की गई

रायपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व सांसद राहुल गांधी की सदस्यता को कांग्रेस अब फ्रंट फुट पर खेल रही है। देश भर में राहुल गांधी के समर्थन में कांग्रेस नेता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे हैं। इसी के तहत पूर्व केंद्रीय मंत्री और छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी शैलजा रायपुर पहुंची हुई हैं। उन्होंने राहुल गांधी पर लगे आरोपों को बेबुनिया बताया है। कहा कि, राहुल गांधी को संसद में बोलने से रोका गया। उनसे माफी मंगवाने की कोशिश की गई। उनके पत्र तक का जवाब नहीं दिया गया। कुमारी शैलजा ने कोर्ट के आदेश पर भी सवाल उठाया। कहा कि, बिना जांच के ही राहुल गांधी को दो साल की सजा सुना दी गई।

यह भ्रष्टाचार की लड़ाई, जाति की नहीं

पूर्व मंत्री शैलजा ने कहा कि, अदालत की लड़ाई अदालत में लड़ेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि, भाजपा ने इस मुद्दे को गलत तरीके से उठाया। इसके बाद इसके बाद राहुल गांधी के ऊपर कार्यवाही की गई।

उन्होंने कहा कि, यह भ्रष्टाचार की लड़ाई है, जाति की नहीं है। भाजपा जातियों के आधार पर समाज को बांटना चाहती है। शैलजा ने मकान खाली करने के नोटिस पर भी जवाब दिया। कहा कि, कानूनी लड़ाई के बावजूद राहुल गांधी का मकान खाली कराने नोटिस दिया गया। भाजपा को मकान खाली कराने की जल्दी है। राहुल गांधी ने मकान खाली करने के लिए चिट्ठी लिख दी है।

विदेश में पीएम के खिलाफ बात नहीं की

वहीं पिछले दिनों कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में दिए राहुल गांधी के बयान और उसको लेकर हुए विवाद पर भी पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा ने पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि, राहुल गांधी ने विदेश में प्रधानमंत्री के खिलाफ बात नहीं की। उन्होंने वहां कहा था कि, लोकतंत्र का मामला है, हम सुलझा लेंगे, लेकिन फिर भी झूठ फैलाया गया।

उन्होंने कहा कि, आरएसएस की विचारधारा समाज को बांटने की है। ये धर्म के नाम पर राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस प्रदेश, जिला और राष्ट्र स्तर पर इसकी लड़ाई लड़ेगी। इसके लिए पोस्टकार्ड सम्मेलन किया जाएगा। कल से अप्रैल तक कई आयोजन होंगे।

पूर्व मंत्री ने ब्लैकमेलिंग कर वसूले 91 लाख- एमएलए विक्रम

बोले- ठेकेदार से खाते में डलवाए पैसे, महेश गागड़ा ने कहा- मानहानि का करेंगे केस

बीजापुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता महेश गागड़ा ने तेंदूपत्ता ठेकदार को ब्लैकमेल कर 91 लाख रुपए वसूल लिए हैं। उन्होंने इतनी मोटी रकम अपने किसी चाचा के खाते में डलवाई है। अलग-अलग किस्तों में पैसे डाले गए हैं। साथ ही तेंदूपत्ता ठेकेदार की 8 बाइक को भी अपने कब्जे में रख लिया है। पैसे न देने पर इसका अंजाम बुरा होने की धमकी भी दी थी। यह आरोप बीजापुर विधानसभा से कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी ने पूर्व मंत्री महेश गागड़ा पर लगाए हैं। उन्होंने प्रेस वार्ता लेकर बैंक के दस्तावेज भी मीडिया के सामने पेश किए हैं।

विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि, कुछ दिन पहले महेश गागड़ा समेत भाजपा के नेताओं ने हितग्राहियों को तेंदूपत्ता का भुगतान न होने का आरोप लगाया था। भैरमगढ़ में विरोध प्रदर्शन कर कांग्रेस सरकार को बदनाम करने की कोशिश की जा रही थी। जिसके बाद तेंदूपत्ता की राशि के संबंध में अफसरों के साथ बैठक कर जांच किया गया था। जिसमें पता चला था कि भुगतान किया जा चुका है। हालांकि, कुछ बड़े वाहनों का ढुलाई का भुगतान बचा है। जो हो जाएगा। लेकिन, जांच के दौरान महेश गागड़ा ने ठेकेदार से 91 लाख रुपए वसूल लिए इस बात का भी खुलासा हुआ।

विधायक का कहना है कि, ठेकदार से महेश गागड़ा ने ब्लैकमेलिंग की और डरा-धमका कर पैसे मांगे। जिसके बाद अपने चाचा का अकाउंट नंबर 11521261288 दिया। इस खाते में ठेकेदार ने अलग-अलग तारीखों और किस्तों में करीब 91 लाख रुपए डाल दिए हैं। उनके मुताबिक स्टेट बैंक के इस खाते की पूरी जानकारी हमने निकाल ली है। महेश गागड़ा अब ये बताएं की उन्होंने इन पैसों का क्या किया है? विधायक के आरोप के बाद पूर्व मंत्री महेश गागड़ा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि, विधायक ठेकेदार के प्रवक्ता बन कर बात कर रहे हैं। मुझ पर लगाया यह आरोप घटिया और हास्यास्पद है।

महापौर के घर ईडी का छापा

रायपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में दूसरे दिन रायपुर महापौर एजाज ढेबर और उनके भाई अनवर ढेबर के घर में दबिश दी गई है। एजाज ढेबर के समर्थक उनके घर के सामने पहुंचकर ईडी और केंद्र सरकार के खिलाफ डीजे लगाकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। दुर्ग-भिलाई में अलग अलग लोगों के यहां 9 से अधिक ठिकानों पर कार्रवाई चल रही है। महापौर एजाज ढेबर के बंगले में ईडी की कार्रवाई जारी है। इस वक्त बड़ी संख्या में कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता महापौर के बंगले के सामने ढोल बजाकर केन्द्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे है।

सुरक्षा के लिए बड़ी संख्या में पुलिसबल तैनात है। निगम सभापति प्रमोद दुबे, एमआईसी सदस्य आकाश तिवारी, शहर जिला अध्यक्ष गिरीश दुबे भी मौके पर मौजूद हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक रायपुर, बिलासपुर, भिलाई-दुर्ग में ईडी की टीम पहुंची है। रायपुर में शराब कारोबारी बलदेव सिंह भाटिया, भिलाई के होटल संचालक विनोद सिंह के यहां कार्रवाई जारी है।

नक्सलियों के परिजनों की नौकरी गयी

6 साल पहले नक्सलियों ने किया था सरेंडर, अब परिवार को दी गयी नौकरी छीन ली गयी

पूर्वी सिंहभूम, 29 मार्च (एजेंसियां)। एक तरफ राज्य में नक्सलवाद खत्म करने के लिए सरेंडर पॉलिसी का हवाला दिया जा रहा है दूसरी तरफ 6 साल पहले आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के परिजनों को दी गयी नौकरी छिन ली गयी। पूर्वी सिंहभूम के साथ कोल्हान के कई इलाकों में सक्रिय नक्सली कान्हू मुंडा समेत 7 माओवादियों ने छह साल पहले आत्मसमर्पण किया था। सरकार ने माओवादियों के परिजनों को नौकरी दी थी जिससे उनका परिवार चलता रहे। उस वक्त राज्य सरकार की तरफ से 7 माओवादियों के परिवार के 2 सदस्यों को एसपीओ (स्पेशल पुलिस ऑफिसर) के पद पर बहाल किया गया था। अब 4 को छोड़कर 3 अन्य माओवादियों के परिवार के 2-2 सदस्यों को दिए गए एसपीओ की नौकरी छिन ली गयी है।

परेशान है पूरा परिवार, कैसे चलेगा गुजारा

इस फैसले से पूरा परिवार हैरान है क्योंकि यही एक माध्यम से जिससे परिवार का पेट पलता था। इस नौकरी से पूर्व नक्सलियों के परिवार वालों के पास महीने के 10 से 14 हजार रुपये मिल जाते थे। नौकरी छिन जाने के बाद परिवार परेशान है कि कैसे उनका गुजारा चलेगा। नौकरी जाने के बाद परिवार ने विरोध दर्ज किया है एसएसपी के सामने विरोध प्रकट किया है।

एसएसपी ने पुनर्विचार की बात कही है लेकिन अब तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। इस मामले पर जब पूर्वी सिंहभूम के ग्रामीण एसपी मुकेश कुमार लुनावत से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, अभी उन्हें हटाया नहीं गया है। हम पुनरीक्षण करते रहते हैं और उसके आधार पर ही एसपीओ को रखते हैं। पहले किए गए जो वादे हैं उसे तोड़ा नहीं गया है। पहले से जो व्यवस्था चली आ रही है वो अब भी जारी है।

इस आत्मसमर्पण में गांव के समाजसेवी साधू ने अहम भूमिका निभाई थी। इस आत्मसमर्पण के बाद कई नक्सली उसके दुश्मन बन गये थे। खतरे को देखते हुए उसे अंगरक्षक मुहैया कराया गया था। अंगरक्षण को भी वापस ले लिया गया है इसके साथ उसे कई तरह की सुविधाएं दी गयी थी उसे भी छिन लिया गया।

किस- किस ने किया था आत्मसमर्पण

ध्यान रहे कि 16 फरवरी 2017 को पूर्वी सिंहभूम के घाटशिला अनुमंडल अंतर्गत नक्सल प्रभावित गुड़ाबांदा के महेशपुर गांव के कोसाफलिया के फुटबाल मैदान में आयोजित पुलिस सिविक एक्शन कार्यक्रम के दौरान गुड़ाबांदा दस्ता तथा झारखंड, बंगाल व ओडिशा संगठन के सचिव कान्हू मुंडा समेत सात नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया था। इनमें कान्हू मुंडा, फोगड़ा मुंडा, जितेन मुंडा, शंकर मुंडा, शंकर की पत्नी काजल मुंडा, भोगलु सिंह और चुन्नू मुंडा शामिल थे।

मंत्री का पीएसओ बनकर ठगने वाला गिरफ्तार

पहले टीचर, फिर बैंककर्मी से की शादी दोनों की सैलरी से करता था अय्याशी

बिलासपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में पुलिस ने एक शातिर ठग को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी नौ साल से पुलिसकर्मी बनकर लोगों को ठग रहा था। फिर खुद को मंत्री का पीएसओ बताकर रौब झाड़ने लगा। इस दौरान शातिर ने झांसा देकर महिला टीचर और फिर बैककर्मी से शादी कर ली। इसके बाद उनकी सैलरी पर अय्याशी करने लगा। पुलिस ने आरोपी के पास से पुलिस वर्दी, पुलिस बैच, बेल्ट, कैप, जूता, नकली पिस्टल, फर्जी आईकार्ड, वीआईपी सुरक्षा कमांडेंट माना रायपुर की फर्जी सील और स्टांप पैड बरामद किया है। मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है।

लोगों को नौकरी लगवाने का दे रहा था झांसा

जानकारी के मुताबिक, पुलिस को सूचना मिली थी कि ग्राम भौंराकछार में एक युवक पुलिस की वर्दी में घूम रहा है। वह खुद को मंत्री का पीएसओ बताकर नौकरी लगवाने का दावा कर रहा है। साथ ही लोगों को नशे का कारोबार करने के लिए उकसा रहा है। इस पर पुलिस ने गांव में छापा मारा और आरोपी वर्दीधारी युवक को पकड़ लिया। पुलिस ने पूछताछ की तो अपना नाम यज्ञ कुमार बताया और धौंस दिखाना शुरू कर दिया। इस पर पुलिसकर्मियों ने उसका आईडी कार्ड चेक किया। इसके बाद फर्जीवाड़ा सामने आ गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया और थाने ले आई।

पत्नी की सैलरी से कार खरीदी, बनवा रहा था मकान

पुलिस ने बताया कि आरोपी ग्राम भौंराकछार का रहने वाला है। उसने साल 2014 में जशपुर की महिला टीचर को झांसा देकर शादी की।

पत्नी की सैलरी से कार खरीदी और उसी से घूमने लगा। फिर करीब साल भर पहले कोरबा की एक महिला बैंककर्मी से शादी कर ली। अब दोनों की सैलरी से अय्याशी करना शुरू कर दिया। आरोपी ने कोरबा में जमीन खरीद ली और मकान बनाने की तैयारी कर रहा था। बताया जा रहा है कि कुछ समय पहले पहली पत्नी को उसके फर्जीवाड़े का पता चल गया था। यह भी पता चल गया कि आरोपी पति ने दूसरी शादी कर ली है।

म्यांमार की मिलिट्री गवर्नमेंट ने 40 पार्टियां भंग की

इनमें जेल में बंद आंग सान सू की पार्टी भी शामिल, अभी म्यांमार में इमरजेंसी लागू

नेपीडाव, 29 मार्च (एजेंसियां)। म्यांमार में सैन्य सरकार जुंटा ने आंग सान सू की की नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेटिक (एनएलडी) पार्टी सहित 40 पार्टियों को भंग कर दिया है। सेना ने बताया कि ये पार्टियां नए चुनावी कानून के तहत रजिस्टर करने में विफल रही हैं। मंगलवार रात स्टेट मीडिया म्यावाडी टीवी ने बताया कि देश में 63 पार्टियों ने स्थानीय या राष्ट्रीय स्तर पर रजिस्ट्रेशन करवाया है। वहीं करीब 40 पार्टियों ने डेडलाइन तक चुनाव के लिए साइन-अप नहीं किया, जिसके बाद इन्हें भंग घोषित किया गया।

पार्टियां भंग होने के बाद यूएन ने म्यांमार में लोकतंत्र बहाल करने की मांग है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने मंगलवार को आंग सान सू की की रिहाई पर जोर दिया। उन्होंने कहा- हम म्यांमार में लोकतंत्र की वापसी देखना चाहते हैं। हम आंग सान सू की और अन्य लोगों की रिहाई चाहते हैं। हम इस दिशा में काम करना जारी रखेंगे।

जनरल मिन आंग ने की जल्द चुनाव की घोषणा

27 मार्च को मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने एनुअल परेड में जल्द चुनाव कराने की घोषणा की थी। हालांकि, इस दौरान उन्होंने तारीखों का ऐलान नहीं किया था। हलिंग ने कहा था कि वो देश में विरोधियों पर कार्रवाई में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने इंटरनेशनल कम्यूनिटी से देश में लोकतंत्र बहाल करने में समर्थन की मांग की थी। इससे पहले पिछले महीने सेना ने 2 साल के लिए लगी इमरजेंसी को 6 महीने बढ़ाने की घोषणा की थी। साथ ही अगस्त में होने वाले चुनाव को भी स्थगित कर दिया था।

आंग सान की पार्टी बोली- जनता हमारे साथ

आंग सान की पार्टी एनएलडी के वरिष्ठ नेता तुन मिंट ने कहा- पार्टी ऐसे समय में कभी रजिस्टर नहीं करेगी जब हमारे ज्यादातर नेता या तो जेल में हैं क्रांति में शामिल हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता की सेना ने हमारी पार्टी को

भंग कर दिया है। हमारे पास जनता का समर्थन है और हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। वहीं सेना द्वारा आतंकवादी घोषित नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (एनयूजी) ने कहा- मिलिट्री को दिखावे के चुनाव कराने का कोई अधिकार नहीं है।

इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप ने कहा- चुनाव देश के लिए खतरनाक

इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के एडवाइजर रिचर्ड होर्से ने कहा- म्यांमार में सैन्य शासन नेशनल इलेक्शन की तैयारी कर रहा है। ये देश के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। देश की जनता मिलिट्री रूल के चलते गुस्से में है। वो सैन्य शासन को और मजबूत करने के लिए हो रहे चुनाव का विरोध कर रही है। ऐसे में अगर उन पर चुनाव थोपे गए तो ये म्यांमार में अब तक का सबसे खूनी संघर्ष होगा।

2 साल पहले सेना ने किया था तख्तापलट

म्यांमार में सेना ने 1 फरवरी 2021 को तख्तापलट कर दिया था। वहां की लोकप्रिय नेता और स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी।

चुनाव के बाद से सरकार-सेना में था मतभेद

दरअसल, म्यांमार में नवंबर 2020 में आम चुनाव हुए थे। इनमें आंग सान सू की पार्टी ने दोनों सदनों में 396 सीटें जीती थीं। वहीं विपक्ष की यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने दोनों सदनों में मात्र 33 सीटें ही जीतीं। इस पार्टी को सेना का समर्थन हासिल था। नतीजे आने के बाद सेना ने इस पर सवाल खड़े कर दिए। सेना ने चुनाव में सू की की पार्टी पर धांधली करने का आरोप लगाया था। चुनाव नतीजों के बाद से ही सरकार और सेना के बीच मतभेद शुरू हो गया, जिसके बाद सेना ने तख्तापलट कर दिया था।

म्यांमार में तख्तापलट के बाद से सेना ने 2600 लोगों को मारा

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक म्यांमार में साल 2021 में हुए तख्तापलट के बाद से सेना 2600 लोगों को मार चुकी है। हालांकि ये सिर्फ ऑफिशियल डेटा है। असली मौतें इससे दस गुना ज्यादा हो सकती हैं। म्यामांर लगातार विरोधियों को फांसी की सजा भी दे रहा है।

म्यांमार के मीडिया पोर्टल द इर्रावाडी के मुताबिक वहां 40 साल बाद पिछले साल जुलाई में मौत की सजा दी गई थी।

सरकार ने एक्टिविस्ट को जिम्मी, नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी के लॉमेकर को फ्यो जेया थॉ समेत दो और लोगों को फांसी पर लटकाया था। एक अनुमान के मुताबिक म्यांमार की सेना ने एक साल में लगभग 100 लोगों को मौत की सजा दी है।

स्कूल में फायरिंग करने वाले शूटर ने खरीदे थे सात हथियार

तीन का इस्तेमाल कर सात को मार डाला

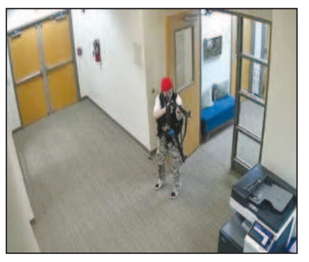

वाशिंगटन, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के नैशविल क्रिश्चियन स्कूल में हुई गोलीबारी के मामले में नया खुलासा हुआ है। मालूम चला है कि शूटर ने इसके लिए कानूनी तौर पर सात हथियार खरीदे थे और इनमें से तीन का इस्तेमाल स्कूल पर हमला के लिए किया। इस हमले में सात लोगों की मौत हो गई थी। मेट्रो नैशविले पुलिस विभाग के प्रमुख जॉन ड्रेक ने प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि हथियार पांच अलग-अलग स्थानीय गन स्टोर से खरीदे गए थे और कानूनी रूप से खरीदे गए थे। जॉन ड्रेक ने बताया कि आरोपी 28 वर्षीय आड्रे हेल ने खुद को ट्रांसजेंडर बताया है। हालांकि आरोपी के लिंक्डइन पेज पर लिंग के तौर पर पुरुष का उल्लेख किया गया है। हेल ने खुद को ग्राफिक डिजाइनर बताया था। पुलिस ने कहा कि अभी उनके पास हमले का मकसद नहीं है।

घटना नैशविल क्रिश्चियन स्कूल की है। यहां सोमवार को हमलावर ने एक साइड दरवाजे के प्रवेश द्वार के माध्यम से स्कूल की इमारत में प्रवेश किया। उसे दूसरी मंजिल पर पुलिस ने घेरा। जवाबी कार्रवाई में उसे ढेर कर दिया गया।

क्या था पूरा घटनाक्रम?

सैक्रामेंटो काउंटी के शेरिफ के प्रवक्ता अमर गांधी ने कहा कि शूटिंग की यह घटना नफरती अपराध से नहीं जुड़ी है, क्योंकि गोलीबारी में शामिल तीनों लोग परिचित थे। उन्होंने बताया कि किसी बात को लेकर पहले दो लोगों में हाथापाई हुई थी। इसके बाद एक संदिग्ध ने अपनी बंदूक निकाल ली और लड़ाई में शामिल दूसरे व्यक्ति के दोस्त को गोली मार दी। इसके बाद जिस व्यक्ति को गोली नहीं लगी थी, उसने बंदूक निकालकर पहले शूटर पर गोलियां दाग दीं और मौके से भाग निकला।

16 केस में जमानत के बाद घिरे इमरान

महिला जज को धमकाने के मामले में गैर जमानती वारंट जारी, जज बोले- पेश होना ही पड़ेगा

इस्लामाबाद, 29 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान पर अदालतों की मेहरबानी बुधवार को थम गई। इस्लामाबाद के सेशन्स कोर्ट ने महिला जज जेबा चौधरी को धमकाने के मामले में खान के खिलाफ फिर गैर जमानती वारंट जारी कर दिया।

इसके पहले 16 मामलों में इमरान को जमानत मिल चुकी है। 9 केस में उन्हें लाहौर हाईकोर्ट से बेल मिली, जबकि 7 मामलों में इस्लामाबाद कोर्ट ने बेल दी है। खान उनके खिलाफ मजबूत केसों में पेश होने से लगातार बच रहे हैं। हालांकि, माना जा रहा है कि अगर वो गिरफ्तार हो जाते हैं तो उन्हें इन मामलों में भी पेश किया जाएगा। बुधवार को सेशन्स जज ने कहा- ये अदालत की तौहीन भी है, खान को पेश होना ही पड़ेगा।

इस्लामाबाद कोर्ट ने पुलिस से कहा है कि वो इमरान को गिरफ्तार करके 18 अप्रैल तक कोर्ट में पेश करे। इस मामले की पिछली सुनवाई 24 मार्च को हुई थी। तब हंगामे और मारपीट के हालात बन गए थे। जज गैर-जमानती वारंट को जमानती वारंट में तब्दील कर दिया था। इसके बावजूद इमरान न तो कोर्ट में पेश हुए और न ही

जमानत की मियाद बढ़वाने की कोशिश की।

बुधवार को सरकारी वकील रिजवान चौधरी ने सुनवाई के दौरान कहा- इमरान पर जज और पुलिस को धमकाने के गंभीर आरोप हैं। इसके बावजूद वो अदालत में पेश नहीं हो रहे हैं। क्या खान पाकिस्तान के कानून से भी बड़े हो गए हैं। अगर वो दूसरी अदालतों के सामने पेश हो सकते हैं, तो यहां आने में क्या परेशानी है। हर बार उन्हें पेश होने से राहत आखिर किस आधार पर दी जा रही है। वो जमानत पर दस्तखत के लिए भी कोर्ट में नहीं आते। इमरान के वकील फैसल चौधरी ने इस बार भी पुरानी दलील दी। कहा- मेरे मुवक्किल को यहां आने में जान का खतरा है। इस दलील को जज राणा मुजाहिद ने खारिज कर दिाय। कहा- जमानत रद्द की जाती है। पुलिस 18 अप्रैल तक इमरान को गिरफ्तार करके हमारे सामने पेश करे।

मैक्सिको के माइग्रेशन सेंटर में आग

मरने वालों का आंकड़ा 39 हुआ, पुलिस ने कहा- तादाद बढ़ भी सकती है

मैक्सिको, 29 मार्च (एजेंसियां)। मैक्सिको के माइग्रेशन सेंटर में रविवार को लगी आग में मरने वालों की संख्या मंगलवार को 39 हो गई। यह माइग्रेशन फेसेलिटी मैक्सिको-अमेरिका बॉर्डर के बिल्कुल करीब है।

पुलिस के मुताबिक- हादसे में झुलसे कुछ लोगों की हालत अब भी काफी गंभीर है। लिहाजा, मरने वालों की तादाद अभी और बढ़ने की आशंका है। अमेरिकी डॉक्टरों की एक टीम भी इलाज में मदद के लिए पहुंच चुकी है।

सेना को मदद के लिए बुलाया

'फॉक्स न्यूज' की एक रिपोर्ट के मुताबिक- यह आग नेशनल माइग्रेशन इंस्टीट्यूट की बिल्डिंग में रविवार दोपहर लगी। ये सेंटर अमेरिकी राज्य टेक्सास से कुछ दूरी पर अल पासो शहर में है। आग किस वजह से लगी, अभी इसका पता नहीं लग सका है।

आग लगने की जानकारी मिलने के फौरन बाद फायर ब्रिगेड और डॉक्टरों की टीम मौके पर पहुंची। अस्पतालों को अलर्ट पर रखा गया। मैक्सिको में यह घटना खराब इंतजामों की वजह से हुई।

इस महीने की शुरुआत में हजारों माइग्रेंट्स यूएस-मैक्सिको बॉर्डर पर बैरिकेड तोड़कर अमेरिका में दाखिल हो गए थे। तब फायरिंग की नौबत आ गई थी। इसके बाद वहां सिक्योरिटी काफी सख्त कर दी गई है।

पुलिस से भिड़ गए थे माइग्रेंट्स

मार्च की शुरुआत में अमेरिका और मैक्सिको के बॉर्डर पर माइग्रेंट्स को लेकर तनाव पैदा हो गया था। बड़ी तादाद में इन माइग्रेंट्स ने बॉर्डर पर लगे कांटेदार तारों को हटाकर अमेरिका में घुसने की कोशिश की। बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स और पुलिस ने ज्यादातर को वापस मैक्सिको बॉर्डर में खदेड़ दिया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक- अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहे ज्यादातर लोग उस ऐप सर्विस से नाराज थे, जो बाइडेन एडमिनिस्ट्रेशन ने माइग्रेंट्स के लिए लॉन्च की है। इनकी शिकायत है कि इस सर्विस की प्रॉसेस बेहद लंबी और थका देने वाली है। जिन लोगों ने मैक्सिको बॉर्डर से अमेरिका में घुसने की कोशिश की, उनमें ज्यादातर वेनेजुएला के नागरिक थे। ये लोग अमेरिका में शरण की मांग कर रहे थे। इन लोगों ने कांटेदार तार और बैरियर्स हटा दिए। पुलिस ने इन्हें रोकने की कोशिश की। इस दौरान कुछ लोग घायल भी हो गए। अमेरिका में घुसने की कोशिश कर रहे लोगों के साथ काफी कम उम्र के बच्चे भी नजर आए थे।

इस दौरान कुछ लोगों ने पुलिस और बॉर्डर पुलिस फोर्स पर हमला भी किया। बाद में पुलिस ने इन्हें खदेड़ दिया। इस दौरान कुछ लोगों के घायल होने की भी खबर है। होम लैंड डिपार्टमेंट मामले की जांच कर रहा है।

दरअसल, कुछ वक्त पहले अमेरिकी होम डिपार्टमेंट ने माइग्रेशन चाहने वाले लोगों के लिए एक ऐप सर्विस लॉन्च की थी। इन लोगों का आरोप है कि इस ऐप को इस तरह से डिजाइन किया गया है ताकि माइग्रेशन चाहने वालों को काफी वक्त खर्च करना पड़े। भीड़ में शामिल एक आदमी ने कहा- अगर इस ऐप के भरोसे रहे तो हमें अमेरिका पहुंचने में कई साल लग जाएंगे। 18 साल की कैमिला पेज ने कहा- बाइडेन पर हम पर रहम दिखाना चाहिए। हमें आने दीजिए ताकि हम अपने परिवार के लिए रोजी-रोटी कमा सकें। फिलहाल, इस मामले पर बॉर्डर प्रोटेक्शन फोर्स और मैक्सिको ने कोई रिएक्शन नहीं दिया है। अमेरिका ने हमारी मदद के लिए जो ऐप सर्विस लॉन्च की है, वो हकीकत में प्रॉसेस को लंबा करने के लिए है। इसमें कई तरह के टेक्निकल फॉल्ट्स हैं।

भारतीय मूल के डेनियल मुखी बने एनएसडब्ल्यू के कोषाध्यक्ष

श्रीमद्भगवद्गीता की शपथ लेकर रचा ये इतिहास

न्यू साउथ वेल्स, 29 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय मूल के डेनियल मुखी पहले ऐसे राजनेता बन गए हैं जो ऑस्ट्रेलिया के किसी भी राज्य के कोषाध्यक्ष बने हैं। उन्होंने मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य के कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ ली। उन्होंने पवित्र श्रीमद्भगवद्गीता के प्रति पद की निष्ठा की ग्रहण की।

ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के मुताबिक, डेनियल मुखी को न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) के प्रीमियर क्रिस मिन और छह अन्य मंत्रियों के साथ शपथ दिलाई गई। पद ग्रहण करने के बाद भारतीय मूल के डेनियल ने अपने बयान में बताया कि उन्होंने न्यू साउथ वेल्स के महान राज्य के कोषाध्यक्ष के रूप में शपथ ली है। इस दौरान उन्होंने एनएसडब्ल्यू के लोगों को धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हमें यह सम्मान और विशेषाधिकार सौंपने के लिए धन्यवाद। उन्होंने अपने बयान में आगे कहा कि मैं भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाला पहला ऑस्ट्रेलियाई मंत्री हूं। यह केवल इसलिए संभव है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया इतने खुले विचारों वाला देश हैं और मेरे माता-पिता जैसे लोगों के योगदान का स्वागत करता है। उन्होंने कहा आज जब मैं शपथ ले रहा तो ऐसे बहुत कुछ मेरे मन में चल रहा था।

गौरतलब है कि 2015 में मुखी को लेबर पार्टी ने न्यू साउथ वेल्स के ऊपरी सदन में स्टीव वॉन की जगह चुना था। मुखी न्यू साउथ वेल्स के भारतीय पृष्ठभूमि के पहले नेता है। साथ ही ऑस्ट्रेलिया में भगवद गीता पर निष्ठा की शपथ लेने वाले पहले व्यक्ति भी हैं। बाद में उन्हें 2019 में वित्त और स्मॉल बिजनेस के शैडो मंत्री और गिग अर्थव्यवस्था का शेडो मंत्री भी बनाया गया था।

बता दें कि डेनियल मुखी के माता पिता 1973 में भारत के पंजाब से आकर ऑस्ट्रेलिया में बस गए थे। डेनियल मुखी का जन्म ब्लैकटाउन के उप नगर में हुआ था। उनका बचपन सिडनी में बीता यह उनके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण समय था।

गौरतलब है कि वर्तमान में ऑस्ट्रेलिया में 680,000 से अधिक हिंदू रहते हैं। साथ ही ऑस्ट्रेलिया में हिंदू धर्म देश का तीसरा सबसे बड़ा धर्म है।

डोकलाम विवाद पर भूटान के पीएम का बदला रुख

लोते थेरिंग ने इसे तीन देशों का सीमा विवाद बताया, इससे बढ़ सकती हैं भारत की दिक्कतें

नई दिल्ली/थिम्पू, 29 मार्च (एजेंसियां)। पड़ोसी देश भूटान के प्रधानमंत्री लोते थेरिंग ने डोकलाम इलाके के विवाद को तीन देशों का विवाद करार दिया है। उनका कहना है कि डोकलाम विवाद को भारत, चीन और भूटान को मिलकर सुलझाना चाहिए, क्योंकि इस विवाद में तीनों ही देश बराबर के जिम्मेदार और हिस्सेदार हैं।

6 साल पहले डोकलाम इलाके में ही भारत और चीन के बीच सीमा विवाद हुआ था और महीनों तक दोनों देशों के सैनिक आमने-सामने खड़े रहे थे। बहरहाल, थेरिंग का बयान भारत के उस स्टैंड से उलट है, जिसमें वो डोकलाम को भारत और भूटान के बीच का मसला मानता है। खुद थेरिंग भी पहले यही कहते रहे हैं, हालांकि अब उनका रुख भारत के लिए चिंता का कारण बन सकता है।

पहली बार चीन पर भी बोले

डोकलाम दरअसल, एक त्रिकोणीय जगह है। इसे ट्राइजंक्शन एरिया कहा जाता है। यहां से भारत का सिक्किम राज्य लगता है। भूटान के प्रधानमंत्री थेरिंग ने बेल्जियम की न्यूज वेबसाइट 'डेली ला लिब्रे' को इंटरव्यू दिया है। इसे एनडीटीवी ने पब्लिश किया है।

इंटरव्यू में थेरिंग ने कहा- डोकलाम मसले का हल सिर्फ भूटान नहीं निकाल सकता। इस मामले से तीन देश जुड़े हैं। और इस मामले में किसी भी देश को छोटा नहीं माना जा सकता। सब बराबर के हिस्सेदार हैं।

थेरिंग का यह बयान भारत की चिंताएं बढ़ाने वाला है। इसकी वजह यह है कि भारत डोकलाम में चीन के किसी भी दावे को नहीं मानता। उसके मुताबिक यह भारत और भूटान के बीच का मामला है। चीन का इसमें कोई दखल नहीं होना चाहिए। यह हिस्सा भारत के सिलीगुड़ी कॉरिडोर में आता है, जिसे स्ट्रैटजिक लोकेशन के हिसाब से सेंसिटिव माना जाता है।

भूटान बातचीत के लिए तैयार

थेरिंग ने कहा- अगर भारत और चीन बातचीत के लिए तैयार हों तो हम भी इस मामले पर बातचीत करना चाहते हैं। खास बात यह है कि 2019 में थेरिंग ने अंग्रेजी अखबार 'द हिंदू' को एक इंटरव्यू दिया था। इसमें उन्होंने कहा था- डोकलाम में कोई भी देश एकतरफा तौर पर बदलाव नहीं कर सकता। इंटरनेशनल मैप्स पर यह जगह बाटांग ला के तौर पर दिखाई गई है। इसके उत्तर में चीन की चुम्बी वैली, दक्षिण में भूटान है, जबकि भारत का सिक्किम पूर्व में है।

चीन चाहता है कि इस ट्राइजंक्शन को मैप पर 7 किलोमीटर दक्षिण की तरफ दिखाया जाए। यहां माउंट गिपमोची है। अगर ऐसा होता है तो तकनीकी तौर पर पूरा डोकलाम क्षेत्र ही चीन के कब्जे में हो जाएगा। भारत इसे किसी

कीमत पर स्वीकार नहीं करता।

2017 में लेफ्टिनेंट प्रवीण बख्शी (अब रिटायर्ड) ने कहा था- अगर चीन इस ट्राइजंक्शन को अपने हिसाब से शिफ्ट करने की कोशिश करता है तो भारत की सेनाएं ऐसा कभी नहीं होने देंगी। एकतरफा तौर पर कोई कदम उठाया ही नहीं जा सकता। यह मामला सीधे तौर पर भारत और भूटान की सिक्योरिटी से जुड़ा है।

2017 के डोकलाम विवाद के बाद से चीन भूटान की अमो चू नदी घाटी के किनारे कंस्ट्रक्शन कर रहा है। यह हिस्सा डोकलाम के पूर्व में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक चीन ने यहां कुछ गांव बसाए और सड़कें बनाईं। ये भूटान का हिस्सा है।

इस बारे में पूछे गए एक सवाल पर भूटान के प्रधानमंत्री ने कहा- मीडिया में इस तरह की बातें हो रही हैं। हमारे लिए यह इसलिए चिंता की बात नहीं है, क्योंकि चीन ने जहां कंस्ट्रक्शन किया है, वो भूटान का हिस्सा नहीं है। यह इंटरनेशनल बॉर्डर एरिया है। हमें पता है कि हमारी जमीन कहां तक है। अगस्त 2022 में कुछ सैटेलाइट इमेजेस सामने आईं थीं। इनसे साफ हुआ था कि चीन भूटान के रास्ते भारत को घेरने की तैयारी कर रहा है। इसमें पता चला है कि चीन ने डोकलाम से 9 किमी दूर भूटान के अमो चू घाटी में गांव बसा लिया है। भूटानी इलाके में मौजूद इस गांव का नाम चीन ने पंगडा रखा है।

इस गांव के निर्माण की तस्वीरें नवंबर 2019 में आई थीं और अब ये गांव पूरी तरह से आबाद है। लगभग हर घर के आगे कार दिखाई दे रही है। पंगडा के पास ही ऑल वेदर रोड है, जो चीन ने भूटान की जमीन पर कब्जा कर बनाई है। यह रोड तेज बहाव वाली अमो चू नदी के किनारे है, जो भूटान के 10 किमी अंदर है। डोकलाम वही जगह है, जहां साल 2017 में चीन और इंडियन आर्मी का सामना हुआ था।

चीन मामलों के एक्सपर्ट डॉ. ब्रह्म चेलानी ने तब कहा था- चीन भूटान के इलाकों में गांव, सड़कों और सिक्योरिटी इंस्टालेशन का निर्माण कर भारत के खिलाफ अपनी सैन्य क्षमता को मजबूत कर रहा है। इन निर्माणों के जरिए चीन देश के रणनीतिक तौर पर अहम चिकन नेक कॉरिडोर के लिए खतरे के तौर पर उभरा है।

डोकलाम के पठार में ही चीन, सिक्किम और भूटान के बॉर्डर मिलते हैं, इसे ट्राइजंक्शन कहते हैं। चीन यहां जिस इलाके में सड़क का निर्माण कर रहा था, वहां भूटान और चीन अपना-अपना दावा करते हैं। भूटान ने चीन से कंस्ट्रक्शन रोकने की मांग की। भारत इस विवाद में भूटान का साथ देता रहा है। वहीं, चीन इसे ब्रिटिश दौर में हुई ट्रीटी का हवाला देकर अपना इलाका बताता रहा है। चीन जहां सड़क बना रहा था, उसी इलाके में 20 किलोमीटर हिस्सा सिक्किम और नॉर्थ-ईस्ट के राज्यों को भारत के बाकी हिस्से से जोड़ता है।

डोकलाम भारत के सिक्किम से चीन के लिए एक पास की तरह है। भारत में इस इलाके को डोकलाम और चीन में डोंगलांग कहते हैं।

डोकलाम चीन और भूटान के बीच का विवादित क्षेत्र है। इस पर भारत का सीधे कोई दावा नहीं है, बल्कि भारत इस विवाद में भूटान का साथ देता रहा है।

चीनी थिंकटैंक की रिपोर्ट, दक्षिण चीन सागर में ड्रैगन पर 'अधिकतम दबाव' डाल रहा है अमेरिका

हांगकांग, 29 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में अपने लड़ाकू जहाजों की गतिविधियां बढ़ा दी हैं। यह चीन पर 'अधिकतम दबाव' डालने की उसकी रणनीति का हिस्सा है। यह बात बीजिंग स्थित थिंक टैंक साउथ चाइना स्ट्रेटेजिक प्रॉबिंग इनिशिएटिव (एससीएसपीआई) ने अपनी एक ताजा रिपोर्ट में कही है। थिंक टैंक ने कहा है कि अमेरिका के निशाने पर ताइवान जलडमरुमध्य है। उसने चेतावनी दी है कि अमेरिकी गतिविधियां बढ़ने से उस क्षेत्र की स्थिरता पर असर पड़ेगा। एससीएसपीआई दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी गतिविधियों पर अपनी सालाना रिपोर्ट जारी करती है। ताजा रिपोर्ट में उसन कहा है कि पिछले साल ऐसी गतिविधियों पर मीडिया ने ज्यादा ध्यान दिया, जिससे उनको लेकर राजनीतिक चर्चा अधिक गर्म हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है- पेंटागन (अमेरिकी रक्षा मंत्रालय) और अमेरिकी ने बार-बार ऐसी अटकलें लगाईं कि चीन की सेना अमेरिकी जहाजों को खतरनाक ढंग से रोकने की कोशिश और गैर-पेशेवर व्यवहार करेगी। इसके पीछे मकसद चीन पर कूटनीतिक और जनमत का दबाव डालना था।

अमेरिका दक्षिण चीन सागर में नियमित रूप से अपने जहाज भेज रहा है। इसे वह नौवहन स्वतंत्रता कहता है। अमेरिका का दावा है कि दक्षिण चीन सागर में अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों पर चीन की नजर है। लेकिन अमेरिका उन्हें अपने और अपने साथी देशों के जहाजों के लिए खुला रखना चाहता है। चीन ने ऐसे अमेरिकी बयानों की लगातार निंदा की है। पेंटागन ने दक्षिण चीन सागर में किए गए अपनी एक ऐसी कार्रवाई का जिक्र अपनी एक रिपोर्ट में किया था। उसने इसे चाइना मिलिट्री पॉवर रिपोर्ट नाम से प्रकाशित किया था। इसमें कहा गया था कि चीन ने सैनिक ताकत के जरिए जोर-जबर्दस्ती बढ़ा दी है। साथ ही उसने ताइवान पर कूटनीतिक, राजनीतिक, आर्थिक और सैनिक दबाव बढ़ा दिया है।

इस रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए चीन ने कहा था कि अमेरिका तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है, ताकि टकराव भड़काया जा सके।

अब जारी एससीएसपीआई की रिपोर्ट में उन अमेरिकी लड़ाकू जहाजों की पहचान बताई गई है, जिन्होंने ताइवान जलडमरूमध्य को पार किया। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका की ऐसी गतिविधियों के पीछे मकसद चीन पर 'अधिकतम राजनीतिक और रणनीतिक दबाव डालना' था।

तालिबान में पड़ गई है फूट

अखुंदजादा हैं कई नेताओं के निशाने पर

काबुल, 29 मार्च (एजेंसियां)। अफगानिस्तान पर शासन कर रहे इस्लामी संगठन तालिबान के सर्वोच्च नेतृत्व में फूट पड़ जाने की खबरें चर्चा में हैं। हालांकि इससे तालिबान में विभाजन होने का अंदाजा अभी नहीं लगाया जा रहा है, फिर भी इस घटनाक्रम के दूरगामी प्रभाव होने के कयास यहां लगाए गए हैं। पिछले महीने गृह मंत्री सिराजुद्दीन हक्कानी ने खोश्त स्थित एक मदरसे के एक समारोह को संबोधित करते हुए तालिबान सरकार के कामकाज को लेकर असंतोष जताया था। उन्होंने कहा था कि सत्ता पर एकाधिकार कायम किया जा रहा है और सरकार की प्रतिष्ठा को चोट पहुंचाई जा रही है, जो तालिबान के हित में नहीं है। सिराजुद्दीन ने समारोह को पहले से रिकॉर्ड किए गए भाषण के जरिए संबोधित किया था। यह भाषण इंटरनेट पर वायरल हो गया।

हालांकि हक्कानी ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन अनुमान लगाया गया है कि उनके निशाने पर तालिबान के सर्वोच्च नेता मुल्ला हैबतुल्लाह अखुंदजादा थे।

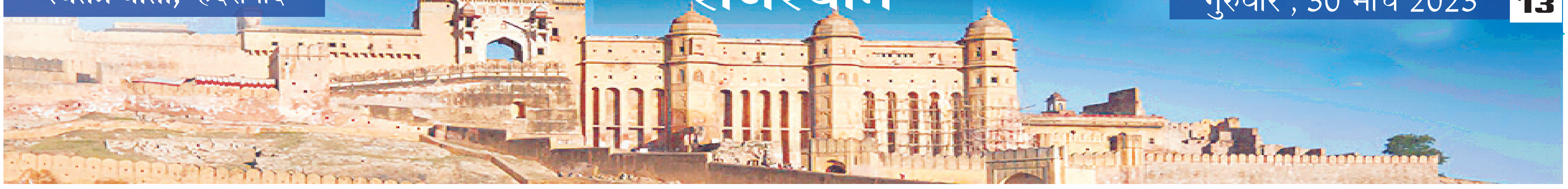

जयपुर के दो जिले बनाने के विरोध में उतरे खाचरियावास

कहा- जयपुर उत्तर और दक्षिण अजीब नाम, पसंद नहीं; टुकड़े नहीं हों

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में नए जिलों पर उठा विरोध अब राजधानी जयपुर में भी तेज होने लगा है। जयपुर को उत्तर और दक्षिण दो जिलों में बांटने का खाद्य मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास ने खुलकर विरोध जताया है।

खाचरियावास ने कहा- जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण अजीब सा नाम हो जाएगा। मुझे भी यह नाम पसंद नहीं है। जयपुर की जनता को भी पसंद नहीं है।

जयपुर की अपनी विरासत है, लोगों की भावनाएं जुड़ी हैं। इसे एक ही रखा जाना चाहिए, दो टुकड़ों में नहीं बांटना चाहिए। खाचरियावास अपने आवास पर मीडिया से बात कर रहे थे।

जयपुर तो जयपुर ही रहेगा

खाचरियावास ने कहा- जयपुर तो जयपुर ही रहेगा। मैं जयपुर का बेटा हूं। जयपुर से विधायक और मंत्री हूं। मेरे सहित जयपुर के सभी विधायक चाहते हैं कि जयपुर ही रहे।

इसे उत्तर और दक्षिण नहीं किया जाए। हम जयपर के टुकड़े नहीं चाहते। सभी जयपुरवासियों की भी यही भावना है। सीएम भी कह चुके कि राजधानी जयपुर ही रहेगी।

खााचरियावास ने कहा- जयपुर पिंकसिटी के तौर पर पहचान रखता है, इसके टुकड़े करना सही नहीं है। जिस तरह एसपी अलग अलग बैठते हैं।

उसी तरह कलेक्टर भले ही एक से ज्यादा कर दीजिए। जयपुरवासियों

की भावना है कि जयपुर एक ही रहे। जयपुवासियों की भावनाओं के अनुसार जयपुर एक ही रहेगा। जयपुर की जनता जैसे सोचती है, वैसे ही पुराना स्वरूप ही रखा जाएगा।

सीएम ने अभी केवल घोषणा की है, फाइनल थोड़ा ही है

खाचरियावास ने कहा- सीएम ने अभी तो केवल घोषणा ही तो की है। यह तो जयपुर वालों को तय करना है। मुख्यमंत्री ने घोषणा की है तो सब फाइनल थोड़े ही कर दिया।

अभी तो मोटे तौर पर स्वरूप ही नहीं बना। स्वरूप तो अब बनेगा। जिस समय जिले पर फाइनल फैसला होगा। उस वक्त सब ठीक कर दिया जाएगा।

खाचरियावास ने कहा- अभी जयपुर के टुकड़े कहां किए हैं, अभी तो केवल सोच दर्शाई है कि जयपुर उत्तर और दक्षिण करके जनता को कैसे राहत दी जाए।

जयपुर उत्तर और जयपुर दक्षिण अजीब सा नाम हो जाएगा। मुझे भी यह नाम पसंद नहीं है। जयपुर की जनता को भी नहीं है। जयपुर की विरासत है । इसे एक ही रखा जाना चाहिए।

बगरू को दूदू में शामिल करने के विरोध के समर्थन में खाचरियावास

दूदू जिले में बगरू और आसपास के क्षेत्र को शामिल करने पर विरोध पर खाचरियावास ने कहा- कोई इलाका अगर दूदू में शामिल होना चाहे तो कर दीजिए।

कौन मना करता है, लेकिन जनता की भावनाओं का ध्यान रखा जाए। कोई दूदू में जाना चाहे, कौन मना कर रहा है।

बगरू विधायक गंगा देवी अगर अपने क्षेत्र को दूदू में शामिल करने का विरोध कर रही हैं तो वे सही हैं। दूदू वाले ही सब कुछ थोड़े ही तय करेंगे।

दूदू की जनता का मैं सम्मन करता हूं, लेकिन गंगा देवी और दूदू वाले बाराबर के विधायक हैं। हमारे लिए तो दोनों ही बराबर हैं। गंगादेवी जैसा चाहेंगी वैसा ही होगा।

बगरू और फुलेरा विधायक अपने क्षेत्रों को दूदू में शामिल करने के विरोध में

दूदू जिले में शामिल किए वाले जयपुर के क्षेत्रों को लेका विरोध हो रहा है। बगरू ओर फुलेरा को दूदू जिले में शामिल करने का विरोध अभी से शुरू हो गया है। बगरू विधायक गंगा देवी पहले से ही इसका विरोध कर चुकी है। फुलरा विधायक निर्मल कुमावत भी सांभर फुलरा क्षेत्र को दूदू में शामिल करने के प्रस्ताव का विरोध कर चुके हैं।

जिलों को लेकर कई जगह हो रहा है विरोध

जिलों को लेकर कई तरह के विरोध सामने आ रहे हैं। नए बने जिलों में कई जगह इलाकों के शामिल करने पर विरोध हो रहा है। खैरथल जिले में भिवाड़ को शामिल किरने का विरोध है। भिवाड़ी को जिला नहीं बनाए जाने पर विधायक संदीप यादव बोर्ड अध्यक्ष पद से इस्तीफा तक दे चुके हैं। भीनमाल विधायक पूरा राम चौधरी और कई जनप्रतिनिधि भीनमाल के इलाके को सांचौर में शामिल करने का विरोध कर रहे हैं।

'कांग्रेस को समाप्त करने के मूड में हैं राहुल'

पूर्व सांसद माथुर बोले- बीजेपी संगठन में जल्द होगा बदलाव, बनेगी कोर टीम

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी के पूर्व राज्यसभा सांसद और छत्तीसगढ़ प्रभारी ओम प्रकाश माथुर ने कहा- राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी चुनावी मोड में आ गई है। जल्द ही संगठन में बदलाव होगा। चुनाव समिति के साथ-साथ चुनाव प्रबंधन समिति भी बनेगी।

राहुल गांधी महात्मा गांधी की कही गई बात को सच साबित कर रहे हैं।

मुझे लगता है राहुल गांधी कांग्रेस को खत्म करने के मूड में हैं।

मंगलवार को जयपुर में अजमेर रोड स्थित अपने आवास माथुर ने पत्रकारों से कहा- पार्टी में सभी फैसले सामूहिक नेतृत्व के जरिए होते हैं। पसंद-नापसंद होती होंगी, लेकिन फैसले सामूहिक नेतृत्व से होते हैं। सब मिलकर चुनाव लड़ते हैं। एक व्यक्ति पार्टी नहीं चलाता है। राजस्थान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर बदलाव को लेकर लंबे वक्त से चर्चा चल रही थी।

माथुर ने कहा- अध्यक्ष पद पर 3 साल का कार्यकाल होता है। सतीश पूनिया भी 3 साल से ज्यादा वक्त का कार्यकाल पूरा कर चुके हैं। ऐसे में प्रक्रिया के तहत पार्टी आलाकमान द्वारा बदलाव किया गया है। जिसे पार्टी के सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्वीकार किया है।

राजस्थान बीजेपी की कोर टीम बनेगी

ओम प्रकाश माथुर ने कहा- जल्द ही चुनाव प्रबंधन समिति भी बनेगी। इसमें कई तरह के विभाग होंगे। ऐसा भी हो सकता है कि राजस्थान बीजेपी की कोर टीम भी बनाई जाए। ऐसे में जल्द ही पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को संगठनात्मक जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि यह कब होगा इस बात की जानकारी तो प्रभारी और सह प्रभारी ही दे सकते हैं।

पार्टी में अध्यक्ष पद पर हुए बदलाव के बाद कार्यकर्ताओं के मन में संगठन में बदलाव की उम्मीद जगी है। उन्हें लगता है कि अध्यक्ष पद के बाद अब संगठन में भी फेरबदल होगा। कार्यकर्ताओं को नए पदों पर काम करने का मौका मिलेगा। राजनीति क्षेत्र में यह अपेक्षा रखना गलत भी नहीं है। मुझे पूरा विश्वास है कि जिस भी कार्यकर्ता को पार्टी दायित्व देगी। पूरी पार्टी के कार्यकर्ता उसके साथ होंगे, क्योंकि पार्टी संगठन के साथ मोर्चा में भी बदलाव होने की संभावना है।

खट्टर-फडणवीस सीएम बनेंगे किसने सोचा था

राजस्थान में भविष्य के मुख्यमंत्री पद को लेकर ओम प्रकाश माथुर ने कहा- पार्टी का पार्लियामेंट्री बोर्ड ही सभी फैसले लेगा। हमारी पार्टी में देवेंद्र फडणवीस और मनोहर लाल खट्टर जैसे लोग मुख्यमंत्री बन जाएंगे। यह किसने सोचा था। गुजरात में भी पार्टी ने पहली बार के विधायक को मुख्यमंत्री बनाया है, जो कोई नहीं सोच सकता था। हमारी पार्टी में कार्यकर्ता और नेता इच्छा जरूर रख सकते हैं। आखिरी फैसला सेंट्रल पार्लियामेंट्री बोर्ड ही करेगा।

महात्मा गांधी के बयान को सच करेंगे राहुल

ओम प्रकाश माथुर ने कहा- राहुल गांधी महात्मा गांधी की कही गई बात को सच साबित कर रहे हैं। मुझे लगता है राहुल गांधी कांग्रेस को खत्म करने के मूड में हैं। उन्होंने कहा- पिछले 3 साल पहले राहुल को सुप्रीम कोर्ट ने सीधा-सीधा डायरेक्शन दिया था। उसके बाद भी अपने आप को इतनी बड़ी पार्टी का सबसे बड़ा लीडर मानते हैं। वाणी पर संयम नहीं है।

अब तो सावरकर को लेकर दिए बयान के बाद उनके पार्टनर उद्धव ठाकरे ने भी गठबंधन तोड़ने की धमकी दी है। ऐसे में धीरे-धीरे ऐसा लग रहा है की गांधी जी ने आजादी मिलने के बाद कहा था कि कांग्रेस को समाप्त कर देना चाहिए। गांधी जी के तथाकथित फर्जी सरनेम वाले राहुल गांधी मूड में हैं कि कांग्रेस को समाप्त (खत्म) कर दिया जाए।

डॉक्टरों से मुख्यमंत्री खुद करें बातचीत

ओम प्रकाश माथुर ने कहा- राजस्थान में डॉक्टर्स की हड़ताल को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अपनी हठधर्मिता छोड़नी चाहिए। राजस्थान की आम जनता परेशान हो रही है। ऐसे में मुख्यमंत्री को अधिकारियों और नेताओं को वार्ता के लिए नहीं भेज खुद डॉक्टरों से बातचीत करनी चाहिए। उन्हें जल्द से जल्द डॉक्टर्स की वाजिब मांगों को पूरा करना चाहिए। ताकि प्रदेश की जनता की परेशानी कम हो।

प्रभारी रंधावा ने साथ मांगा, कार्यकर्ताओं ने सुनाई खरी-खरी

बोले- चार साल तक सिर्फ चहेतों-चमचों को पद बांटे; बासी कढ़ी में उबाल नहीं आने वाला

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। पार्टी के कार्यक्रमों और धरने-प्रदर्शनों में भीड़ नहीं जुटने पर नेताओं को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के एक दिन पहले फटकारा था। अब राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कार्यकर्ताओं से साथ देने की अपील की। उन्होंने राहुल गांधी की लोकसभा मेंबरशिप खत्म करने के विरोध में हो रहे आंदोलन में ट्वीट करके सहयोग मांगा तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुद की अनदेखी का मुद्दा उठा दिया। पार्टी वर्कर्स ने जमकर खरी-खोटी सुनाई।

रंधावा की अपील पर जवाब देते हुए सोशल मीडिया पर नेताओं और कार्यकर्ता ने चार साल तक नजरअंदाज किए जाने पर तल्ख सवाल किए। ज्यादातर ने चहेतों को पद देने, बागियों को महत्व देने और अफसरों को रिटायरमेंट के बाद पद देने पर सवाल उठाए। सचिन पायलट समर्थकों ने उनकी उपेक्षा पर नाराजगी जताई। उन्हें मुख्यधारा में लाने का सुझाव दिया।

रंधावा बोले- मुझे कार्यकर्ताओं का साथ चाहिए, हमें भी कुर्बानियां देनी होंगी

कांग्रेस प्रदेश प्रभारी रंधावा ने ट्वीट में लिखा- 'मुझे कार्यकर्ताओं का साथ चाहिए। कांग्रेस ने हमें बहुत कुछ दिया है। अब हमारी बारी है। ईडी, सीबीआई से हम नहीं डरेंगे। जेल भी जाना पड़ा तो जाएंगे, लेकिन भाजपा सरकार को करारा जवाब देंगे। देशहित में आवाज़ उठाते रहेंगे। एक-एक व्यक्ति के पीछे पूरी फौज को खड़ा होना पड़ेगा। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने भी देश के लिए कुर्बानियां दी थीं। हमें भी कुर्बानियां देनी होंगी। पूरी मेहनत के साथ काम कर राजस्थान में कांग्रेस सरकार बनानी होगी।'

कांग्रेस नेता कुंदन यादव ने पूछा- नियुक्तियां अफसरों को देते हो, कांग्रेस कार्यकर्ताओं में करंट कहां से आएगा?

कांग्रेस नेता और पशुधन विकास बोर्ड के मेंबर कुंदन यादव ने लिखा- प्रभारी साहब बहुत दुख के साथ कहना पड़ता है, जब भी कांग्रेस सरकार आती है नियुक्तियां सिर्फ सरकारी अफसरों या भाजपा के लोगों को मिलती हैं। आप जांच करा लें। उसके बाद आप उम्मीद करें कि कांग्रेस के कार्यकर्ताओं नेताओं में करंट पैदा होगा, वह असंभव है।

एक यूजर राजेश कुमार ने लिखा- कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर बीजेपी के एजेंटो को नियुक्तियां दी हैं तो उनसे बात करो। अब कांग्रेस कार्यकर्ता याद आ रहें हैं। जैसी करनी वैसी भरनी।

वहीं, दूसरे यूजर ने लिखा - जहां-जहां बागियों ने कांग्रेस के खिलाफ चुनाव लड़ा, उन सभी को हाल ही में उन्हीं के चहेतों को पद दिए गए हैं, हर बार की तरह कार्यकर्ता ठगा गया।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं का क्या दिया, बाबाजी का ठुल्लू?

रंधावा से सवाल करते हुए संदीप सांगवान ने लिखा- 'राजस्थान में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को क्या दिया गया? बोर्डों में जगह विधायकों को दी गई, ताकि जादूगर की सरकार पांच साल चल सके। जो बच गए, वो चमचों में बांटे गए। फिर भी एक आध बच गए तो बीजेपी और RSS वालों को दे दिए। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को मिला बाबाजी का ठुल्लू...?

लाठियां खाएं कार्यकर्ता और मलाई खाएं अफसर

कांग्रेस कार्यकर्ता गोपाल लाल ने लिखा- राजनीतिक नियुक्तियां अफसरों और मंत्रियों के बेटों को दी गईं। आज जब सड़क पर संघर्ष करने की बारी आई तब आपको कांग्रेस कार्यकर्ताओं की जरूरत महसूस हुई है। लाठियां खाएं कार्यकर्ता और मलाई खाएं अफसर!

पवन सोनी ने लिखा- कांग्रेस कार्यकर्ताओं को दरकिनार कर बीजेपी के एजेंटों को नियुक्तियां दी हैं तो उनसे बात करो। अब कांग्रेस कार्यकर्ता याद आ रहें हैं। बागी चुनाव लड़कर कर कांग्रेस को हराने वालों को पार्टी में पद दिए जा रहे हैं।

जिन्हें पद दिए अब उनसे मांगिए साथ, कौन से कार्यकर्ता?

रंधावा को जवाब देते हुए डॉ. रामलाल ने लिखा- कार्यकर्ताओं की कोई कद्र नहीं है। इंदर सिंह ने रंधावा से सवाल करते हुए लिखा- कार्यकर्ताओं का साथ! कौन से कार्यकर्ता? अशोक गहलोत जब-जब सीएम बने हैं। पार्टी के कार्यकर्ताओं की ही कमर तोड़ी है। सच्चे पार्टी कार्यकर्ताओं का हक छीनकर अपने चहेते लोगों को दिए।

सतीश पूनिया ने सीएम को लिखा लेटर

कहा- कांग्रेस सरकार की लापरवाही से बिगड़े हालात, डॉक्टर से बात करें सीएम

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष सतीश पूनिया ने लेटर लिख मुख्यमंत्री से राइट टू हेल्थ बिल पर समाधान की मांग की है। उन्होंने लिखा कि मेडिकल और स्वास्थ एक ऐसा क्षेत्र है। जहां 24 घंटे सेवाओं की आवश्यकता होती है। किसी सरकार को किसी समस्या के अहंकार की तरफ नहीं समाधान की तरफ बढ़ना चाहिए। जो गतिरोध था, वह लगातार बढ़ रहा हैं। सरकार ने कोशिश नहीं कि डॉक्टर्स की समस्या को समझने की। जिसकी वजह से आज विरोध बढ़ने के साथ हालत पूरी तरह बिगड़ चुके हैं। उन्होंने कहा कि राइट टू हेल्थ के बिल में यदि मंशा ठीक होती। तो आम लोगों को मेडिकल सुविधा ठीक मिले, इस पर सब एकमत है। लेकिन दोनों ही पक्षों को संजीदगी से सुनकर और उसका योग्य समाधान होना चाहिए था। इतना लंबा समय निकलने के बाद दोनों ही पक्षों के

बीच में नाराजगी के स्वर दिखते हैं। इसलिए अभी भी वक्त है, सरकार को डॉक्टर्स के साथ संजीदगी से बातचीत करने की जरुरत हैं।

पूनिया ने कहा कि बिल पेश हो गया और पास होकर कानून के रूप में सामने आ गया। अशोक गहलोत इस बात की ब्रांडिंग जरूर करेंगे कि उन्होंने देश में सबसे पहले राइट टू हेल्थ सबसे पहले लागू किया। लेकिन उन्हें सब पक्षों की ओर ध्यान देना चाहिए था। सरकार को प्रमाणिक तरीके से जनता के हित में भी और मेडिकल कर्मियों के पक्ष में ध्यान रखते हुए दोनों पक्षों को संतुलित रखना था। लेकिन सर्कार इसमें पूरी तरह विफल हो गई हैं। जिससे प्रदेश कि जनता परेशान हो रही हैं।

पूनिया ने सीएम को लेटर में लिखा कि, प्रदेश में राइट टू हेल्थ बिल विधानसभा से पारित होने के बावजूद प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉक्टर्स द्वारा बिल के विरोध में पिछले कुछ दिनों से हड़ताल-प्रदर्शन किये जा रहे हैं। जिसके कारण प्रदेश में आमजन को स्वास्थ्य लाभ के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। ऐसे में गंभीर मरीजों के समक्ष संकट शुरू हो गया है। इन प्राइवेट हॉस्पिटल के डॉक्टर्स के समर्थन में अखिल भारतीय सेवारत डॉक्टर्स संस्थान द्वारा दिनांक 29 मार्च, 2023 को सामूहिक अवकाश पर रहने का निर्णय लिया है। जिसके कारण प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं पूर्णतया ठप्प होने का अंदेशा है। जैसा की आपको पता ही है कि कोरोना वैश्विक महामारी के प्रथम और द्वितीय लहर में चिकित्सक वर्ग ने जान जोखिम में डालकर समाज की सेवा करने का कार्य किया है।

राजस्थान में आज 8 जिलों में ओलावृष्टि का अलर्ट

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में फिर बारिश का दौर शुरू होगा। एक सक्रिय वेस्टर्न डिस्र्टबेंस के एक्टिव होने से गंगानगर, बीकानेर, जैसलमेर, हनुमानगढ़ और बाड़मेर एरिया फिर बादलों से घिर गया। इन जिलों में आज दोपहर बाद तेज हवा चलने के साथ बारिश और कहीं-कहीं ओले गिर सकते हैं।

वहीं, इस सिस्टम का असर 30 और 31 मार्च को सर्वाधिक देखने को मिलेगा। जिसे देखते हुए राजस्थान में 30 और 31 मार्च के लिए 8 से ज्यादा जिलों को ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

मौसम केन्द्र जयपुर ने किसानों को अलर्ट जारी किया है कि फसलों को बचाने के लिए उनका सुरक्षित स्थानों पर भंडारण करें।

जयपुर मौसम केन्द्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- साउथ-वेस्ट राजस्थान में एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है। जबकि 30 मार्च को एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन पश्चिमी राजस्थान के ऊपर बनने की संभावना है।

इन सिस्टम के साथ ही जो वेस्र्टन डिस्र्टबेंस आ रहा है। उससे राजस्थान में थंडरस्टॉर्म गतिविधियां होगी। 30 और 31 मार्च को इस सिस्टम का तेज असर देखने को मिलेगा। उत्तर-मध्य और उत्तर-पूर्वी राजस्थान के जिलों में देखने को मिलेगा।

इस सिस्टम का सबसे ज्यादा और तेज असर कल यानी 30 मार्च को पड़ेगा। इससे आधे से ज्यादा राजस्थान में बारिश-आंधी चलने के साथ कई स्थानों पर तेज ओलावृष्टि भी हो सकती है।

30 मार्च को बीकानेर, गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू, झुंझुनूं, जोधपुर, पाली, अजमेर, नागौर और सीकर जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

यहां बारिश-ओलावृष्टि के साथ 40 किलोमीटर की स्पीड से हवा चलने की संभावना है। जबकि जैसलमेर, बाड़मेर, जालोर, सिरोही, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, जयपुर, अलवर, टोंक, सवाई माधोपुर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, करौली और बारां-कोटा में भी इस सिस्टम का असर देखने को मिलेगा। इन

अडानी मुद्दे से ध्यान हटाने राहुल गांधी को बनाया निशाना

कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा ने मोदी सरकार पर उठाए सवाल

जोधपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता आलोक शर्मा ने बुधवार को जोधपुर पहुंचे। यहां पत्रकारों से कांग्रेस की आगामी रणनीति पर चर्चा करते हुए मोदी सरकार और अडानी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा देश के प्रधानमंत्री अपने मित्र को बचाने के लिए लोकतंत्र का गला घोंट रहे हैं। अडानी मुद्दे से ध्यान भटकने के लिए नए नए क्रियाकलाप कर रहे हैं। सरकार ने संसद में राहुल गांधी के पूछे सवालों पर जवाब देने से बचने के लिए उनकी सदस्यता रद्द कर दी। सरकार के खिलाफ राहुल गांधी खुलासे करने वाले थे। इसलिए अब जनता के बीच जाकर बीजेपी का वास्तविक चेहरा बेनकाब करेंगे। कांग्रेस पार्टी मोदी सरकार से डरने वाली नहीं है। बल्कि और मजबूत होकर मुकाबला करेगी। आने वाले समय में जनता इनकी हरकतों का जवाब जरूर देगी। आज जो लड़ाई देश में है वो ना कांग्रेस की है, ना राहुल गांधी, मलिकार्जुन खड़गे और ना अशोक गहलोत की है। यह लड़ाई हम सबकी है।

जयपुर सीरियल ब्लास्ट के सभी आरोपी बरी

जिला कोर्ट ने सुनाई थी फांसी की सजा, हाईकोर्ट ने पलटा फैसला

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। हाईकोर्ट ने जयपुर बम ब्लास्ट के चारों आरोपियों को बरी कर दिया। अब सवाल उठने लगा है कि आखिरकार गुनहगार है कौन?

जयपुर में हुए सीरियल बम ब्लास्ट केस में बुधवार को हाईकोर्ट ने सभी चार आरोपियों को बरी कर दिया। जस्टिस पंकज भंडारी और समीर जैन की बेंच ने कहा कि जांच अधिकारी को कानून की जानकारी नहीं है। वहीं राज्य सरकार फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है।

बता दें कि 13 मई 2008 को जयपुर में सीरियल ब्लास्ट हुए थे। इसमें 71 लोगों की जान चली गई थी, जबकि 185 घायल हुए थे। 2019 में जिला कोर्ट ने मोहम्मद सैफ, सैफुर्रहमान, सरवर आजमी और मोहम्मद सलमान को हत्या, राजद्रोह और विस्फोटक अधिनियम के तहत फांसी की सजा सुनाई थी। इसके बाद सभी आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील की थी।

48 दिनों से चल रही सुनवाई पूरी होने पर आरोपियों के वकील सैयद सदत अली ने बताया कि हाईकोर्ट ने एटीएस की पूरी थ्योरी को गलत बताया है। इसी वजह से आरोपियों को बरी कर दिया गया। वहीं, एडिशनल एडवोकेट जनरल राजेश महर्षि ने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ हम सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेंगे। इसकी तैयारी कर रहे हैं।

जाट ने गहलोत के बयान को फिर दोहराया

बोले- कोरोना की वजह से नहीं हुई राजनीतिक नियुक्तियां

उदयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। उदयपुर प्रभारी मंत्री और राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियां समय पर नहीं होने के पीछे दो कारण है।

उदयपुर प्रभारी मंत्री और राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने कहा कि प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियां समय पर नहीं होने के पीछे दो कारण है। पहला कोरोना और दूसरा पार्टी का कोरोना। ये दो तरह की चीजें होने से यूआईटी चेयरमैन सहित जिला अध्यक्षों की नियुक्ति में देरी हुई हैं। रामलाल जाट के इस बयान को सचिन पायलट से जोड़कर देखा जा रहा है। क्योंकि जाट गहलोत के करीबी माने जाते हैं। करीब 2 माह पहले मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी ठीक ऐसा बयान देकर सियासत में हलचल मचा दी थी। गहलोत ने कथित तौर पर सचिन पायलट का नाम लिए बगैर कहा था कि पहले कोरोना आया, फिर हमारी पार्टी में भी एक बड़ा कोरोना घुस गया।

आग के बीच कूद पड़े पुलिसवाले

जलती दुकान से 8 सिलेंडर बाहर निकाले, सिर्फ 5 फीट दूर धधक रही थी लपटें

जयपुर, 29 मार्च (एजेंसियां)। में देर रात एक किराना की दुकान में आग लगने से हड़कंप मच गया। दरअसल, दुकान में 8 घरेलू सिलेंडर रखे थे। जो आग की चपेट में आने से फट सकते थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। जैसे ही दुकान में सिलेंडर रखे होने की जानकारी मिली दो कॉन्स्टेबल जलती दुकान में आग के बीच कूद पड़े। 8 सिलेंडर बाहर निकाल गए। घटना कालवाड़ थाना इलाके की है।

पुलिस ने दमकल को सूचना दी। इस दौरान दुकान के मालिक विकास शर्मा मौके पर पहुंचे। विकास ने ही कॉन्स्टेबल नरेंद्र और अजय को दुकान में रखे सिलेंडर की जानकारी दी थी। अगर आग फैली तो बड़ा हादसा हो सकता था। दुकान मालिक ने बताया- वह रात साढे 9 बजे दुकान बंद करके घर के लिए निकल गया था। रात करीब 11:30 बजे उसके पास कॉलोनी के लोगों का फोन आया की दुकान के अंदर से धुआं निकल रहा है। इस पर दुकान मालिक मौके पर पहुंचा। तब तक आग ने विकराल रूप धारण कर लिया था। आग से दुकान में रखा लाखों रुपए का सामान जल कर राख हो गया। कालवाड़ थाना पुलिस ने बताया- आग लगने के कारणों पर जांच की जा रही हैं। दुकान में रखा सामान जल कर राख हो गया हैं।

देश को चलाने के लिए राजनीतिक पार्टियों को पारदर्शी होना चाहिए : जस्टिस चमलेश्वर

पित्ती ट्रस्ट का 17वाँ व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के तत्वावधान में स्व. बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती के 95वें जन्मदिन पर उनकी स्मृति में आयोजित 17वीं व्याख्यान माला में संविधान की आजादी के 75वें साल विषय पर सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति जस्टिस चेलमेश्वर ने कहा कि यदि लोकतंत्र के मूल्य को बनाये रखना है तो सभी नागरिकों को संविधान का सम्मान करना चाहिए। आगे कहा कि देश की आजादी के 75वें साल में संविधान का पालन सही रूप में नहीं किया गया है। संविधान में सभी के साथ समान न्याय होना चाहिए लेकिन स्थिति ऐसी नहीं है। आज भी लाखों लंबित मामले है जिनकी सुनवाई नहीं हुई है। देश में 200 साल अंग्रेजों का शासन रहा और उस समय जातिवाद के चलते लोगों का प्रताड़ित किया जाता था। इसके खिलाफ हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने आजादी के लिए संघर्ष किया ताकि सभी को समान रूप से न्याय मिल सके। उन्होंने कहा कि शासन व्यवस्था में खास तौर पर देश को चलाने के लिए राजनीतिक पार्टी के चयन की प्रक्रिया भी पारदर्शी नहीं रही है। संविधान में चुनाव के समय निर्धारित खर्च को भी ताक पर रख दिया जाता है। एक सांसद के लिए 40-50 करोड़ रुपये खर्च होना कहाँ तक न्याय संगत है। संविधान के अनुसार, लोकतंत्र तभी सफल होगा जब राजनीतिक पार्टियाँ सभी के साथ न्याय करें। उन्होंने स्व. बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती की सेवाओं को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। विशिष्ट अतिथि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति वी. सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि पित्तीजी के साथ उनका 35-40 वर्षों का अनुभव रहा है। उनके आदर्श, जीवन मूल्य सभी के लिए प्रेरणादायक है। राजनीतिक फायदे के लिए कभी भी अपने सिद्धांतों के साथ उन्होंने समझौता नहीं किया। उनके पास आने वाले कभी खाली हाथ नहीं गये। कार्यक्रम में सभी का स्वागत ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी शरद बी पित्ती ने किया। उन्होंने बताया कि बताया कि बद्री विशाल पित्ती अपने संपूर्ण जीवनकाल में जिन क्षेत्रों, विचारों, विषयों के प्रति गहरी रुचि व चाह रखा करते थे और जिनमें योगदान, प्रोत्साहन व सहयोग दिया करते थे उन्हें स्थायित्व प्रदान करने के लिए बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट की वर्ष 2004 में स्थापना की गई। ट्रस्ट द्वारा साहित्य, कलाओं, भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को प्रोत्साहन देने, जरूरतमंदों को शैक्षणिक व चिकित्सा सहायता प्रदान करने, विधवा महिलाओं को आर्थिक मदद देने, गरीब परिवार की स्त्रियों के विवाह के लिए आर्थिक सहायता प्रदान करने के अलावा अनाथालयों, वृद्धाश्रमों को उनकी जरूरत के अनुसार सामग्री प्रदान करने के साथ साथ सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किये जा रहे हैं। कार्यक्रम का आभार न्यासी अक्षय पित्ती द्वारा व्यक्त किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक प्रेम सिंह राठौड़, डॉ. मोहन गुप्ता, रतन गुप्ता, अजित गुप्ता, राजेश अग्रवाल, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, कैलाश केडिया, सतीश अग्रवाल, रमेश कुमार बंग, प्रेम बजाज, शंकर यादव, कवि डॉ. वेणुगोपाल भट्टड़, प्रो. शशि मुदिराज, माधुरी पित्ती, ट्रस्टी विजय कुमार व अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

बीडीएल एमडी ने जारी की मानक संचालन प्रक्रिया

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत सामग्री प्रबंधन (आईएमएम) मैनुअल-2023 और भारत डायनेमिक्स लिमिटेड की अनुशासनात्मक कार्यवाही पर मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) सिद्धार्थ मिश्रा (सेवानिवृत्त), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीडीएल द्वारा आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में द्वारा जारी की गई। पी. राधा कृष्ण, निदेशक (उत्पादन), एन. श्रीनिवासुलु, निदेशक (वित्त), ए. माधवराव (सेवानिवृत्त), निदेशक (तकनीकी), डॉ. उपेंद्र वेन्नम, आईपीओएस, सीवीओ, बीडीएल, महाप्रबंधक और वरिष्ठ अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। आईएमएम मैनुअल कंपनी में वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन करता है। कंपनी के आईएमएम मैनुअल- 2023 को व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय द्वारा जारी मैनुअल और केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार संशोधित किया गया है। एक कार्यकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रक्रियाओं के हिस्से के रूप में विभागीय जांच आयोजित करना एक प्रमुख गतिविधि है। "विभागीय जांच करने पर एसओपी" का प्राथमिक उद्देश्य जांच प्रक्रिया के माध्यम से सच्चाई को उजागर करने के लिए जांच अधिकारी, प्रस्तुतकर्ता अधिकारी और प्रभारी कर्मचारी को उचित प्रक्रिया का पालन करने में मदद करना है। डॉ. उपेंद्र वेन्नम, आईपीओएस, सीवीओ, बीडीएल द्वारा लिखित एसओपी वांछित उद्देश्यों को पूरा करने के लिए है।

धम्माईगुडा वैष्णव धाम राम मंदिर स्थित राजस्थानी राजपूत मित्र मंडल ई.सी.आई.एल. द्वारा नवरात्रि महोत्सव पर आयोजित एक शाम माताजी के नाम जागरण मे भजन प्रस्तुत करते हुए मुकेश राणा। अवसर पर वैष्णव समाज अध्यक्ष विष्णु रामावत, पूरबिया सेन समाज अध्यक्ष गौतम सेन, विजयभाई चौधरी, समाज के केरसिंह सोलंकी, जनकसिंह देवड़ा व गणमान्यों का स्वागतकर उपस्थित छैलसिंह, किशनसिंह उदावत, विक्रमसिंह, बलवन्तसिंह, करणसिंह व समाज बन्धु।

धम्माईगुडा-नागारम स्थित नवरात्रि महोत्सव दुर्गाष्टमी के पावन अवसर पर कन्याओं की पूजा-अर्चना, भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित धार्मिक सेवा समिति की किरन सोलंकी, युविका, मानवी, हंसीका, तनवी, सोनू, सन्जना, मानकी, किर्ती, गुन्जन, दीपक सीरवी व अन्य।

दुर्गा अष्टमी के उपलक्ष्य में भजन कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्ष सुमन भुवानिया ने उक्त जानकारी देते हुए कहा हिमायत नगर स्थित बबिता गर्ग के निवास स्थान पर दुर्गा अष्टमी के उपलक्ष में भजन कीर्तन किया। सभी ने मिले पूजा की और फिर प्रसाद ग्रहण किया। अवसर पर रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, पायल अग्रवाल, सुनयना नरसरिया, रूपा गुप्ता, स्मिता शाह, श्रद्धा सुखिया, प्रीति गोयल, संध्या गर्ग, अर्चना गर्ग आदि उपस्थित थे।

पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पोषण अभियान के तहत छावनी के एक नंबर वार्ड, नेताजी नगर आंगनबाडी केन्द्र में एक पोषण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जे. प्रताप मुख्य अतिथि थे। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करने से बच्चों के अभिभावकों को जागरूकता आएगी। बाद में सिकंदराबाद परियोजना पर्यवेक्षक सुजना ने कहा कि बच्चों को बिना पोषण की कमी के छोटे-छोटे स्नैक्स खाने की आदत डालनी चाहिए और बच्चों के माता-पिता को स्नैक्स के फायदों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि चिरुध्यान की आदत डालने से बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि चिरुध्यान खाने से शरीर को उचित पोषण मिलता है और इससे बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि पोषण पक्ष के तहत कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में आंगनबाडी शिक्षिका हेमलता, कला, पावनी, मंजुला, वाणी श्रीलता, आशा कार्यकर्ता पार्वती, मल्लिश्वरी, अंबिका, सरला आदि ने भाग लिया।

यूबीआई पंजागुट्टा द्वारा कई सामग्रियां दान दी गईं

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया (यूबीआई), क्षेत्रीय कार्यालय पंजागुट्टा द्वारा हैदराबाद जिला महिला मण्डल समेक्या को सीएसआर गतिविधि में भेंट की गई। सीएसआर गतिविधि के अंतर्गत हैदराबाद जिला महिला मण्डल समेख्या नामक संस्था को 6 डाइनिंग स्टील टेबल, 40 कुर्सियाँ, 1 स्टील गेस स्टोव, 5 सीलिंग फेन और 5 जमीनी पंखे भेट किए गए। बैंक की एमडी व सीईओ की महत्वकांक्षी योजना एम्पावर हर के तहत इस कार्य को किया गया, जिसमें महिलाओं के उत्थान के लिए संबन्धित संस्थाओं को दान दिया जाये। इस अवसर पर उप क्षेत्र प्रमुख डी. विजय सारधि, सहायक महाप्रबंधक श्रीमती बीएएल कामेश्वरी, सुश्री डी. शकीला , मुख्य प्रबन्धक व एम्पावर हर समिति अध्यक्ष उपस्थित रही। संस्था की जनरल सेक्रेटरी सुश्री शाहीन अफ़रोज व प्रेसिडेंट सुश्री सुशीला रेड्डी ने बैंक को धन्यवाद दिया और बैंक के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन उपासना सिरसैया, वरिष्ठ प्रबन्धक (राभा) द्वारा किया गया।

जिले में पोषण पकवान कार्यक्रम सफल हो : जिलाधिकारी

कुमरम भीम आसिफाबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जिलाधिकारी बोरकड़े हेमंत सहदेव राव ने कहा कि जिले में चलाये जा रहे पोषण पकवान कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारी समन्वय से कार्य करें। मंगलवार को जिला केंद्र स्थित समाहरणालय भवन के सभाकक्ष में जिला अपर कलेक्टर चाहत बाज पाई के साथ जिला महिला, बाल, विकलांग एवं बुजुर्ग कल्याण विभाग द्वारा संचालित पोषण आहार कार्यक्रम की समीक्षा की गयी. इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि आंगनबाडी केन्द्रों में इस माह की 20 से 3 अप्रैल तक चलाये जा रहे पोषण आहार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिये संबंधित अधिकारी समन्वय से कार्य करें. उन्होंने कहा कि बच्चों को अल्पाहार युक्त भोजन उपलब्ध कराया जाए तथा एमपीटीसी, सरपंच, वार्ड सदस्य व जनप्रतिनिधि इस कार्यक्रम में सहभागी हों. उन्होंने कहा कि आंगनबाडी केन्द्रों में बच्चों के स्वास्थ्य की स्थिति की समीक्षा कर शाम, मॉम कार्यक्रम कराकर आवश्यक कदम उठाये जाने की प्रक्रिया मार्च के अंत तक पूर्ण कर ली जाये।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के प्रबंधन पर विशेष निगरानी रखी जाये और कार्य में लापरवाही करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी। इस कार्यक्रम में जिला परिषद मुख्य कार्यपालन अधिकारी रत्नमाला, जिला कल्याण अधिकारी सावित्री, जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी रामकृष्ण, मुख्य योजना अधिकारी रविंदर, सीडीपीओ, पर्यवेक्षक, संबंधित अधिकारी सहित अन्य ने भाग लिया।

वीआरए के भाई पर चाकू से हमला

जगतियाल, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मल्लियाल मंडल के बलवंतपुर में मंगलवार की रात तीन अज्ञात लोगों ने ग्राम राजस्व सहायक समेत दो लोगों पर चाकुओं से हमला कर दिया। पुलिस के मुताबिक, वीआरए दस्तागिरी और उनके भाई मौलाना पर उनके घर पर हमला किया गया। बाइक सवार तीन युवक मौके पर पहुंचे और चाकुओं से हमला कर मौके से फरार हो गए। परिवार के सदस्यों और ग्रामीणों ने 108 सर्विस एंबुलेंस को सूचित किया, जिसमें पीड़ितों को जगतियाल जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हमले में शामिल आरोपियों में से एक की पहचान उसी गांव के हरीश के रूप में हुई है। दस्तागिरी, जो गाँव में वीआरए के रूप में कार्यरत है,

समाजसेवी संस्था निर्दोष द्वारा नगर के 20 स्थानों पर जलशला शुरू की गई हैं। निर्दोष खैरताबाद शाखा का शुभारंभ करते हुए संस्था के चेयरमैन डॉ. रामकुमार तिवारी ने किया।

नारायण सेवा संस्थान की हैदराबाद शाखा में जरूरतमंदों को व्हिल चेयर प्रदान किये गये तथा दो लोगों का चयन शल्य चिकित्सा हेतु उदयपुर भेजने के लिए किया गया। इस अवसर पर उपस्थित हैं नारायण मोदी, श्रीमती अलका चौधरी, महेंद्रसिंह रावत व अन्य।

आरटीसी बस में आग लगने से बच गए यात्री

सूर्यापेट, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार तड़के सूर्यापेट पर टीएसआरटीसी की एक बस में आग लगने और पूरी तरह से जलकर खाक हो जाने से 20 यात्री बाल-बाल बच गए। खम्मम डिपो से बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण सूर्यापेट में खम्मम चौराहे पर पहुंचने पर उसमें आग लग गई। ड्राइवर के अलर्ट पर बस में सवार 20 यात्री तुरंत बाहर निकल गए। मौके पर पहुंची दमकल की गाड़ी ने आग पर काबू पाया। हालांकि, तब तक बस पूरी तरह से खाक हो चुकी थी।

करमनघाट सीरवी समाज में हवन पूर्णाहुति आज

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में समाज बन्धुओं के सान्निध्य में चेत्र नवरात्रि महोत्सव के समापन्न पर गुरुवार 30 मार्च को प्रातः 8 बजे पूजा-अर्चनाकर हवन-यज्ञ पूर्णाहुति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जारी प्रेस विज्ञप्ति मे अध्यक्ष हंसाराम आगलेचा व सचिव हिरालाल सैंणचा ने संयुक्तरुप से बताया कि समाज बन्धुओं के सान्निध्य में नवरात्रि महोत्सव के समापन पर पुजा-अर्चना व हवन-यज्ञ पूर्णाहुति कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

करमनघाट अलमासगुडा स्थित श्री आईमाता मंदिर में पंवार परिवार द्वारा आयोजित भागवत कथा के पाँचवें दिन श्री कृष्ण भगवान की लीलाओं का रसपान कराते हुए कथा वाचक आचार्य संत श्री प्रहलादपुरीजी महाराज। भजन प्रस्तुत करती हुई कंचनबाई। भागवत कथा व विभिन्न झांकियों का लाभ लेते हुए लाभार्थी परिवार व समाज बन्धु।

जिला परिषद हाईस्कूल में जागरूकता कार्यक्रम

हैदराबाद, 29 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के भाग के रूप में, राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद द्वारा सरकारी जिला परिषद हाईस्कूल, तोरूर गांव, तुर्कयमजल मंडल, रंगारेड्डी जिले में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। डॉ.जी.पी. प्रसाद प्रभारी सहायक निदेशक, राभाचिसंसं के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। डॉ. क्रिस आन्टणी अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद की एक टीम के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, डॉ. एम. शिव कृष्ण, प्रभारी प्राचार्य श्री. सत्तिरेड्डी और संकाय (फैकल्टी) जंगारेड्डी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान, रागुलु (फिंगर मिलेट), अरेकालु (कोदो मिलेट), कोरालू (फॉक्सटेल मिलेट), समालू (लिटिल मिलेट), ओडालू (बार्नयार्ड मिलेट), सज्जलू (पर्ल मिलेट), जोनालु (सोरघम), वरिगालु (प्रोसो) जैसे पोषक अनाज प्रदर्शित किए गए हैं और छात्रों को दैनिक आहार में उनके महत्व को समझाया गया है। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और विद्यालय में पोषक अनाज की बातचीत में शामिल हो गए।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

5 स्टार जो 2024 आईपीएल में नहीं दिखेंगे

धोनी और अमित मिश्रा 40 पार, लगातार कम हो रहा डुप्लेसिस का स्ट्राइक रेट

मुंबई, 29 मार्च (एजेंसियां)। दो दिन बाद आईपीएल के 16वें सीजन की शुरुआत हो रही है। पहला मुकाबला 31 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा।

59 दिन चलने वाली इस लीग से पहले हम आपको उन स्टार्स के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनका यह आखिरी आईपीएल हो सकता है। ये सितारे अपनी बड़ी उम्र और फिटनेस के कारण आईपीएल से दूरी बना सकते हैं। आगे स्टोरी में ग्राफिक्स के जरिए देखेंगे इनका लीग में ओवरऑल प्रदर्शन और सफर। पिछले सीजन के प्रदर्शन पर खास नजर रखेंगे और यह भी जानने की कोशिश करेंगे कि यह इनका आखिरी आईपीएल सीजन क्यों हो सकता है।...

1. महेंद्र सिंह धोनी, कप्तान चेन्नई सुपरकिंग्स

धोनी लीग के सबसे उम्रदराज एक्टिव खिलाड़ी हैं। वे 40 साल की उम्र पार कर चुके हैं। पिछले सीजन के एक मुकाबले के दौरान उन्होंने संन्यास के संकेत भी दिए थे। पिछले सीजन में धोनी ने खुद कैंप्टेंसी छोड़ी थी और जडेजा को कप्तान बनाया था। हालांकि, विवाद और टीम के खराब प्रदर्शन के कारण धोनी को फिर टीम की कमान संभालनी पड़ी।

पिछले तीन सीजन में धोनी का स्ट्राइक रेट 130 से कम रहा है। उन्होंने 2020 में 116.27 के स्ट्राइक रेट से 200, 2021 में 106.54 के स्ट्राइक रेट से 114 और 2022 में 123.40 के स्ट्राइक रेट से 232 रन बनाए हैं।

इस बार क्या रोल रहेगाः कप्तान के तौर पर टीम को एक और खिताब दिलाने की जिम्मेदारी होगी। साथ ही उन्हें द ग्रेट फिनिशर के टाइटल पर भी खरा उतरना होगा। वे विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालते हैं। ऐसे में उन्हें स्टंप के पीछे चुस्त-दुरुस्त रहना होगा। धोनी ने टीम को चार खिताब दिलाए हैं। टीम ने आखिरी खिताब 2021 में जीता था।

2.अमित मिश्रा, लेग स्पिनर, लखनऊ सुपरजायंट्स

अमित भी 40 साल की उम्र पार कर चुके हैं। पिछले चार सीजन से कुल विकेटों की संख्या लगातार गिर रही है। पिछले सीजन में मिश्रा चार मैचों में कुल 6 विकेट ही ले सके थे। 2016 के बाद उनके विकेट सीजन दर सीजन कम हुए हैं। उनका स्ट्राइक रेट भी पिछले तीन सीजन से कम हो रहा है। वे 7+ की इकोनॉमी से गेंदबाजी कर रहे हैं।

इस बार क्या रोल रहेगाः अनुभवी लेग स्पिनर हैं। मिश्रा ने लीग में अपने प्रदर्शन के जरिए लेग स्पिनर्स के महत्व को बताया है। उनके नाम 150 से ज्यादा मैचों का अनुभव है। ऐसे में युवाओं को गाइड कर सकते हैं और टीम के स्पिन डिपार्टमेंट में रणनीति के लिहाज से अहम योगदान दे सकते हैं।

3. फाफ डु प्लेसिस, कप्तान, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

पिछले तीन सीजन से फाफ डु प्लेसिस का स्ट्राइक रेट गिर रहा है, हालांकि उनके बल्ले से रन आ रहे हैं। प्लेसिस ने 2020 में 140.75 के स्ट्राइक रेट से 449 रन बनाए थे। उसके बाद 2021 में 138.20 के स्ट्राइक रेट से 633 रन और 2022 में 127.52 के स्ट्राइक रेट से 468 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज 38 की उम्र पार कर चुके हैं, ऐसे फ्रेंचाइजी को जल्द ही नया कप्तान तलाशना होगा। विराट ने पिछले साल टीम की कप्तानी छोड़ दी थी और फाफ कप्तान बने। पिछले सीजन में टीम क्वालिफायर-2 हारी थी।

इस बार क्या रोल रहेगाः विराट के कप्तानी छोड़ने के बाद डु प्लेसिस ने टीम की कमान संभाली थी। टीम पिछले दो सीजन से प्लेऑफ में प्रवेश कर रही है। ऐसे में फाफ के कंधों पर टीम को आगे ले जाने की जिम्मेदारी होगी। वे पिछले चार सीजन से 350+ रन बना रहे हैं, ऐसे में रन बटोरने का जिम्मा भी उन्हीं के पास रहेगा। फाफ में टीम को अच्छा स्टार्ट दिलाने का माद्दा है।

4. रिद्धिमान साहा, विकेटकीपर बैटर, गुजरात टाइटंस

38 साल की उम्र पार कर चुके हैं। एवरेज और स्ट्राइक रेट औसत दर्जे का है, विकेट के पीछे भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। स्टंपिंग और कैच के आंकड़े देखें तो साहा ने पिछले सीजन में महज 2 स्टंपिंग की हैं और 11 कैच पकड़े हैं। पिछले सीजन में उनके बल्ले से 122.39 के स्ट्राइक रेट और 31.70 के एवरेज से 317 रन आए हैं। उससे पहले 2021 में साहा ने 93.57 के स्ट्राइक रेट से 131 रन बनाए थे। उनके नाम महज 6 कैच थे।

इस बार क्या रोल रहेगा : पिछले सीजन में टीम चैंपियन बनी थी और साहा ने बैट से योगदान दिया था। उन्होंने 3 अर्धशतकों सहित 317 रन बनाए थे। ऐसे में उनसे इस सीजन में भी रनों की उम्मीद होगी।

5. दिनेश कार्तिक, विकेटकीपर बैटर, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

टी-20 वर्ल्ड कप में खराब प्रदर्शन के बाद वे टीम इंडिया से बाहर हो चुके हैं और इन दिनों कमेंट्री और एनालिसिस में अपना ध्यान लगा रहे हैं। कार्तिक 38 साल की उम्र पार कर चुके हैं। ऐसे में यदि आरसीबी इस सीजन में भी खिताब नहीं जीत पाती है, तो ऐसे में किसी और विकेटकीपर बल्लेबाज का रुख कर सकती है। ऐसा होने पर 38+ के होने के कारण उन्हें नया खरीदार भी मिलना मुश्किल दिख रहा है।

इस बार क्या रोल रहेगा :

पिछले सीजन में फिनिशर की भूमिका में नजर आए थे। कार्तिक ने 183.33 की स्ट्राइक रेट से 330 रन भी बनाए थे। ऐसे में टीम उनसे उसी प्रदर्शन को बरकरार रखने की उम्मीद करेगी। कार्तिक ने पिछले सीजन में दस कैच पकड़े और दो स्टंपिंग भी की।

राष्ट्रीय तलवारबाजी

राजस्थान के करन सिंह ने सेबर में जीता स्वर्ण, महाराष्ट्र के अभय शिंदे को हराया

खेल डेस्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। करन सिंह ने फाइनल में महाराष्ट्र के अभय शिंदे को एकतरफा मुकाबले में 15-9 से पराजित किया। इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल में सर्विसेज के गिशोनिधि को कड़े मुकाबले में 15-14 से हराया था।

33वीं राष्ट्रीय तरलवारबाजी चैंपियनशिप में राजस्थान के करन सिंह गुर्जर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेबर का स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। वहीं केरल ने महिला और सर्विसेज ने पुरुषों में ओवरऑल चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। महिला वर्ग में हरियाणा दूसरे स्थान पर रहा।

करन सिंह ने फाइनल में महाराष्ट्र के अभय शिंदे को एकतरफा मुकाबले में 15-9 से पराजित किया। इससे पहले उन्होंने सेमीफाइनल में सर्विसेज के गिशोनिधि को कड़े मुकाबले में 15-14 से हराया था।

सर्विसेज ने सेबर के फाइनल में पंजाब को 45-29 से हराकर स्वर्ण जीता। महिलाओं के टीम ईपी फाइनल में हरियाणा की शीतल दलाल, तनु गुलिया, तनीक्षा खत्री, प्राची लोहान ने केरल को 45-31 से हराकर स्वर्ण जीता।

आईपीएल में प्लेयर्स की थकान मापेगा बीसीसीआई

खिलाड़ियों को दी गई स्पेशल डिवाइस, डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले वर्कलोड मैनेजमेंट पर नजर रखना मकसद

खेल डेस्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल में खिलाड़ियों का वर्कलोड मॉनीटर करने के लिए दिया गया जीपीएस डिवाइस। यह डिवाइस क्रिकेटर की जैकेट में इनबिल्ट कर दी जाती है। जो खिलाड़ियों के फिटनेस संबंधी जानकारी देती है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड इस बार आईपीएल में जीपीएस डिवाइस की मदद से खिलाड़ियों की फिटनेस पर नजर रखेगा। सभी खिलाड़ियों को प्रैक्टिस और खेलने के दौरान इसे पहनना होगा। यह डिवाइस खिलाड़ी की फिटनेस से जुड़ी करीब 500 अलग-अलग तरह की सूचनाएं देगा। इन सूचनाओं में खिलाड़ी का एनर्जी लेवल, तय की गई दूरी, स्पीड, ब्रेक डाउन के खतरे, हार्टबीट, ब्लड प्रेशर आदि शामिल हैं। यह डिवाइस उस लिमिट को बताने में भी सक्षम है कि जिसके आगे वर्कलोड मिलने पर खिलाड़ी चोटिल हो सकता है।

2018 से चल रहा है काम

बीसीसीआई की सूत्रों की मानें तो 2018 से वर्कलोड डिवाइस पर काम चल रहा था। बीसीसीआई ने ऐसे डिवाइस के इस्तेमाल के लिए साल 2018 से ही विचार करना शुरू दिया था। पहली बार इसे आईपीएल में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस डिवाइस का इस्तेमाल डब्ल्यूपीएल में प्रयोग के तौर पर किया गया था। इसके काफी अच्छे रिजल्ट आए हैं। इससे फ्रेंचाइजीज को भी फायदा हुआ और उन्होंने अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों का इस्तेमाल जरूरत के हिसाब से किया। इसके बाद इसे IPL में इस्तेमाल की हरी झंडी दे दी गई है।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया की टीमें करती हैं इस्तेमाल

वर्कलोड पर नजर रखने वाली डिवाइस का इस्तेमाल इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीमें भी कर रही हैं। भारत में इसका इस्तेमाल देश की नेशनल हॉकी टीम के खिलाड़ी भी करते हैं।

3 महीने पहले एजीसी में वर्कलोर्ड मैनेजमेंट पर हुआ फैसला

आईपीएल में भारतीय खिलाड़ियों की फिटनेस पर नजर रखने के लिए वर्कलोड मैनेजमेंट का फैसला तीन महीने पहले बीसीसीआई की एजीएस में लिया गया था। आईपीएल खत्म होने के फौरन बाद भारतीय टीम को इंग्लैंड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप का फाइनल खेला जाना है। साथ ही अक्टूबर-नवंबर में भारत में ही वनडे वर्ल्ड कप होना है। ऐसे में तय किया गया था कि सीनियर्स और महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को चोट से बचाने के लिए फ्रेंचाइजी के साथ मिलकर वर्कलोड मैनेजमेंट पर काम किया जाएगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले खिलाड़ियों को चोटिल होने से बचाया जाएगा

आईपीएल में वर्कलोड जीपीएस डिवाइस के इस्तेमाल करने की सबसे बड़ी वजह वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप से पहले अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों खास तौर से पेसर्स को बचाने के लिए लिहाज से किया जा रहा है। टीम इंडिया अभी अपने महत्वपूर्ण खिलाड़ियों के चोटिल से जूझ रही है। जसप्रीत बुमराह चोट की वजह से पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप और एशिया कप में नहीं खेल पाए थे। वहीं श्रेयस अय्यर भी पीठ की इंजरी से आईपीएल से बाहर हैं।

वेस्टइंडीज तीसरा टी-20 जीता

साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराया, सीरीज पर 2-1 से कब्जा जमाया

खेल डेस्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और साउथ आफ्रिका के बीच तीन टी-20 मैच की सीरीज का आखिरी मैच जोहानसबर्ग में मंगलवार रात खेला गया। वेस्टइंडीज ने तीसरे और आखिरी मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 रन से हराया। इसके साथ ही टीम ने 2-1 की बढ़त बनाते हुए ट्रॉफी पर भी कब्जा जमाया। पहले बल्लेबाजी करते हुए साउथ अफ्रीका ने 220 रन बनाए / जवाब में साउथ अफ्रीका सिमित 20 ओवर में 213 रन ही बना सका।

अल्जारी जोसेफ को प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया। उन्होंने 5 विकेट लिए। वहीं, टीम के जॉनसन चार्ल्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया।

पूरन और रोमारियो की आक्रामक पारी

टॉस जीत कर साउथ अफ्रीका ने पहले फील्डिंग करने का फैसला लिया। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी की। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग 36 और काइल मेयर्स 17 रन बना कर आउट हो गए। हालांकि, दोनों खिलाड़ी पॉवरप्ले में अपनी टीम को अच्छी शुरुआत देने में कामयाब रहे। जॉनसन चार्ल्स पहली बॉल पर ही आउट हो गए। उन्हें राबाडा ने चलता किया।

इसके बाद टीम के पूर्व कप्तान निकोलस पूरन बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने पारी को गति दीऔर 19 बॉल में 41 रन जड़ दिए। कप्तान रोवमैन पॉवेल 11, रेमन रीफर 27 और जेसन होल्डर 13 रन बना कर आउट हुए। अंत में रोमारियो शेफर्ड ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 22 बॉल में 44 रन की पारी खेली। टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट को कर 220 रन बनाए।

साउथ अफ्रीका की गेंदबाजी बढ़िया रही। लुंगी एंगिदी कागिसो रबाड़ा और नॉर्त्या 2-2 विकेट मिले। वहीं एडेन मारक्रम को 1 विकेट हासिल हुआ।

रीजा हैनरिक्स की हाफ सेंचुरी काम नहीं आई

220 रन के दिए टारगेट का पीछा करने उतरी साउथ अफ्रीका टीम के सलामी बल्लेबाजी क्विंटन डी कॉक और रीजा हैनरिक्स ने टीम को शानदार शुरुआत दी।

डी कॉक 21 रन बना कर आउट हुए। इसके बाद हैनरिक्स और राइली रूसो ने पारी संभाली। हैनरिक्स ने 83 न्न की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं, रूसो ने 21 गेंद पर 42 रन बनाए। लेकिन, यह पारी टीम के काम नहीं आई। मिलर 11 और कप्तान मारक्रम ने नाबाद 35 रन बनाए लेकिन 20 ओवर में साउथ अफ्रीका 213 रन ही बना सही और मैच हार गई।

बॉलिंग में अल्जारी जोसफ का जलवा रहा उन्होंने 5 विकेट चटके।

वेस्टइंडीज ने 2-1 से सीरीज जीती

वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को तीन मैच की सीरीज में 2-1 से हराया। वेस्टइंडीज ने पहला और तीसरा मैच जीता। नए कप्तान रोवमैन पॉवेल के लिए यह पहला टूर्नामेंट था। उन्हें पिछले ही महीने टी-20 की कप्तानी सौपी गई।

अर्जेंटीना के लिए मेसी का एक और रिकॉर्ड

फ्रेंडली मुकाबले में क्युरासाओ को हराया, हैट्रिक के साथ ही मेसी के 100 इंटरनेशनल गोल पूरे

खेल डेस्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। फुटबॉल में इस समय इंटरनेशनल ब्रेक चल रहा है। इसी बीच सभी प्लेयर्स क्लब छोड़ अपनी नेशनल टीम के लिए मुकाबले खेल रहे है। इसी बीच मंगलवार देर रात अर्जेंटीना और क्युरासाओ के बीच अर्जेंटीना में फुटबॉल का फ्रेंडली मैच खेला गया। इसमें अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी ने 3 गोल स्कोर किए। वहीं, अर्जेंटीना ने क्युरासाओ को 7-0 से हराया।

मेसी के अलावा एंजेल डी मारिया, निकोलस गोंजालनेस, एंजो फर्नांडेज और गोंजालो मोंटियल ने गोल स्कोर किए। हैट्रिक के साथ ही मेसी के इंटरनेशनल फुटबॉल में 100 गोल भी पूरे हुए। अब उनके इंटरनेशनल फुटबॉल में 102 गोल हो गए है।

अर्जेंटीना के टॉप गोल स्कोरर मेसी

मेसी वर्ल्ड फुटबॉल में तीसरे सबसे ज्यादा इंटरनेशनल गोल करने वाले खिलाडी है। अर्जेंटीना में वे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाडी है। उनके पीछे गेब्रियल बतिस्तुता के 56 और सर्जियो एगुएरो के 41 गोल है। में एकतरफा मेसी अपने देश के दूसरे खिलाड़ियों से गोल के मामले में बहुत आगे है।

20 मिनट में ही पहला गोल आया

फीफा रैंकिंग में 86वें स्थान की टीम कुराकाओ, केवल 20 मिनट ही अपने आप को बचा सकी। 20वें मिनट में मेसी ने लो सेस्लो से एक पास लिया और बॉक्स के अंदर खूबसूरत शॉट खेल कर गोल स्कोर कर दिया।इसके बाद ही 23वें मिनट में गोंजालेज ने गोल दाग दिया। मेसी ने हाफ टाइम के पहले ही अपनी हैटट्रिक पूरी कर ली। हाफ टाइम के बाद एंजल डी मारिया और गोंजालो मॉन्टियल ने गोल दागे।

मैच के बाद मेसी को मिला अवार्ड

मैच के बाद 42 हजार फैंस की मौजूदगी में मेसी को 100 गोल पूरे करने पर अवार्ड दिया गया। इसके बाद अर्जेंटीना टीम के खिलाड़ियों ने स्टेडियम में फैंस के सामने वर्ल्ड कप की ट्रॉफी दिखाई और सेलिब्रेट किया।

सात साल बाद शीर्ष 10 से बाहर हुई सिंधू

प्रणय आठवें स्थान पर

खेल डेस्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। स्विस ओपन में अपने खिताब की रक्षा नहीं कर पाईं पीवी सिंधू सात साल बाद विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की रैंकिंग के शीर्ष 10 से बाहर हो गई हैं। राष्ट्रमंडल खेलों का स्वर्ण जीतने के बाद टखने का ऑपरेशन कराने केबाद सिंधू नौवें स्थान से ताजा वरीयता क्रम में 11वें स्थान पर पहुंच गई हैं। वह लगातार चार टूर्नामेंटों में खास नहीं कर पाई हैं। सिंधू नवंबर, 2016 के बाद से लगातार शीर्ष 10 में थीं। उनकी शीर्ष बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग दो रही है। एचएस प्रणय आठवें स्थान पर बने हुए हैं। किदांबी श्रीकांत को एक स्थान के नुकसान के साथ 21वें और लक्ष्य सेन 25वें स्थान पर हैं। स्विस ओपन जीतने वाले सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी छठे और गायत्री गोपीचंद-त्रिशा जॉली की जोड़ी 18वें स्थान पर बनी हुई है।

दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ सकते है ऋषभ पंत

हेड कोच रिकी पोंटिंग ने कहा - डगआउट में पंत की मौजूदगी टीम के लिए खास होगी

खेल डेस्क, 29 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच रिकी पोंटिंग पिछले हफ्ते ही आईपीएल के लिए टीम के कैंप के साथ जुड़ गए है। पोंटिंग ने इस दौरान कहा कि, मैंने ऋषभ से बात की है। हमें उम्मीद है कि वह इस सीजन में शामिल होंगे। मैं उन्हें अपने साथ सभी घरेलू मैच साथ रखना पसंद करूंगा। हमारे डगआउट और चेंजिंग रूम में उनकी मौजूदगी टीम के लिए खास होगी।

कप्तान वार्नर ही करेंगे टीम के लिए ओपनिंग

दिल्ली कैपिटल्स ने डेविड वार्नर को 6.25 करोड़ रुपए में खरीदा था और वो आईपीएल 2023 में टीम का नेतृत्व करेंगे। वहीं ऑलराउंडर अक्षर पटेल टीम के उप-कप्तान होंगे।

पोंटिंग ने साफ किया कि पारी का आगाज वॉर्नर ही करेंगे। पोंटिंग ने कहा, मैं नहीं चाहता कि वॉर्नर चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करें। वह आईपीएल इतिहास का सबसे सफल सलामी बल्लेबाज है और

पिछले साल दिल्ली के लिए उन्होंने जो मैच खेले थे उनमें भी हमने इसे देखा। वार्नर की कप्तानी पर पोंटिंग ने कहा कि, वार्नर एक सफल कप्तान है। वह टीम को लीड करने के लिए उत्सुक है।

3 साल बाद आईपीएल के दौरान ट्रेवल करेंगे

ऑस्ट्रेलिया के लीजेंड पोंटिंग ने कहा कि, तीन साल बाद हम होम और अवे गेम के लिए ट्रेवल करेंगे। आईपीएल के दौरान ट्रेवल कठिन होगा और उत्सुक हूं कि हमे अलग अलग वेन्यू पर खेलने का मौका मिलेगा। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ जाता है।

गांगुली के साथ काम करना पसंद है - पोंटिंग

पोंटिंग ने कहा कि, मेरी टीम डायरेक्टर सौरव गांगुली से बात हुई, हमने पॉसिबल लाइनआप और कीपर के बारे में बात की है। उनके साथ मुझे काम करना पसंद है। हमने 2019 में भी साथ में कई मैच जीते। दिल्ली का पहला मैच 1 अप्रैल को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ है।

|| जय श्री राम || || जय गौ माता || || जय श्री राम ||

हिन्दू राष्ट्र स्थापनार्थ

आज गुरुवार दि.30 मार्च 2023
प्रातः 10:31 बजे से

श्री राम नवमी शोभा यात्रा

धूलपेट के सुप्रसिद्ध मूर्तिकार श्री लक्ष्मीनारायण कलाकार द्वारा निर्मित
भगवान श्री रामचन्द्रजी, छत्रपति शिवाजी महाराज एवं अन्य विशाल गतिशील झाँकियाँ

शोभा यात्रा : श्री आकाशपुरी हनुमान मन्दिर, रानी अवंती बाई लोध भवन, धूलपेट से प्रारम्भ होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए हनुमान व्यायामशाला स्कूल, कंदास्वामी लेन, सुल्तान बाजार में रात्रि 8 बजे धर्मसभा के रूप में परिवर्तित होगी।

आयोजक : श्री राम युवा सेना, भाग्यनगर

पूजन एवं हवन कार्यक्रम आचार्यत्व : ज्योतिषाचार्य, वास्तु शास्त्री, आध्यात्मिक चिंतक
पंडित गजानन कृष्णजी महाराज

टी. राजा सिंह
राष्ट्रीय अध्यक्ष : श्री राम युवा सेना एवं गोशामहल विधायक

बेगम बाजार छतरी पर 'अखण्ड हिन्दू राष्ट्र' पर टी. राजा सिंह द्वारा संकल्प एवं सम्बोधन

अविनाश देवड़ा | अजयराज शर्मा | गजानन कृष्ण महाराज | योगेश सिंह

श्रीराम युवा सेना-भाग्यनगर | श्रीराम युवा सेना गौरक्षा दल | इमलीबन गौभक्त टीम | श्रीराम युवा सेना महिला मण्डल

सत्यनारायण मुकन्दलाल डोबा मुकुन्द ट्रेडिंग कम्पनी बेगम बाजार, हैदराबाद	बंकटलाल भाटी रतनलाल हीरालाल भाटी बेगम बाजार, हैदराबाद	जगदीशनारायण दिनेश मानसिंह होटल मानसिंह बेगम बाजार, हैदराबाद	मदनलाल घनश्याम भाटी शिवनाथ सोहनलाल बेगम बाजार, हैदराबाद	लक्ष्मीनारायण राठी 'लच्छु भाई वाईस चेयरमैन : महेश बैंक अध्यक्ष : माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकन्दराबाद
दामोदरदास विजयवर्गीय किशनलाल बालाराम विजयवर्गीय बेगम बाजार, हैदराबाद	सरदारमल हुक्मीचन्द देवड़ा हुक्मीचन्द एण्ड ब्रदर्स बेगम बाजार, हैदराबाद	वेणुगोपाल लोया शोभाचन्द शिवजीराम लोया मोहिनी इण्डस्ट्रीज	सीए कन्हैयालाल राठी हरिराम बालमुकुन्द राठी बेगम बाजार, हैदराबाद	प्रकाशचन्द जगदीशप्रसाद साँखला बलदेवराम सत्यनारायण बेगम बाजार, हैदराबाद
पं. वासुदेव तिवारी श्रीनाथ ज्योतिष कार्यालय उस्मानशाही, हैदराबाद	नानजी भाई जसमत भाई पटेल Love for Cow Foundation हैदराबाद	रूपनयन दरक मोहनलाल गोपालदास दरक आगापुरा, हैदराबाद	सुरेश कुमार माली हिमालया क्रॉकरी एण्ड गिफ्ट्स फीलखाना, हैदराबाद	सुमित सोमानी सोमानी ब्रदर्स बेगम बाजार, हैदराबाद
सुरेश बंसल सुरेश ट्रेडर्स बेगम बाजार, हैदराबाद	मुकेश कुमार श्री कृष्णा प्लास्टिक्स बेगम बाजार, हैदराबाद	बालमुकुन्द सूरजकरण जाजू जाजू साड़ी एक्सटेंशन बेगम बाजार, हैदराबाद	आर. ओमप्रकाश शर्मा SR & SR Developers फ्लैट नं.102, कुबेर टॉवर्स, शिवरामपल्ली, हैदराबाद	राजेश कुमार मालपाणी राजेश सिल्क हाऊस लाड बाजार - बंजारा हिल्स
अमित लड्डा 'गग्गु भाई' स्वागत डेकोरेटर्स बेगम बाजार सेलेब्रेशन कन्वेंशन गगन पहाड	विजय कुमार सोलंकी बालाजी रामवल्लभ बेगम बाजार, हैदराबाद	घनश्यामदास मनोजकुमार जोशी शिव शक्ति माइन केम सुल्तान बाजार, हैदराबाद	मोहनसिंह हिन्दू राष्ट्र फीलखाना, बेगम बाजार, हैदराबाद	श्रीकिशन मालाणी मूलचन्द आशाराम मालाणी बेगम बाजार, हैदराबाद
मेघराज रमेश भाटी एम. मेघराज बेगम बाजार, हैदराबाद	बजरंगलाल पंवार बाबुलाल रामकुमार पंवार बेगम बाजार, हैदराबाद	एडवोकेट राहुल भाटी रामचन्दर सज्जनलाल भाटी शाहइनायतगंज, बेगम बाजार, हैदराबाद	लाभचन्द पुरुषोत्तम निलेशकुमार मारोठिया बालाजी पुरुषोत्तम बेगम बाजार, हैदराबाद	भरतराज देवड़ा देवड़ा कंस्ट्रक्शंस एण्ड डेवलपर्स महेश नगर कॉलोनी, आबिड्स, हैदराबाद
नन्दलाल पूरणमल अग्रवाल महेश ट्रेडिंग कम्पनी बेगम बाजार, हैदराबाद	मनीष पवन भाटी रामचन्दर रूपचन्द भाटी बेगम बाजार, हैदराबाद	कमलकिशोर आकाश जाजू बालाजी जाजू इवेन्ट्स चूडी बाजार, बेगम बाजार, हैदराबाद	प्रवीण कुमार (पप्पु) वैभव अग्रवाल लक्ष्मी ट्रेडिंग कम्पनी बेगम बाजार, हैदराबाद	अरुण डाकोतिया परामर्शदाता : पहाड़ी श्याम मन्दिर महिन्द्रा हिल्स, सिकन्दराबाद
बालाजी रामकिशन पंसारी मानसरोवर एग्रोसैक्स प्रा. लि. हैदराबाद	बस्तीराम नन्दकिशोर उमेश देवड़ा श्री भगवती कारपोरेशन किशनगंज, हैदराबाद	मूलचन्द नथमल डालिया बेदरवाडी, बेगम बाजार, हैदराबाद	अरविन्द मंत्री, विनोद मंत्री मंत्री प्रिंटर्स - श्री गिरीराज कारपोरेशन नगारखाना, बेगम बाजार, हैदराबाद	प्रमोद कुमार केड़िया एडवोकेट सिद्दिअम्बर बाजार, हैदराबाद
कंवरीलाल मनोज कच्छावा दिलीप ट्रेडर्स बेगम बाजार, हैदराबाद	विजय जाजू जय भवानी कीर्तन मण्डल बेगम बाजार, हैदराबाद	निलेश शर्मा (भजन गायक) कमलकिशोर नितिन शर्मा कबूतरखाना, हैदराबाद	मुकेश पंवार रियल इस्टेट बेगम बाजार, हैदराबाद	गुरु सिंह बलवंत सिंह देवेन्दर सिंह परिवार घोडे की कबर, हैदराबाद
Shiv Ratan Vaish Ratan Khatri Shivratan Living P. Ltd. Begum Bazar, Hyderabad	Nitin Sarda Kesrimal Narsingdas Sarda Isamiya Bazar, Hyderabad Ph. : 9949013702	BANDHAN SAREE Harish Kumar Oza 90636 33093 Begum Bazar, Hyderabad	SATWIK 100% Natural Spices Navneet Parashar Naresh Parihar PM TRADERS Chudi Bazar, Begum Bazar	Yash Joshi 8099544384 YDI EVENTS CRAFTING YOUR DREAMS
Jay Tapadia Vijay Tapadia Secunderabad Tapadia TECH	SANTOSH DHABA GOSHAMAHAL | ABIDS | SECUNDERABAD | ATTAPUR	Splash of Energy Platinum PACKAGED DRINKING WATER	Dholpur Fresh Skimmed Milk Powder DESI GHEE Ph.: 040 24733360	CLIKZZ PHOTOGRAPHY Ravi Sharma 9652436953

LIVE ON YouTube YouTube : Shree Ram Channel Telangana | LIVE ON Twitter : TigerRajaSingh

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.